

# संस्कृत

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

कक्षा

6

## संस्कृत-6

1

### शब्दपरिचयः

- (क) कमलम् (ख) खड्गः  
(ग) घटः (घ) छत्रम्  
(ङ) उष्ट्रः (च) एणः  
(छ) धनुः (ज) आम्रम्  
(झ) ढौलः
- (क) ऋषिः (ख) गणेशः  
(ग) ओष्ठौ (घ) झरः  
(ङ) मयूरः (च) बकः  
(छ) फणी (ज) रथः
- (क) चटका - च्+अ+ट्+अ+क्+आ।  
(ख) नरेशः - न्+अ+र्+ए+श+अः।  
(ग) पत्रम् - प्+अ+त्+र्+अ+म्।  
(घ) दर्पणः - द्+अ+र्+प्+अ+ण्+अः।  
(ङ) घटः - घ्+अ+ट्+अः।

#### रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) जलयानम्। (ख) शशकः  
(ग) गणेशः (घ) चक्रम्  
(ङ) इष्टिका।
- आम्रम्, ऊर्णा, औषधम्, कमलम्, घटः, बकः,  
मयूरः, रथः, सरः, हलम्।

#### योग्यता विस्तारः

- पञ्च पशवः - गौ, अश्वः, बलीवर्दः,  
हरिणः, ऋक्षः।
- पञ्च शाकाः - आलुकः, भिण्डका,  
कूष्माण्डः, तुम्बी, गोजिह्वा।
- पञ्च फलानि - सेवम्, सीताफलम्,  
नारङ्गम्, आम्रम्, द्राक्षाफलम्।

2

### कर्तृक्रियासम्बन्धः

#### 1. उचितं मेलनं कुरुत

- |              |           |
|--------------|-----------|
| (अ)          | (ब)       |
| (क) पुष्पाणि | विकसन्ति। |
| (ख) अजाः     | चरन्ति।   |
| (ग) गङ्गा    | प्रवहति।  |
| (घ) बालकौ    | पठतः।     |
| (ङ) चटके     | कूजतः।    |

#### 2. उचित क्रियापदेन रिक्तस्थान पूर्तिः

- छात्राः पठन्ति।
- चक्राणि भ्रमन्ति।
- यानं गच्छति।
- बालिके खादतः।
- पत्रे पततः।

#### 3. चित्रं दृष्ट्वा उत्तरत्-

- पत्रम् पतति।

- बालकाः क्रीडन्ति।
- बालिकाः धावन्ति।
- पुष्पाणि विकसन्ति।
- बालकः हसति।
- बालिका खादति।

#### 4. शुद्धाशुद्ध सूचयत

- |       |       |
|-------|-------|
| (क) X | (ख) ✓ |
| (ग) X | (घ) ✓ |
| (ङ) X |       |

#### 5. बहुवचने परिवर्तनम्

- बालिकाः पठन्ति।
- चटकाः कूजन्ति।
- फलानि पतन्ति।
- गृहाणि सन्ति।
- गजाः गच्छन्ति।

3

## सर्वनामशब्दाः (भाग-1)

## पुंलिङ्गम्

## 1. उचितं मेलयत

| (अ)        | (ब)     |
|------------|---------|
| (क) सः     | गच्छति  |
| (ख) मयूरः  | नृत्यति |
| (ग) नरः    | पठति    |
| (घ) सैनिकौ | रक्षतः  |
| (ङ) गजाः   | खादन्ति |
| (च) ते     | पिबन्ति |
| (छ) एतौ    | हसतः    |
| (ज) एते    | सन्ति   |

## 2. पठित्वा वाक्यानि रचयत

|                      |
|----------------------|
| (क) तौ कौ स्तः?      |
| (ख) ते नराः सन्ति।   |
| (ग) एषः कः गच्छति?   |
| (घ) एतौ नरौ गच्छतः।  |
| (ङ) एते के गच्छन्ति? |
| (च) कः गच्छति?       |
| (छ) तौ कौ स्तः?      |
| (ज) एते के सन्ति?    |
| (झ) सः नरः अस्ति।    |
| (ञ) नराः गच्छन्ति।   |
| (ट) के गच्छन्ति?     |

## स्त्रीलिङ्गम्

## 1. उचितं मेलयत

| (अ)         | (ब)         |
|-------------|-------------|
| (क) सा      | गच्छति।     |
| (ख) एते     | उपविशतः।    |
| (ग) काः     | पठन्ति।     |
| (घ) बालिकाः | लिखन्ति।    |
| (ङ) एषा     | हसति।       |
| (च) के      | खादतः।      |
| (छ) ताः     | खेलन्ति।    |
| (ज) का      | उत्तिष्ठति? |

## 2. पठित्वा वाक्यानि रचयत

|                           |
|---------------------------|
| (क) एषा बालिका अस्ति।     |
| (ख) का गच्छति?            |
| (ग) ते बालिके गच्छतः।     |
| (घ) एते के स्तः?          |
| (ङ) ताः बालिकाः गच्छन्ति। |
| (च) एताः काः सन्ति?       |
| (छ) काः गच्छन्ति?         |
| (ज) ताः बालिकाः सन्ति।    |

## नपुंसकलिङ्गम्

## 1. उचितं मेलयत

| (अ)      | (ब)        |
|----------|------------|
| (क) सः   | उत्तिष्ठति |
| (ख) एषा  | गच्छति     |
| (ग) के   | खादन्ति    |
| (घ) कानि | पतन्ति     |
| (ङ) ते   | हसतः       |
| (च) एतत् | भ्रमति     |
| (छ) किम् | उपविशति    |
| (ज) ताः  | चलन्ति     |
| (झ) एतौ  | लिखतः      |

## 2. उचितं मेलयत

| (अ)      | (ब)     |
|----------|---------|
| (क) एषः  | बालकः   |
| (ख) किम् | गृहम्   |
| (ग) कानि | पत्राणि |
| (घ) एते  | याने    |
| (ङ) एतत् | व्यजनम् |
| (च) सा   | महिला   |
| (छ) एताः | गायिकाः |
| (ज) ते   | नराः    |
| (झ) के   | नेत्रे  |
| (ञ) एतौ  | हस्तौ   |

3. पठित्वा वाक्यानि रचयत

- (क) तत् पुस्तकम्।  
 (ख) एतद् यानम्।  
 (ग) किम् एतानि पुस्तकानि।  
 (घ) एतानि यानानि।  
 (ङ) एते पुस्तके।  
 (च) कानि पतन्ति?

4. वाक्यानि रचयत

- (क) एषः शिक्षकः अस्ति।  
 (ख) कः लिखति?  
 (ग) सा बालिका पठति।  
 (घ) एतत् फलं पतति।

- (ङ) एषा बालिका नृत्यति।  
 (च) एतत् फलं पतति।  
 (छ) किम् एतत् फलम् अस्ति?  
 (ज) शिक्षकः लिखति।

5. वाक्यानि रचयत

- (क) ताः महिलाः नृत्यन्ति।  
 (ख) एताः घट्यः सन्ति।  
 (ग) काः गच्छन्ति?  
 (घ) तानि पत्राणि पतन्ति।  
 (ङ) एतानि पत्राणि सन्ति।  
 (च) कानि पतन्ति?  
 (छ) ते बालकाः पठन्ति।  
 (ज) काः बालिकाः लिखन्ति?

## सर्वनामशब्दाः (भाग-2)

### युष्मद् पुल्लिङ्गं स्त्रीलिङ्गं च

1. उचितं मेलयत

- |           |          |
|-----------|----------|
| (अ)       | (ब)      |
| (क) अहं   | गच्छामि। |
| (ख) त्वम् | पठसि।    |
| (ग) आवाम् | लिखावः।  |
| (घ) युवां | चलथः।    |
| (ङ) वयं   | हसामः।   |
| (च) यूयं  | पश्यथ।   |
| (छ) एषः   | खादति।   |
| (ज) कः    | वदति?    |
| (झ) एषा   | पचति।    |
| (ञ) सा    | पिबति।   |

2. पठित्वा वाक्यानि रचयत

- (क) तौ पठतः।  
 (ख) ते पठन्ति।  
 (ग) त्वं पठसि।  
 (घ) युवाम् पठथः।  
 (ङ) यूयं पठथ।  
 (च) अहं पठामि।

- (छ) आवां पठावः।  
 (ज) वयं पठामः।

3. पठित्वा वाक्यानि रचयत

- (क) सः नरः अस्ति।  
 (ख) तौ बालकौ स्तः।  
 (ग) ते बालकाः सन्ति।  
 (घ) सा बालिका पठति।  
 (ङ) ते बालिके लिखतः।  
 (च) ताः महिलाः गच्छन्ति।  
 (छ) तत् चित्रम् अस्ति।  
 (ज) ते चित्रे स्तः।  
 (झ) तानि व्यजनानि सन्ति।  
 (ञ) त्वं हससि।  
 (ट) युवां धावथः।  
 (ठ) यूयम् नृत्यथ।  
 (ड) अहं गच्छामि।  
 (ढ) आवां खादावः।  
 (य) वयम् पठामः।

## 4

## सङ्ख्या बोधः

## 1. उचित शब्देन रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) फलम् (ख) बालिकाः  
(ग) अश्वाः

- (छ) चत्वारि (ज) अष्ट  
(झ) नव (ञ) एका

## 2. उचितपरिवर्तनेन रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) लते (ख) बालाः  
(ग) छात्रैः (घ) गृहाणि  
(ङ) बालकाः (च) नृपाः  
(छ) अजाः (ज) गृहाणि  
(झ) मनुष्याः (ञ) गजाः

## 4. संस्कृतसंख्या लिखत

- (क) द्वे (ख) चत्वारः  
(ग) त्रीणि (घ) एकः  
(ङ) तिस्रः (च) द्वे  
(छ) द्वौ (ज) एकम्  
(झ) त्रयः (ञ) एका

## 3. उचित सङ्ख्यापदेन पूरयत

- (क) एकम् (ख) सप्त  
(ग) द्वे (घ) पञ्च  
(ङ) द्वौ (च) द्वे

## 5. गणनां कृत्वा संख्या लिखत

- (क) द्वे (ख) तिस्रः  
(ग) त्रीणि (घ) षड्  
(ङ) दश (च) दश  
(छ) पञ्च (ज) अष्ट  
(झ) चत्वारः (ञ) नव

## 5

## विद्या महिमा

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) विनयम्।  
(ख) विद्वान्।  
(ग) विद्यावान्।  
(घ) धनम्।

|                            |                      |
|----------------------------|----------------------|
| (घ) विदेशेषु धनं<br>विद्या | व्यसनेषु धनं मतिः।   |
| (ङ) किं कुलेन<br>विशालेन   | विद्याहीनस्य देहिनः। |

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) विनयात् पात्रतां याति।  
(ख) परलोके धनं धर्मः।  
(ग) स्वदेशे राजा पूज्यते।  
(घ) निर्बलानां बलं विद्या।

## 4. रिक्तस्थानानि पूरयत

- (क) धनम्, धनाद् (ख) विद्या  
(ग) राजा, विद्वान् (घ) विद्या

## 5. विलोमशब्दैः मेलयत

- (अ) (ब)  
(क) सुखम् दुःखम्  
(ख) विदेशेषु स्वदेशेषु  
(ग) इहलोके परलोके  
(घ) महाधनः निर्धनः  
(ङ) सुन्दरः कुरूपः  
(च) निर्बलः सबलः  
(छ) विद्वान् मूर्खः  
(ज) मित्रम् शत्रुः  
(झ) कुलीनः अकुलीनः  
(ञ) सुशीलः दुःशीलः

## 3. उचितं योजयत

| (अ)                            | (ब)                        |
|--------------------------------|----------------------------|
| (क) विद्या ददाति<br>विनयं      | विनयाद् याति<br>पात्रताम्। |
| (ख) अलसस्य कुतो<br>विद्या      | अविद्यस्य कुतो<br>धनम्।    |
| (ग) विद्वत्त्वं च<br>नृपत्वं च | नैव तुल्यं कदाचन।          |

6. उदाहरणानुगुणम् अन्वयपूर्तिं कुरुत

(क) कुरूपाणां रूपं विद्या निर्धनानां धनं (विद्या) तथा। निर्बलानां बलं विद्या, अतः प्रयत्नतः साधनीया।

(ख) विदेशेषु विद्या धनम्, व्यसनेषु मतिः धनम्, परलोके धर्मः धनं, शीलं सर्वत्र वै धनम्।

6

मम दिनचर्या

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) पञ्चवादने।
- (ख) विद्यालयम्।
- (ग) संस्कृत भाषा।
- (घ) दूरदर्शनम्।
- (ङ) नववादने।

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) मोहनः स्नानान्तरं प्राणायामं करोति।
- (ख) मोहनः हिन्दी भाषां, संस्कृत भाषां, आङ्ग्ल भाषां च पठति।
- (ग) मोहनः सायंकाले क्रीडति।

3. द्वितीयाः विभक्त्याः चयनम्

- (क) गुरुम्, ईशम्।
- (ख) मातरम्, पितरम्।
- (ग) पाठान्।
- (घ) गृहम्।

4. वाक्यानि रचयत

- (i) कृपया चमसं ददातु।
- (ii) कृपया सुधाखण्डं स्वीकरोतु।
- (iii) कृपया तालं पश्यतु।
- (iv) कृपया स्यूतं ददातु।
- (v) कृपया मालां स्वीकरोतु।
- (vi) कृपया पत्रिकां पठतु।
- (vii) कृपया शाटिकाम् आनयतु।

(viii) कृपया कुञ्चिकां आनयतु।

(ix) कृपया कर्तरीं ददातु।

(x) कृपया लेखनीम् आनयतु।

(xi) कृपया अङ्कनी पश्यतु।

(xii) कृपया जलकूपीं पश्यतु।

(xiii) कृपया पुस्तकं पठतु।

(xiv) कृपया फलं स्वीकरोतु।

(xv) कृपया चित्रं पश्यतु।

(xvi) कृपया पत्रं पठतु।

5. रिक्तस्थानपूर्ति

- (क) पाठं
- (ख) शिक्षकं
- (ग) वस्तूनि
- (घ) मित्रं
- (ङ) माम्

6. द्वितीयाविभक्तेः शब्दाः

- (क) पुरुष-पुरुषं-पुरुषौ-पुरुषान्
- (ख) युवक-युवकं-युवकौ-युवकान्
- (क) माला-मालाम्-माले-मालाः
- (ख) पत्रिका-पत्रिकां-पत्रिके-पत्रिकाः
- (क) अङ्कनी-अङ्कनीं-अङ्कनीयौ-अङ्कनीः
- (ख) कर्तरी-कर्तरीं-कर्तरीयौ-कर्तरीः
- (क) वनम्-वनं-वने-वनानि
- (ख) पुस्तकं-पुस्तकं-पुस्तके-पुस्तकानि

7

संहतिः कार्य साधिका

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) पश्यामः।
- (ख) रज्जुनिर्माणम्।
- (ग) रज्जुना।

(घ) तन्तुभिः।

(ङ) जलबिन्दुनिपातेन।

(च) संहतिः।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) वयं नासिकया जिघ्रामः।  
 (ख) वयं दन्तैः अन्नचर्वणं कुर्मः।  
 (ग) अराणां सहयोगेन चक्रनिर्माणं भवति।  
 (घ) वृक्षः पर्णैः पुष्पैः फलैः शाखाभि च शोभते।

## 3. उचितं मेलयत

- |                    |                 |
|--------------------|-----------------|
| (अ)                | (ब)             |
| (क) रज्जुना        | गजः बध्यते।     |
| (ख) नेत्राभ्यां    | पश्यामः।        |
| (ग) हस्ताभ्यां     | कार्यं कुर्मः।  |
| (घ) तृणानां मेलनेन | रज्जुनिर्माणम्। |
| (ङ) पादाभ्यां      | चलामः।          |
| (च) मुखेन          | खादामः।         |
| (छ) अङ्गुलीभिः     | मुष्टिः।        |

## 4. तृतीय-विभक्ति रूपाणि

|     | शब्दाः  | एकवचन    | द्विवचन       | बहुवचन     |
|-----|---------|----------|---------------|------------|
| (क) | पाद     | पादेन    | पादाभ्याम्    | पादैः      |
| (ख) | घट      | घटेन     | घटाभ्याम्     | घटैः       |
| (ग) | अर      | अरेण     | अराभ्याम्     | अरैः       |
| (क) | जिह्वा  | जिह्वया  | जिह्वाभ्याम्  | जिह्वाभिः  |
| (ख) | इष्टिका | इष्टिकया | इष्टिकाभ्याम् | इष्टिकाभिः |
| (ग) | शाखा    | शाखया    | शाखाभ्याम्    | शाखाभिः    |
| (क) | शरीर    | शरीरेण   | शरीराभ्याम्   | शरीरैः     |
| (ख) | चक्र    | चक्रेण   | चक्राभ्याम्   | चक्रैः     |
| (ग) | चित्र   | चित्रेण  | चित्राभ्याम्  | चित्रैः    |

## 5. वाक्यानि रचयत

- (क) मनुष्यः हस्तेन कार्यं करोति।  
 (ख) बालिका पादाभ्याम् चलति।  
 (ग) वयं नासिकया जिघ्रामः।  
 (घ) नेता मालाभिः शोभते।  
 (ङ) संहतिः कार्यसाधिका।

## 6. रिक्तस्थानानि पूरयत

- (क) संहतिः  
 (ख) पुष्पैः  
 (ग) पश्यामः  
 (घ) तन्तुभिः  
 (ङ) जनैः  
 (च) रामेण  
 (छ) सह  
 (ज) लतया

## 7. पाठं आगताः तृतीया विभक्ते पदाः

शरीरेण, मेलनेन, सहयोगेन, नेत्राभ्याम्, कर्णाभ्याम्, नासिकया, जिह्वया, पादाभ्याम्, हस्ताभ्याम्, दन्तैः, मुखेन, रज्जुना, तेन, घटेन, पुष्पैः, बहुभिः, जनैः, एकेन, जनेन, क्रीडकैः, विभिन्नैः, मुद्रित पत्रैः, पर्णैः, फलैः, शाखाभिः, तन्तुभिः, पञ्चभिः, अङ्गुलिभिः, एकया, इष्टिकया, एकेन, बिन्दुना, निपातेन, तृणैः।

## 8. एकतया विषये पञ्च वाक्यानि-

- (i) एकतया मनुष्यः भारम् उत्थापयति।  
 (ii) मनुष्याणां एकतया समाजः भवति।  
 (iii) एकतया भारतीयैः देशः स्वाधीनः कृतः।  
 (iv) एकतया सेना शत्रुं जयति।  
 (v) एकतया देशः सबलः भवति।

## विविधः प्रश्नावलि:-1

### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) संस्कृतम्
- (ख) पश्यामः
- (ग) नववादने
- (घ) रज्जु निर्माणम्

### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) स्वदेशे राजा पूज्यते।
- (ख) मोहनः सायंकाले क्रीडति।
- (ग) वयं नासिकया जिघ्रामः।
- (घ) वृक्षः पर्णैः, पुष्पैः, फलैः च शोभते।

### 3. कोष्ठक शब्दैः उत्तरत

- (क) सः पठति।
- (ख) एतौ धावतः।
- (ग) ते रक्षन्ति।
- (घ) चटके कूजतः।
- (ङ) नदी प्रवहति।
- (च) ताः भ्रमन्ति।

### 4. श्लोकान् पूरयत

- (क) विदेशेषु धनं विद्या, व्यसनेषु धनं मतिः।  
पर लोके धनं धर्मः, शीलं सर्वत्र वै धनम्।
- (ख) विद्वत्तं च नृपत्वं च, नैव तुल्यं कदाचन।  
स्वदेशे पूज्यते राजा, विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
- (ग) विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।  
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति, धनाद्धर्मः ततः सुखम्।।
- (घ) अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम्।  
अधनस्य कुतो मित्रं, अमित्रस्य कुतो सुखम्।।

### 5. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) बालिकाः।
- (ख) फलानि।
- (ग) भवनानि।

### 6. उचितं मेलनम्

- |            |        |
|------------|--------|
| (अ)        | (ब)    |
| (क) एका    | बालिका |
| (ख) द्वौ   | अश्वौ  |
| (ग) तिस्रः | मालाः  |
| (घ) एकम्   | फलम्   |

### 7. तृतीया विभक्ते रूपाणि

- (क) घटेन, घटाभ्याम्, घटैः
- (ख) हस्तेन, हस्ताभ्याम्, हस्तैः
- (ग) नासिकया, नासिकाभ्याम्, नासिकाभिः
- (घ) शाखया, शाखाभ्याम्, शाखाभिः
- (ङ) पुष्पेण, पुष्पाभ्याम्, पुष्पैः
- (च) चक्रेण, चक्राभ्याम्, चक्रैः

### 8. उचितं मेलयत

- |                  |          |
|------------------|----------|
| (अ)              | (ब)      |
| (क) सः शिक्षकः   | उपविशति  |
| (ख) एषा शिक्षिका | गच्छति   |
| (ग) के छात्रे    | हसतः     |
| (घ) कानि पत्राणि | पतन्ति   |
| (ङ) ते बालकाः    | खादन्ति  |
| (च) एतत् चक्रम्  | भ्रमति   |
| (छ) काः छात्राः  | चलन्ति   |
| (ज) ताः बालिकाः  | भ्रमन्ति |
| (झ) एतौ छात्रौ   | लिखतः    |

### 9. उचितं मेलयत

- |            |         |
|------------|---------|
| (अ)        | (ब)     |
| (क) अहम्   | गच्छामि |
| (ख) त्वम्  | पठसि    |
| (ग) आवाम्  | लिखावः  |
| (घ) युवाम् | पश्यथः  |
| (ङ) वयम्   | पिबामः  |
| (च) यूयं   | चलथ     |
| (छ) एषः    | खादति   |
| (ज) तौ     | लिखतः   |
| (झ) ते     | पचन्ति  |

### 10. अन्वयपूर्तिः कुरुत-

- (क) कुरूपाणां रूपं विद्या निर्धनं धनं तथा।  
निर्बलानां बलं विद्या, अतः प्रयत्नतः साधनीया।
- (ख) विदेशेषु, विद्या धनम् व्यसनेषु मतिः  
धनम्।  
परलोके धर्मः धनं, शीलं सर्वत्र वै धनम्।

### 11. वर्णमालानुसारं क्रमेण स्थापयत

- अलम्, आम्रम्, ऊर्णा, औषधम्, कमलम्, घटः,  
चक्रः, मयूरः, रथः, सरः

## 8

## परोपकारः

## 1. एकपदेन उत्तरं लिखत

- (क) मेघाः  
(ख) सैनिकः  
(ग) माता  
(घ) पिता

- (घ) पुस्तकाय  
(ङ) स्वास्थाय  
(ई) (क) जनन्यै  
(ख) सख्यै  
(ग) पुत्र्यै  
(घ) शालिन्यै  
(ङ) नलिन्यै

## 2. एकवाक्येन उत्तरं लिखत

- (क) धनं राष्ट्रविकासाय भवति ।  
(ख) माता स्व पुत्र्यै सुसंस्कारं यच्छति ।  
(ग) परोपकाराय वृक्षाः फलानि यच्छन्ति ।

## 3. उचित परिवर्तनेन पूरयत

- (अ) (क) परोपकाराय  
(ख) जनकाय  
(ग) लाभाय  
(घ) विकासाय  
(ङ) परिश्रमाय  
(आ)(क) महिलायै  
(ख) सरलायै  
(ग) लतायै  
(घ) सुरक्षायै  
(ङ) वसुधायै  
(इ) (क) धनाय  
(ख) ज्ञानाय  
(ग) फलाय

## 4. बहुवचने परिवर्तयत

- (क) पुत्रेभ्यः  
(ख) विकासेभ्यः  
(ग) परिश्रमेभ्यः

## 5. उचित पदेन रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) भिक्षुकाय  
(ख) परोपकाराय  
(ग) पण्डिताय  
(घ) स्वास्थ्याय  
(ङ) निर्धनाय

## 6. प्रश्ननिर्माणम्

- (क) सूर्यं किमर्थं तपति ?  
(ख) माता केभ्यः भोजनं पचति ?  
(ग) वृक्षाः कानि यच्छन्ति ?  
(घ) का सर्वेभ्यः सुखं ददाति ?

## 9

## उज्जयिनी दर्शनम्

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) मन्दिरात्  
(ख) मार्गदर्शकात्  
(ग) भक्तजन मुखेभ्यः

- (घ) महाकालमन्दिरात् जनाः महागणेश मन्दिरं  
हरिसिद्धिमन्दिरं च गच्छन्ति ।  
(ङ) राजा विक्रमादित्यस्य कालात्  
विक्रमसंवत्सरस्य गणना भवति ।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) उज्जयिनी भोपालात् पश्चिमदिशि अस्ति ।  
(ख) उज्जयिन्याः मुख्यं दर्शनीयं स्थानं महाकाल  
मन्दिरम् अस्ति ।  
(ग) सान्दीपनेः आश्रमात् जनाः श्रीकृष्णस्य  
इतिहासं जानन्ति ।

## 3. पञ्चमी विभक्ति रूपाणि-

- (क) देवालयत्  
(ख) वाटिकायाः  
(ग) नद्याः  
(घ) क्षेत्रात्

4. पञ्चम्यां विभक्त्यां परिवर्तनम्

- (क) हिमालयात् गङ्गा प्रवहति ।  
 (ख) बालकः सिंहात् विभेति ।  
 (ग) वानरः शाखायाः कूर्दति ।  
 (घ) छात्रः शालायाः आगच्छति ।

- (ङ) धार्मिकः काश्याः आगच्छति ।  
 (च) महिला नद्याः जलम् आनयति ।  
 (छ) प्रद्युम्नः गुरुकुलात् प्रत्यागच्छति ।  
 (ज) सज्जनः असत्याद् विभेति ।  
 (झ) सुरेशः रुग्णं शीतात् रक्षति ।

5. पञ्चमीविभक्ति रूपाणि

| क्रम | शब्दाः     | एकवचन         | द्विवचन           | बहुवचन          |
|------|------------|---------------|-------------------|-----------------|
| (क)  | प्राचीन    | प्राचीनात्    | प्राचीनाभ्याम्    | प्राचीनेभ्यः    |
| (ख)  | आश्रम      | आश्रमात्      | आश्रमाभ्याम्      | आश्रमेभ्यः      |
| (ग)  | प्रदेश     | प्रदेशात्     | प्रदेशाभ्याम्     | प्रदेशेभ्यः     |
| (घ)  | विदेश      | विदेशात्      | विदेशाभ्याम्      | विदेशेभ्यः      |
| (ङ)  | मार्गदर्शक | मार्गदर्शकात् | मार्गदर्शकाभ्याम् | मार्गदर्शकेभ्यः |
| (क)  | क्षिप्रा   | क्षिप्रायाः   | क्षिप्राभ्याम्    | क्षिप्राभ्यः    |
| (ख)  | वाटिका     | वाटिकायाः     | वाटिकाभ्याम्      | वाटिकाभ्यः      |
| (ग)  | पत्रिका    | पत्रिकायाः    | पत्रिकाभ्याम्     | पत्रिकाभ्यः     |
| (घ)  | यात्रा     | यात्रायाः     | यात्राभ्याम्      | यात्राभ्यः      |
| (ङ)  | सञ्चिका    | सञ्चिकायाः    | सञ्चिकाभ्याम्     | सञ्चिकाभ्यः     |
| (क)  | नर्तकी     | नर्तक्याः     | नर्तकिभ्याम्      | नर्तकीभ्यः      |
| (ख)  | गृहिणी     | गृहिण्याः     | गृहिणिभ्याम्      | गृहिणीभ्यः      |
| (ग)  | कर्तरी     | कर्तर्या      | कर्तरिभ्याम्      | कर्तरीभ्यः      |
| (घ)  | लेखनी      | लेखन्याः      | लेखनिभ्याम्       | लेखनीभ्यः       |
| (ङ)  | अङ्कनी     | अङ्कन्याः     | अङ्कनिभ्याम्      | अङ्कनीभ्यः      |

1. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) चन्द्रः ताराणां भूषणम् अस्ति ।  
 (ख) छात्राणां संस्कृतस्य पठने रुचिः अस्ति ।  
 (ग) अवधेशः गिरीशस्य अग्रजः अस्ति ।  
 (घ) विद्यालयस्य पुरतः उद्यानम् अस्ति ।  
 (ङ) मम नाम गिरीशः/कविता अस्ति ।

2. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) आचार्यस्य  
 (ख) कवितायाः— गिरीशस्यः  
 (ग) संस्कृतभाषायाः  
 (घ) शास्त्राणाम्

(ङ) जनन्याः

3. विद्यार्थिनः स्वयं कुरुम् ।

4. सम्बन्धवाचक वाक्यानि

- (क) श्रीकृष्णः संदीपनस्य शिष्यः ।  
 (ख) सः देवकी वसुदेवयोः पुत्रः ।  
 (ग) सः बलरामस्य अनुजः ।  
 (घ) रुक्मण्याः पतिः ।  
 (ङ) सः पूतनायाः उद्धारकः ।

5. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) पार्वत्याः  
 (ख) शरीरस्य

- (ग) मित्रस्य  
(घ) मध्यप्रदेशस्य  
(ङ) भारतीयाविद्यायाः

## 6. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) राकेशस्य  
(ख) अवधेशस्य  
(ग) मम

- (घ) अञ्जना

## 7. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) तस्य  
(ख) तस्याः  
(ग) तयोः  
(घ) तेषां  
(ङ) तासाम्

11

## अस्माकं प्रदेशः

## 1. एकपदेन उत्तरं लिखत

- (क) मध्यप्रदेशः  
(ख) नर्मदा नदी  
(ग) विन्ध्याचलमाला  
(घ) दक्षिण दिशि

## 2. एकवाक्येन उत्तरं लिखत

- (क) मध्यप्रदेशः भारतदेशस्य मध्यभागे विराजते।  
(ख) अस्माकं प्रदेशस्य राजधानी भोपालम् अस्ति।  
(ग) मध्यप्रदेशस्य पन्नामण्डले हीरकरत्नानि प्राप्यन्ते।  
(घ) वनवासिनः वनेषु निर्भयं विचरन्ति।  
(ङ) मध्यप्रदेशस्य राष्ट्रिय उद्यानानि सन्ति— माधवोद्यान, कान्हाकिसली, बान्धवगढ़ इत्यादीनि।

## 3. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) विन्ध्याचल  
(ख) तृतीयांशः  
(ग) महाकालस्य  
(घ) राजधानी  
(ङ) शैल गुहासु

## 4. उचितपदेन संयोजयत

- | (अ)                   | (ब)                  |
|-----------------------|----------------------|
| (क) मध्यप्रदेशः       | भारतस्य मध्यभागे।    |
| (ख) बौद्धानां स्मारकः | साञ्चीस्तूपः।        |
| (ग) नर्मदा नदी        | अमरकण्टकात् प्रवहति। |
| (घ) वनेचराः           | निर्भयाः विचरन्ति।   |
| (ङ) वनानि             | पर्यावरणं रक्षन्ति।  |

12

## रामचरितम्

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) चत्वारः  
(ख) मिथिलायाम्  
(ग) रामलक्ष्मणौ

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) अयोध्या नगरी उत्तरप्रदेशे अस्ति।  
(ख) रामलक्ष्मणौ विश्वामित्रः स्व आश्रमम् अनयत्।  
(ग) सीतायाः विवाहः रामेण सह अभवत्।

- (घ) वानराः सागरे सेतु निर्माणम् अकुर्वन्।

- (ङ) आदिकविः वाल्मीकिः अस्ति।

## 3. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) रामेण  
(ख) सीताम्  
(ग) सागरे  
(घ) रामेण  
(ङ) आदिकविः वाल्मीकिः

4. रिक्तस्थानपूर्ति:

| क्रम | धातुः      | पुरुषः       | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------|------------|--------------|---------|-----------|----------|
| (क)  | गम् (गच्छ) | प्रथम पुरुषः | अगच्छत् | अगच्छताम् | अगच्छन्  |
| (ख)  | भू (भव)    | उत्तम पुरुषः | अभवम्   | अभवाव     | अभवाम    |
| (ग)  | नी (नय्)   | प्रथम पुरुषः | अनयत्   | अनयताम्   | अनयन्    |
| (घ)  | पठ्        | मध्यम पुरुषः | अपठः    | अपठतम्    | अपठत     |
| (ङ)  | वद्        | उत्तम पुरुषः | अवदम्   | अवदाव     | अवदाम    |

5. रिक्तस्थानानि पूरयत

| यथा | रामः       | लक्ष्मणः       | विश्वामित्रः       | दशरथः       |
|-----|------------|----------------|--------------------|-------------|
| (क) | रामेण      | लक्ष्मणेन      | विश्वामित्रेण      | दशरथेन      |
| (ख) | रामौ       | लक्ष्मणौ       | विश्वामित्रौ       | दशरथौ       |
| (ग) | रामात्     | लक्ष्मणात्     | विश्वामित्रात्     | दशरथात्     |
| (घ) | रामाभ्याम् | लक्ष्मणाभ्याम् | विश्वामित्राभ्याम् | दशरथाभ्याम् |
| (ङ) | रामाणाम्   | लक्ष्मणानाम्   | विश्वामित्राणाम्   | दशरथाणाम्   |
| (च) | रामेषु     | लक्ष्मणेषु     | विश्वामित्रेषु     | दशरथेषु     |

6. पाठे आगता लङ्लकार प्रयोगः

अकरोत्, आसन्, अनयत्, अशिक्षयत्, अभवत्,  
अगच्छत्, अगच्छताम्, अवसन्, अहरत्,  
अभ्रमताम्, अगच्छताम्, अपश्यत्, अकुर्वन्,  
प्रत्यागच्छन्, अभवन्, अवर्णयत्।

योग्यता विस्तार

अस्ति आसीत्  
प्राप्नोति प्राप्नोत्  
पश्यति अपश्यत्

चिन्तयति अचिन्तयत्  
गच्छति अगच्छत्  
चिन्तयति अचिन्तयत्  
स्थापयति अस्थापयत्  
गायति अगायत्  
पतति अपतत्  
गच्छति अगच्छत्  
खादति अखादत्  
भवति अभवत्

1. एकपदेन उत्तरत

(क) नदी तीरे  
(ख) वानरः  
(ग) मकरः  
(घ) मकरस्य पत्नी

2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) वानरः मकराय जम्बूफलानि ददाति स्म।  
(ख) मकरः एकदा स्वपत्न्यै जम्बूफलानि  
अयच्छत्।  
(ग) वानरः मधुराणि फलानि खादति स्म।  
(घ) 'मम पत्नी तव हृदयं खादितुम् इच्छति'  
इति अवदत्।

## 3. रिक्तस्थानानि पूरयत

| यथा | मधुरं फलम्     | मधुरे फले     | मधुराणि फलानि     |
|-----|----------------|---------------|-------------------|
| (क) | शुष्कं पत्रम्  | शुष्के पत्रे  | शुष्कानि पत्राणि  |
| (ख) | रक्तं कमलम्    | रक्ते कमले    | रक्तानि कमलानि    |
| (ग) | निर्मलं हृदयम् | निर्मले हृदये | निर्मलानि हृदयानि |
| (घ) | स्वस्थं शरीरम् | स्वस्थे शरीरे | स्वस्थानि शरीराणि |
| (ङ) | सुन्दरं गृहम्  | सुन्दरे गृहे  | सुन्दराणि गृहाणि  |

## 4. उदाहरणानुरूपं लिखत

यथा— वानरः वृक्षे अवसत्। - वानरः वृक्षे वसति स्म।

- (क) निखिलः गृहं गच्छति स्म।  
 (ख) रामः वने निवसति स्म।  
 (ग) पिता पुत्रं वदति स्म।  
 (घ) सा उच्चैः हसति स्म।

(ख) लेखिष्यामि।

- (ग) आनेष्यामः।  
 (घ) वदिष्यथ।  
 (ङ) खादिष्यति।  
 (च) हसिष्यन्ति।  
 (छ) वसिष्यथः।  
 (ज) पठिष्यावः।  
 (झ) आगमिष्यतः।

## 5. उदाहरणम् अनुसृत्य लिखत

यथा—खाद् + क्त्वा = खादित्वा

मकरः जम्बूफलानि खादित्वा प्रसन्नः अभवत्।

- (क) गत्वा (ख) हसित्वा  
 (ग) कूर्दित्वा (घ) पठित्वा

## 6. उचित क्रियापदं योजयत

(क) गमिष्यसि।

## योग्यता विस्तार (कथां क्रमेण पुनः लिखत)

एकस्मिन् नदी तीरे एकः जम्बू वृक्षः आसीत्। तस्मिन् एकः वानरः प्रतिवसति स्म। कश्चिद् मकरः तस्य मित्रम् आसीत्। परं सा दृढ निश्चया आसीत्। अद्यत्वं मम गृहमागच्छ। त्वं तु जले वससि, कथम् अहं तत्र गन्तुं शक्नोमि। रे मित्र! मम हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे निहितम्। त्वं मूर्खः असि। इतः परं त्वया सह मम मैत्री समाप्ता।

## 14

## जन्तु-शाला

## 1. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) वानरः पंजरे भ्रमति।  
 (ख) सिंहः उच्चैः गर्जति।  
 (ग) मकरः जले वसति।  
 (घ) जन्तुशालायां मयूरः नृत्यति।

(ग) मित्राणि:

(घ) उच्चैः

## 2. रिक्तस्थानपूर्ति:

- (क) जनकाय जनन्यै च  
 (ख) राष्ट्रियः

## 3. तालिकया वाक्यानि रचयत

- (क) वानरः वृक्षे वसति।  
 (ख) सिंहः उच्चैः गर्जति।  
 (ग) अहं खगान् अपश्यम्।  
 (घ) सरोवरे कमलानि विकसन्ति।  
 (ङ) वृक्षेषु फलानि सन्ति।

## 4. रिक्तस्थानपूर्ति:

| यथा | गुरु     | तरुः    | भानुः    | शिशुः    |
|-----|----------|---------|----------|----------|
| (क) | गुरोः    | तरोः    | भानोः    | शिशोः    |
| (ख) | गुरूणाम् | तरूणाम् | भानूनाम् | शिशूनाम् |
| (ग) | गुरौ     | तरौ     | भानौ     | शिशौ     |

## 5. मित्रायपत्रम् (वार्षिकोत्सवस्य दर्शनवर्णनम्)

प्रिय मित्र! सुनील! इन्दौरतः  
सस्नेहं नमस्ते! 8-5-20 --  
अत्र सर्वं कुशलम्। तत्रापि कुशलं भवतु। अद्य  
मध्याह्ने तव पत्रं प्राप्तम्। पत्रं पठित्वा अति  
प्रसन्नः अभवम्। पत्रे त्वं मम विद्यालयस्य  
वार्षिकोत्सवस्य विषये पृच्छामि। अतः अहम्  
अत्र संक्षेपेण उत्सवस्य वर्णनं लिखामि।  
अद्य प्रातः सप्तवादने सर्वे छात्राः विद्यालयम्  
आगच्छन्। ते विद्यालयं सज्जा कार्यम् अकुर्वन्।

क्रीडास्पर्धा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमाः अपि  
छात्रैः सम्पादिते। अष्टवादने प्रधानाध्यापक  
महोदयः राष्ट्रध्वजम् उत्तोलयत्। तदा सर्वे छात्राः  
समवेत स्वरेण राष्ट्रगीतम् अगायन्। तत्पश्चात्  
प्रधानाध्यापक महोदयः उद्बोधनम् अकरोत्।  
सः पुरस्कार वितरणम् अपि अकरोत्। अन्ते  
मिष्टान्नं वितरति स्म। प्रसन्नाः सर्वे छात्राः गृहम्  
अगच्छन्। तव जनकाय जनन्यै च नमः।

तव मित्रम्  
सन्दीपः

## विविधः प्रश्नावलि:-2

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) सैनिकः।  
(ख) भक्तजनमुखेभ्यः।  
(ग) नर्मदा नदी।  
(घ) चत्वारः।  
(ङ) नदी तीरे।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) परोपकाराय वृक्षाः फलानि यच्छन्ति।  
(ख) चन्द्रः ताराणां भूषणं।  
(ग) भारतदेशस्य मध्यभागे मध्यप्रदेशः  
विराजते।  
(घ) आदिकविः वाल्मीकिः आसीत्।  
(ङ) सिंहः उच्चैः गर्जति।

## 3. रिक्तस्थानपूर्ति:

- (क) पण्डिताय।  
(ख) दशरथस्य।  
(ग) राजधानी।  
(घ) रामेण।  
(ङ) राष्ट्रियः।  
(च) गर्जति।

## 4. समीचीनं चिनुत

- (क) आम्  
(ख) न  
(ग) आम्  
(घ) न  
(ङ) आम्  
(च) न  
(छ) आम्  
(ज) आम्  
(झ) न

## 5. पदानि प्रयुज्य वाक्यानि रचयत

- सूर्यः लोकहिताय तपति।
- नद्यः परोपकाराय वहन्ति।
- मन्दिरात् घण्टानादः श्रूयते।
- यात्रिकाः उज्जयिनीम् आगच्छन्ति।

## 6. अक्षराणि प्रयुज्य पदचक्रं पूरयत

ला, धु, भा, भा, स, षा

| यथा | सं | स्कृ | त  | भा | षा |
|-----|----|------|----|----|----|
| (क) | म  | धु   | रा | भा | षा |
| (ख) | भा | र    | त  | भू | षा |
| (ग) | स  | र    | ला | भा | षा |

## 7. यथाक्रमं लिखत

- (क) विश्वामित्रः रामलक्ष्मणौ स्वाश्रमम् अनयत्।  
 (ख) वने राक्षसराजः रावणः सीतां कपटेन अहरत्।  
 (ग) वानराः सागरे सेतु निर्माणम् अकुर्वन्।  
 (घ) रामेण रावणः युद्धं घातितः।  
 (ङ) रामः सीता लक्ष्मणः च अयोध्याम् प्रत्यागच्छन्।

## 8. योजयत

| (अ)        | (ब)     |
|------------|---------|
| (क) सूर्यः | तपति    |
| (ख) सिंहः  | गर्जति  |
| (ग) हरिणः  | धावति   |
| (घ) मयूरः  | नृत्यति |

## 9. लङ्लकारं परिवर्तयत

| (अ)     | (ब)     |
|---------|---------|
| अस्ति   | आसीत्   |
| विहरति  | व्यहरत् |
| पातयति  | अपातयत  |
| पश्यति  | अपश्यत् |
| आगच्छति | आगच्छत् |
| मिलति   | अमिलत्  |
| पिबति   | अपिबत्  |

|        |         |
|--------|---------|
| पश्यति | अपश्यत् |
| गच्छति | अगच्छत् |
| गच्छति | अगच्छत् |

## 10. योग्यशब्दं चित्वा उचितस्थाने लिखत

|           |              |
|-----------|--------------|
| वन्यजीवाः | ग्राम्यजीवाः |
| पिकः      | काकः         |
| गजः       | धेनुः        |
| व्याघ्रः  | अजा          |
| शशकः      | मार्जारः     |
| मयूरः     | अश्वः        |
| सिंहः     | श्वानः       |
| सर्पः     | महिषी        |
| हरिणः     | चटका         |
| भल्लुकः   | वानरः        |

## 11. विभक्त्यानुसारं वाक्यानि लिखत

- गीता गच्छति।
- गीताम् आह्वयतु।
- गीतया सह सीता गच्छति।
- माता गीतायै मोदकं ददाति।
- गीतायाः पुस्तकं स्वीकरोतु।
- गीताया पितुः नाम सुरेशः।
- गीतायां सद्गुणाः सन्ति।
- गीते! अत्र आगच्छतु।

15

## स्वतन्त्रतादिवसः

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) अगस्तमासे।  
 (ख) प्रधानाध्यापकः।  
 (ग) सामूहिक गीतस्य।  
 (घ) स्वतन्त्रतायै।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) प्रथमः स्वतन्त्रता संग्रामः 1857 तमे ख्रीस्ताब्दे अभवत्।  
 (ख) छात्रा पङ्क्तिबद्धाः ध्वजस्थलस्य समीपे स्थास्यन्ति।  
 (ग) विद्यालये वरिष्ठाः छात्राः विशेष सज्जां कुर्वन्ति।  
 (घ) भारतीयाः स्वतन्त्रतायै निरन्तरं प्रयासम् अकुर्वन्।

## 3. प्रश्ननिर्माणं कुरुत

- (क) कदा (ख) कस्य  
 (ग) के (घ) किम्

## 4. लकारपरिवर्तनम्

- (क) अकुर्वन्  
 (ख) तिष्ठन्ति  
 (ग) अभवन् (घ) कुर्वन्ति

## 5. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) अगस्तमासस्य  
 (ख) अष्टमकक्षायाः  
 (ग) गृहम्  
 (घ) मनधीरः

6. उचित क्रमेण लिखत

स्वतन्त्रता दिवसस्य उत्सवः भविष्यति। छात्राः विद्यालये विशेषसज्जां कुर्वन्ति। प्रातः सप्तवादने छात्राः विद्यालयम् आगमिष्यन्ति। ध्वज स्थलस्य सपीपे छात्राः पङ्क्तिबद्धः स्थास्यन्ति।

प्रधानाध्यापकः ध्वजोत्तोलनं करिष्यति।

7. योग्यता विस्तारः

- (क) त्रयः (ख) केसरः  
(ग) श्वेतः (घ) हरितः  
(ङ) अशोक चक्रम्

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) भोजः  
(ख) मालवक्षेत्रे  
(ग) चर्ममयं कमण्डलुः

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) भोजस्य नाम शिक्षाप्रियता कारणेन प्रसिद्धम् आसीत्।  
(ख) विप्रम् अति दरिद्रं ज्ञात्वा राजा अपृच्छत् यत्— विप्र! चर्मपात्रं किमर्थं हस्ते वहसि?

3. छात्राः स्वयमेव कुरुं।

4. रिक्तस्थानपूर्तिः

- (क) दृष्ट्वा (ख) भूत्वा  
(ग) शत्रूणां (कृते)

5. पर्याय मेलनम्

- (अ) (ब)  
(क) राजा भूपतिः  
(ख) शत्रुः बैरी  
(ग) विप्रः द्विजः  
(घ) विनम्रः विनीतः  
(ङ) कुसुमम् पुष्पम्

योग्यता विस्तारः

● पदानां विभक्तिं वचनं च लिखत

| क्रम | पदानि     | विभक्ति  | वचनम्    |
|------|-----------|----------|----------|
| (क)  | शिक्षिताः | प्रथमा   | बहुवचनम् |
| (ख)  | जनाः      | प्रथमा   | बहुवचनम् |
| (ग)  | मार्गे    | सप्तमी   | एकवचनम्  |
| (घ)  | भोजम्     | द्वितीया | एकवचनम्  |
| (ङ)  | प्रदेशस्य | षष्ठी    | एकवचनम्  |
| (च)  | कवये      | चतुर्थी  | एकवचनम्  |

● कवि शब्दस्य रूपाणि लिखत

| विभक्ति  | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथम    | कविः    | कवी       | कवयः     |
| द्वितीया | कविम्   | कवी       | कवीन्    |
| तृतीया   | कविना   | कविभ्याम् | कविभिः   |
| चतुर्थी  | कवये    | कविभ्याम् | कविभ्यः  |
| पञ्चमी   | कवेः    | कवयोः     | कवीनाम्  |
| षष्ठी    | कवेः    | कवयोः     | कवीनाम्  |
| सप्तमी   | कवौ     | कवयोः     | कविषु    |
| संबोधन   | हे कवे! | हे कवी!   | हे कवयः! |

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) लोक सेवार्थम्।  
(ख) दुर्जनान्।

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) भारतभूतलात् वयं दैन्यं हरिष्यामः।  
(ख) वयं सज्जनान् रक्षिष्यामः।

## 3. पदानां, पुरुषं वचनं च लिखत

| क्रम | पदानि        | पुरुष       | वचनम्    |
|------|--------------|-------------|----------|
| (क)  | चलिष्यामः    | उत्तम पुरुष | बहुवचनम् |
| (ख)  | पठिष्यामि    | उत्तम पुरुष | एकवचनम्  |
| (ग)  | दण्डयिष्यामः | उत्तम पुरुष | बहुवचनम् |
| (घ)  | रक्षिष्यामः  | उत्तम पुरुष | बहुवचनम् |
| (ङ)  | पठिष्यति     | प्रथम पुरुष | एकवचनम्  |

## 4. रिक्तस्थानपूर्ति

- (क) करिष्यामः (ख) प्रचलामः  
 (ग) हरिष्यामः (घ) विनाशाय  
 (ङ) नेष्यामः

## 5. उचितं युग्मं मेलनम्

- अ ब  
 (क) दुर्जनाय दण्डः  
 (ख) पठनाय पुस्तकम्  
 (ग) उद्याने पुष्पाणि  
 (घ) मन्दिरे देवः

## 6. अन्वयपूर्तिः

- (क) वयम् भारतस्य अपि मङ्गलं करिष्यामः,  
 मातृभूमेः प्रतिष्ठां परमोन्नतिं नेष्यामः च।  
 (ख) वयम् आलस्यं विना सततं कार्याणि  
 करिष्यामः, अग्रे-अग्रे चलिष्यामः निरन्तरं  
 चलिष्यामः।

## योग्यताविस्तारः

## ● लृटलकारस्य रूपाणि

## पठ्

| पुरुष | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
|-------|-----------|-----------|------------|
| प्रथम | पठिष्यति  | पठिष्यतः  | पठिष्यन्ति |
| मध्यम | पठिष्यसि  | पठिष्यथः  | पठिष्यथ    |
| उत्तम | पठिष्यामि | पठिष्यावः | पठिष्यामः  |

## खेल्

| पुरुष | एकवचनम्    | द्विवचनम्  | बहुवचनम्    |
|-------|------------|------------|-------------|
| प्रथम | खेलिष्यति  | खेलिष्यतः  | खेलिष्यन्ति |
| मध्यम | खेलिष्यसि  | खेलिष्यथः  | खेलिष्यथ    |
| उत्तम | खेलिष्यामि | खेलिष्यावः | खेलिष्यामः  |

## खाद्

| पुरुष | एकवचनम्    | द्विवचनम्  | बहुवचनम्    |
|-------|------------|------------|-------------|
| प्रथम | खादिष्यति  | खादिष्यतः  | खादिष्यन्ति |
| मध्यम | खादिष्यसि  | खादिष्यथः  | खादिष्यथ    |
| उत्तम | खादिष्यामि | खादिष्यावः | खादिष्यामः  |

## चल्

| पुरुष | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
|-------|-----------|-----------|------------|
| प्रथम | चलिष्यति  | चलिष्यतः  | चलिष्यन्ति |
| मध्यम | चलिष्यसि  | चलिष्यथः  | चलिष्यथ    |
| उत्तम | चलिष्यामि | चलिष्यावः | चलिष्यामः  |

## 18

## दीपावलिः

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) पञ्चदिवसाः  
 (ख) त्रयोदश्यां  
 (ग) कार्तिक प्रतिपदि शुक्लपक्षे

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) दीपवल्यां लक्ष्मीः अमावस्यां पूज्यते।  
 (ख) 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' इति दीपावलि सन्देशः।  
 (ग) भ्रातृ भगिन्यौ दीर्घजीवनं सुखं समृद्धिं च कामयतः।  
 (घ) गृहाणां पुरतः अल्पनारेखनं दृश्यते।

## 3. रिक्तस्थान पूर्तिः

- (क) नूतनम् (ख) सूर्योदयात्  
 (ग) मिलतः (घ) ग्राहकैः

## 4. योजयत्

| क्रम | पदानि   | पुरुष    |
|------|---------|----------|
| (क)  | एकः     | प्रथमः   |
| (ख)  | द्वौ    | द्वितीयः |
| (ग)  | त्रयः   | तृतीयः   |
| (घ)  | चत्वारः | चतुर्थः  |
| (ङ)  | पञ्च    | पञ्चमः   |

5. दीपावलि: इति विषयम् आधृत्य पञ्च वाक्यानि

दीपावलि उत्सवः कार्तिक मासे अमावस्यां सम्पन्नः भवति। सर्वे जनाः गृहेषु दीपकानाम् पक्वितं ज्वालयन्ति। बहुनाम् गृहेषु जनाः अन्यान् मिष्ठानम् वितरन्ति। बालका विस्फोटकान् ज्वालयन्ति।

योग्यताविस्तारः

- (1) होलिकोत्सवः, (3) रक्षाबन्धनम्, (2) नवरात्रम्, (4) गणेशोत्सवः।
- होलिकोत्सवः षड्दिवसीयः उत्सवः। सः होलिकादहनात् आरम्भ्य रङ्गपञ्चमी पर्यन्तं भवति। प्रथमदिवसे होलिकादहनं भवति। द्वितीयदिने धूलिवन्दनं क्रियते। षष्ठदिवसे रङ्गपञ्चमी पर्व भवति।

विज्ञानस्य आविष्काराः

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) हिमशीतकेन (ख) आकाश  
(ग) रॉकेट यन्त्रस्य

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) रक्षाक्षेत्रे राडार यन्त्रस्य महती भूमिका भवति।  
(ख) आवश्यकता आविष्काराणां जननी अस्ति।

3. रिक्तस्थान पूर्तिः

- (क) दूरदर्शनेन (ख) सङ्गणकयन्त्रस्य  
(ग) दूरभाषयन्त्रेण

4. उचितं मेलनम्

- |                      |                |
|----------------------|----------------|
| (अ)                  | (ब)            |
| (क) दूरदर्शनम्       | दृश्य-श्रव्यम् |
| (ख) वायुयानम्        | यात्रा         |
| (ग) दूरवाणीयन्त्रम्  | वार्तालापः     |
| (घ) आकाशवाणीयन्त्रम् | श्रवणम्        |
| (ङ) सङ्गणकयन्त्रम्   | त्वरितकार्यम्  |

5. बहुवचनं लिखत

- (क) सन्ति (ख) भवन्ति

(ग) गच्छन्ति

योग्यता विस्तारः

पञ्च वैज्ञानिका नामानि

- | नाम                  | आविष्कारम्     |
|----------------------|----------------|
| (क) ग्राहम बैल       | दूरभाषयन्त्रम् |
| (ख) जगदीशचन्द्र बसु  | वृक्षेषु जीवः  |
| (ग) फाइलो फार्मफ्लॉट | दूरदर्शन       |
| (घ) मैक्रोनी         | आकाशवाणी       |
| (ङ) इगो सिकौर स्काई  | उदग्रयानम्     |
| (च) कार्ल वॉन ट्रेस  | द्विचक्रिका    |

● गृहे उपलब्धानां वस्तूनाम् नामानि

- (क) हिमशीतकम्  
(ख) आकाशवाणीयन्त्रम्  
(ग) दूरदर्शनम्  
(घ) दूरवाणीयन्त्रम्  
(ङ) चलवाणी यन्त्रम्  
(च) सङ्गणक यन्त्रम्  
(छ) कारयानम्  
(ज) घटिकायन्त्रम्  
(झ) टङ्कणयन्त्रम्  
(ञ) व्यजनयन्त्रम्

श्रमस्य महत्वम्

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) गुरु नानकदेवः  
(ख) पञ्जाबप्रान्ते  
(ग) रोटिकाः  
(घ) मिष्ठानम्  
(ङ) श्रमिकस्य

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) गुरुनानकदेवः धर्म प्रचारार्थं ग्रामम् अगच्छत्।  
(ख) गुरुनानकदेवेन तस्य भोजनं न स्वीकृतवान् अतः सः उत्तेजितः अभवत्।  
(ग) संसारे जात्या धनेन च न कोऽपि जनः

उच्चः निम्नो वा। सर्वे जनाः समानाः। चरित्रेण  
एव श्रेष्ठता भवति।

(घ) श्रमेण उपार्जिता लक्ष्मी शुद्धा भवति।

(ङ) मनुष्यस्य श्रेष्ठता चरित्रेण भवति।

### 3. रिक्तस्थान पूर्तिः

(क) वाक्यम् (ख) राष्ट्रस्य

(ग) गृहात् (घ) दृष्ट्वा

(ङ) त्यक्त्वा

### 4. उचित मेलनम्

(अ) (ब)  
(क) शुष्करोटिकाः श्रमिकः  
(ख) मधुरवाण्याम् अवदत् गुरुनानकः  
(ग) चरित्रेण श्रेष्ठः भवति मानवः  
(घ) मिष्ठानम् अयच्छत् धनिकः

### 5. क्त्वा प्रत्ययान्त पदप्रयोगः

(क) श्रमिकः गुरुं नमत्वा भोजनं यच्छति।

(ख) धनिकः गुरुं दृष्ट्वा मिष्ठानं यच्छति।

(ग) धनिकः गुरुवाक्यं श्रुत्वा सन्तुष्टः भवति।

(घ) धनिकः अभिमानं त्यक्त्वा विनम्रः भवति।

### योग्यता विस्तारः

#### ● श्रमस्य महत्त्वम् विषयोपरि पञ्चवाक्यानि

(क) परिश्रमेण एव मनुष्यः सुखी जीवनं  
यापयति।

(ख) परिश्रमेण सर्वाणि कार्याणि सिद्ध्यन्ति।

(ग) श्रमेण एव छात्रा परीक्षां उत्तीर्णं कुर्वन्ति।

(घ) अति परिश्रमेण एव कृषकः अन्नम्  
उत्पादयति।

(ङ) श्रमिकः श्रमेण एव वृत्तिं प्राप्नोति।

21

## सुभाषितानि

### 1. एकपदेन उत्तरत

(क) वसन्तकाले  
(ख) रूपम्  
(ग) उद्यमेन  
(घ) काव्यशास्त्र विनोदेन

### 2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) गुणस्य आभरणं ज्ञानम्।  
(ख) मूर्खाणां कालः निद्रया कलहेन वा गच्छति।  
(ग) प्रिय वाक्य प्रदानेन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति।

### 3. श्लोकांशान् उचितं मेलनम्

|                                    |                                 |
|------------------------------------|---------------------------------|
| (क) येषां न विद्या<br>न तपो न दानं | ज्ञानं न शीलं न गुणो<br>न धर्मः |
| (ख) लोचनाभ्यां<br>विहीनस्य         | दर्पणः किं<br>करिष्यति।         |
| (ग) काकः कृष्णः<br>पिकः कृष्णः     | को भेदः पिक<br>काकयोः।          |
| (घ) न हि सुप्तस्य<br>सिंहस्य       | प्रविशन्ति मुखे<br>मृगाः।       |
| (ङ) नरस्याभरणं<br>रूपम्            | रूपस्याभरणं गुणः।               |

### 4. रिक्तस्थानपूर्तिः

(क) श्वाननिद्रस्तथैव च  
(ख) काव्यशास्त्र विनोदेन  
(ग) काकः काकः पिकः पिकः  
(घ) यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा  
(ङ) ते मृत्युलोके भुवि भारभूताः

### 5. शुद्धाशुद्ध चयनम्

(क) आम्  
(ख) आम्  
(ग) न  
(घ) आम्  
(ङ) न

### 6. अन्वयपूर्तिः

(क) काकः कृष्णः, पिकः कृष्णः कः भेदः  
पिक काकयोः वसन्तकाले सम्प्राप्ते काकः  
काकः पिकः पिकः।  
(ख) येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं  
न गुणो न धर्मः, ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्य  
रूपेण मृगाश्चरन्ति।

योग्यता विस्तारः

● विद्यार्थिनः पञ्च लक्षणानि:

(क) काकः इव चेष्टा।

(ख) वकः इव ध्यानम्।

(ग) श्वानः इव क्षणिक निद्रा।

(घ) स्वल्प आहारं स्वीकरणम्।

(ङ) गृहत्यागं कर्तुं शक्नोति।

## विविधः प्रश्नावलि:-3

1. एकपदेन उत्तरत

(क) अगस्त मासे।

(ख) हिमशीतकेन।

(ग) लोकसेवार्थम्।

(घ) मिष्ठानम्।

(ङ) गुरु नानकदेवः।

(च) उद्यमेन।

(छ) कार्तिक प्रतिपदि शुक्ल पक्षे।

2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) प्रथम स्वतन्त्रता सङ्ग्राम 1857 ख्रीस्ताब्दे अभवत्।

(ख) दीपावल्यां लक्ष्मीः अमावस्यां पूज्यते।

(ग) विप्र! चर्मपात्रं किमर्थं हस्ते वहसि?

(घ) चरित्रेण एव मनुष्यस्य श्रेष्ठता भवति।

(ङ) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति।

(च) आवश्यकता आविष्काराणां जननी अस्ति।

(छ) वयं सज्जनान् रक्षिष्यामः।

3. रिक्तस्थानपूर्तिः

(क) गृहम्

(ख) परिपूर्णाः

(ग) उद्यमेन

(घ) राष्ट्रस्य

(ङ) दूरदर्शनेन

(च) त्यक्त्वा

(छ) सङ्गणकयन्त्रस्य

(ज) गृहात्

4. परिवर्तनं कुरुत

(क) तिष्ठन्ति

(ख) गायिष्यन्ति

(ग) शिक्षिताः

(घ) प्रदेशानाम्

(ङ) भवन्ति

5. युग्मानि योजयत

(अ)

(क) भारतीयाः स्वतन्त्रतायै

(ख) धन्वन्तरि पूजनम्

(ग) उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति

(घ) वयमेव करिष्यामः

(ङ) सर्वभूत हितार्थाय

(च) येषां न विद्या तपो न दानं

(छ) काव्य शास्त्र विनोदेन

(ज) दूरदर्शनम्

(झ) वायुयानेन

(ञ) आकाशवाणीयन्त्रेण

(ब)

निरन्तरं प्रयासम् अकुर्वन्।

त्रयोदश्यां भवति।

कार्याणि न मनोरथैः।

भारतस्य मंगलम्।

चालिष्यामो निरन्तरम्।

ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

कालो गच्छति धीमताम्।

दृश्यश्रव्यं यन्त्रम्।

यात्रां करोमि।

श्रवणमेव सम्भवम्।

6. अन्वयपूर्तिः

(क) काकः कृष्णः, पिकः कृष्णः, कः भेदः

पिक काकयोः, वसन्त काले सम्प्राप्ते काकः

काकः पिकः पिकः।

(ख) वयम् आलस्यं विना सततं कार्याणि करिष्यामः,

अग्रे अग्रे चलिष्यामः, निरन्तरं चलिष्यामः।।

## अभ्यास प्रश्नपत्र प्रारूपम्

### संस्कृतम्

#### कक्षा-षष्ठी

#### 1. (अ) समुचितपदं चित्वा लिखत—

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (क) (ब) सर्वत्र | (ख) (स) भोपालम् |
| (ग) (द) जले     | (घ) (अ) उद्यमेन |
| (ङ) (स) अनु     |                 |

#### (ब) रिक्तस्थानानि पूरयत

- |                     |                 |
|---------------------|-----------------|
| (क) पुष्पैः         | (ख) स्वास्थ्याय |
| (ग) महाकालस्य       | (घ) मित्राणि    |
| (ङ) सङ्गणकयन्त्रस्य |                 |

#### 2. गद्यांशं पठित्वा प्रश्नोत्तराणि (परेषाम् ..... प्रेरयति ।)

- |            |               |
|------------|---------------|
| (क) सूर्यः | (ख) परोपकाराय |
| (ग) मेघाः  | (घ) प्रकृतिः  |

अथवा

#### (प्रथम दिवसे ..... कुर्वन्ति ।)

- |                                                       |
|-------------------------------------------------------|
| (क) आभूषणानि, गृहपात्राणि, स्वर्ण-रजतं वा क्रीणन्ति   |
| (ख) तृतीयदिवसे धन देवीं लक्ष्मीः पूजयन्ति ।           |
| (ग) सूर्योदयात् प्राक् अभ्यङ्ग स्नानम् ।              |
| (घ) व्यापारिणः व्यापार पुस्तकानामपि पूजनं कुर्वन्ति । |

#### 3. पद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत

##### विदेशेषु ..... धनम् ।

- |                           |                         |
|---------------------------|-------------------------|
| (क) विदेशेषु धनं विद्या । | (ख) व्यसनेषु धनं मतिः । |
| (ग) परलोके धनं धर्मः ।    | (घ) शीलं सर्वत्र धनम् । |

अथवा

##### दुःखानां ..... निरन्तरम् ।

- |                                       |
|---------------------------------------|
| (क) वयं दुःखानां विनाशाय चलिष्यामः ।  |
| (ख) वयं सुखस्य वर्धनाय चलिष्यामः ।    |
| (ग) वयं सर्वभूत हितार्थाय चलिष्यामः । |
| (घ) वयं निरन्तरं चलिष्यामः ।          |

#### 4. (अ) सुभाषितश्लोकं लिखत—

परोक्षे कार्यं हन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषं कुम्भं पयोमुखम् ।।

#### (ब) श्लोकपूर्ति — यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा शास्त्रं तस्य करोति किम् ।

नेत्राभ्यां विहीनस्य दर्पणः किं करिष्यति ।।

5. (अ) एकपदेन उत्तरत

- (क) दूरदर्शनम्। (ख) संहतिः। (ग) आकाशमार्गेण।  
(घ) नर्मदा। (ङ) वानरः। (च) गुरु नानकदेवः।

(ब) एकवाक्येन उत्तरत

- (क) राजा विक्रमादित्यस्य कालात् विक्रम संवत्सरस्य गणना भवति।  
(ख) आदिकविः वाल्मीकिः अस्ति।  
(ग) भारतीयाः स्वतन्त्रतायैः निरन्तरं प्रयासम् अकुर्वन्।  
(घ) शिक्षाप्रियता कारणेन, भोजस्य नाम प्रसिद्धम्।  
(ङ) भारतभूतलात् वयं दैन्यं हरिष्यामः।  
(च) श्रमेण उपार्जिता लक्ष्मी शुद्धा भवति।

6. (अ) रूपाणि लिखत

- (क) नद्याम्, नद्योः, नदीषु  
(ख) गुरवे, गुरुभ्याम्, गुरुभ्यः  
(ग) बालकेन, बालकाभ्याम्, बालकैः।

(ब) धातु रूपाणि लिखत

- (क) अपठः, अपठतम्, अपठत।  
(ख) क्रीडिष्यति, क्रीडिष्यतः, क्रीडिष्यन्ति।  
(ग) करोमि, कुर्व, कुर्मः।

(स) वाक्यानि शुद्धानि कुरुत

- (क) बालकः क्रीडति (ख) सः गच्छति।  
(ग) छात्रः पठति (घ) वयं लिखामः

7. (अ) धातु प्रत्ययं पृथक् कुरुत

- (क) चल् + तुमुन् (ख) हस् + क्त्वा  
(ग) गम् + तुमुन् (घ) भू + क्त्वा

(ब) उपसर्गान् पृथक् कुरुत

- (क) प्रति + करोति (ख) परि + हार  
(ग) वि + हरति (घ) अनु + वादः

(स) अव्ययं चित्वा लिखत

- (ग) तत्र, सर्वदा।

8. (अ) सन्धि विच्छेदं कुरुत

- (क) भोजन + आलयः (दीर्घ संधि)। (ख) भानु + ऊष्मा (दीर्घ संधि)।  
(ग) कवि + इन्द्रः (दीर्घ संधि)। (घ) विद्या + अर्थी (दीर्घ संधि)।

(ब) नामानि लिखत

- (क) हलम् (ख) उष्ट्रः (ग) पत्रम् (घ) मयूरः

(स) संख्या संस्कृते लिखत

- (क) षट् (ख) अष्ट (ग) नव।

9. पत्रं पूरयत

सेवायाम्

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदयः

शासकीयः माध्यमिक विद्यालयः

मानसानगरम्

महोदय !

निवेदनम् अस्ति यत् मम गृहे अद्य आवश्यकं कार्यम् अस्ति । अतः अहम् विद्यालयं आगन्तुं न शक्नोमि ।

अतः एकदिवसस्य अवकाशं स्वीकरोतु ।

भवतः आज्ञाकारी शिष्यः

अनूपः

कक्षा-षष्ठी

10. चित्रं दृष्ट्वा पञ्चवाक्यानि लिखत

(क) अयं विद्यालयः अस्ति ।

(ख) विद्यालये एकः वट वृक्षः स्थितः ।

(ग) विद्यालये मम अनुजः पठति ।

(घ) पार्श्वे एव एकं क्रीडाङ्गणम् अस्ति ।

(ङ) क्रीडाङ्गणे बालकः क्रीडति ।

अथवा

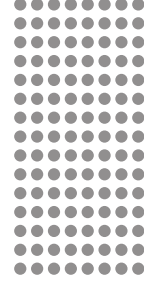
तालिकां दृष्ट्वा पञ्चवाक्यानि रचयत

सः शिक्षकः पाठयति । तत् वाहनं चलति । तौ छात्रौ पठतः । सा महिला खादति ।

तानि व्यजनानि भ्रमन्ति ।







# संस्कृत

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

कक्षा

7

## संस्कृत-7

1

### चत्वारि धामानि

1. (क) पश्चिम दिशि (ङ) धर्मरक्षणेन एव भारतं संरक्षितं भवति।  
 (ख) सुरेश्वराचार्यः  
 (ग) उत्तराखण्ड राज्ये  
 (घ) गुजरात राज्ये  
 (ङ) शङ्कराचार्यः।
2. (क) शंकराचार्येण स्थापितानां मठानां नामानि सन्ति—  
 (i) शृङ्गेरिमठम्  
 (ii) शारदामठम्  
 (iii) गोवर्धन मठम्  
 (iv) ज्योतिर्मठम्।  
 (ख) धर्मः एव भारतस्य एकतायाः मूलाधारः।  
 (ग) धर्मरक्षणार्थं वेदान्ततत्त्वानां प्रचारार्थम् मठानि स्थापितानि।  
 (घ) सुरेश्वराचार्यः, हस्तामलकः, त्रोटकाचार्यः पद्मपादः च।
3. (अ) (ब)  
 दक्षिणदिशि शृङ्गेरिमठम्  
 पश्चिमदिशि शारदामठम्  
 बदरीनाथे ज्योतिर्मठम्  
 उड़ीसाराज्ये गोवर्धन मठम्  
 जगद्गुरुः शङ्कराचार्यः
4. (क) भगवत्पादम् (ख) गोवर्धनमठम्  
 (ग) धर्मो (घ) पद्मपादः  
 (ङ) मूलाधारः
5. (क) अधर्मः (ख) अप्रसिद्धानि  
 (ग) विस्मरणम् (घ) शिष्यः  
 (ङ) अज्ञानम्
6. (क) वयम् (ख) नामानि  
 (ग) शिष्याः (घ) धामानि  
 (ङ) मठानि

2

### कालबोधः

1. (क) सप्त (ख) पञ्चदश  
 (ग) पूर्वस्याम् (घ) द्वादश  
 (ङ) वसन्तः
2. (क) माघफाल्गुनयोः शिशिर ऋतुः भवति।  
 (ख) चन्द्रः पूर्णिमायां पूर्णतां प्राप्नोति।  
 (ग) अमावस्या कृष्णपक्षे भवति।  
 (घ) शुक्लपक्षः कृष्णपक्षः च द्वौ पक्षौ भवतः।
3. (अ) (ब)  
 (क) श्रावणमासे — वर्षा  
 (ख) मार्गशीर्षमासे — हेमन्तः  
 (ग) चैत्रमासे — वसन्तः  
 (घ) आषाढमासे — ग्रीष्म  
 (ङ) फाल्गुनमासे — शिशिरः  
 (च) कार्तिकमासे — शरद्
4. (क) पूर्णिमा (ख) आषाढ  
 (ग) सप्त (घ) वर्धते  
 (ङ) पञ्चदशः
5. 

|            |          |
|------------|----------|
| (क) मयंकः  | चन्द्रमा |
| (ख) धरा    | धरित्री  |
| (ग) वारः   | दिवसः    |
| (घ) रात्रि | शर्वर    |
6. (क) रात्रि दिवसयोः विभाजनं कथं भवति ?  
 (ख) तत्र सूर्य किरणाः पतन्ति।  
 (ग) यदा अस्याः यः भागः सूर्यस्य सम्मुखे भवति।  
 (घ) तदा दिनं जायते।  
 (ङ) सप्ताहे कति दिनानि भवन्ति ?
7. (क) ग्रीष्म, शरद्, हेमन्त।  
 (ख) रविवारः, सोमवारः, बुधवारः, गुरुवारः, शुक्रवारः।  
 (ग) वैशाखः, ज्येष्ठः, श्रावण, भाद्रपदः, कार्तिक, मार्गशीर्षः, माघ, फाल्गुन।  
 (घ) एकादशः, त्रयोदश, चतुर्दशः, षोडश, सप्तदश, अष्टादश, विंशति।

## योग्यता विस्तार

## 'तिथि' शब्द के रूप

| विभक्ति  | एकचनम्         | द्विवचनम्  | बहुवचनम् |
|----------|----------------|------------|----------|
| प्रथमा   | तिथिः          | तिथौ       | तिथयः    |
| द्वितीया | तिथिम्         | तिथौ       | तिथीः    |
| तृतीया   | तिथ्या         | तिथिभ्याम् | तिथिभिः  |
| चतुर्थी  | तिथ्यै, तिथये  | तिथिभ्याम् | तिथिभ्यः |
| पञ्चमी   | तिथ्याः, तिथेः | तिथिभ्याम् | तिथिभ्यः |
| षष्ठी    | तिथ्याः, तिथेः | तिथ्योः    | तिथीनाम् |
| सप्तमी   | तिथ्याम्, तिथौ | तिथ्योः    | तिथिषु   |
| संबोधन   | हे तिथे!       | हे तिथौ    | हे तिथयः |

## 'कला' शब्द के रूप

| विभक्ति  | एकचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | कलाः    | कले       | कलाः     |
| द्वितीया | कलाम्   | कले       | कलाः     |
| तृतीया   | कलाया   | कलाभ्याम् | कलाभिः   |
| चतुर्थी  | कलायै   | कलाभ्याम् | कलाभ्यः  |
| पञ्चमी   | कलायाः  | कलाभ्याम् | कलाभ्यः  |
| षष्ठी    | कलायाः  | कलयोः     | कलानाम्  |
| सप्तमी   | कलायाम् | कलयोः     | कलाषु    |
| संबोधन   | हे कले! | हे कले!   | हे कलाः  |

## 3

## बलाद् बुद्धिर्विशिष्यते

- (क) दुर्मुखः (ख) पशूनाम्  
(ग) सिंहस्य (घ) प्रतिबिम्बम्  
(ङ) अगर्जत्
- (क) सिंहः पराक्रमशीलः भवति।  
(ख) एकदा शशकस्य वारः समायातः।  
(ग) शशकः सिंहं कूपमनयत्।  
(घ) सिंहः क्षुधया पीडितः आसीत्।  
(ङ) सिंहस्य गर्जनस्य प्रतिध्वनिः भवति।
- (क) न (ख) आम्  
(ग) आम् (घ) आम्  
(ङ) आम्

4.

| अ             | ब          |
|---------------|------------|
| (क) एकः       | अनेकः      |
| (ख) निश्चितम् | अनिश्चितम् |
| (ग) मरणम्     | जननम्      |
| (घ) विलम्बेन  | शीघ्रतया   |
| (ङ) समीपम्    | दूरम्      |

5.

|     | शब्दः      | सन्धिविच्छेदः | सन्धेः नाम |
|-----|------------|---------------|------------|
| (क) | सदैव       | सदा+एव        | वृद्धिः    |
| (ख) | मृगेन्द्रः | मृग+इन्द्रः   | गुण        |
| (ग) | बलेनैव     | बलेन+एव       | वृद्धिः    |
| (घ) | सूर्योदयः  | सूर्य+उदयः    | गुण        |
| (ङ) | महौजस्वी   | महा+ओजस्वी    | वृद्धिः    |
| (च) | यथोक्तम्   | यथा+उक्तम्    | गुण        |
| (छ) | एकैकम्     | एक+एकम्       | वृद्धिः    |

6.

|     | सन्धिविच्छेदः | सन्धिशब्दः | सन्धेः नाम |
|-----|---------------|------------|------------|
| (क) | देव+एकत्वम्   | देवैकत्वम् | वृद्धिः    |
| (ख) | राजा+ईशः      | राजेशः     | गुण        |
| (ग) | बुद्ध्या+एव   | बुद्ध्यैव  | वृद्धिः    |
| (घ) | मद+उन्मत्तः   | मदोन्मत्तः | गुण        |
| (ङ) | जल+ओघः        | जलौघः      | वृद्धिः    |

7. (क) करोति (ख) अगच्छत्  
(ग) गच्छामि (घ) वसति।

## 4

## चाणक्यवचनानि

1. (क) सभामध्ये (ख) मानः  
(ग) दन्ते (घ) मातासदृशी  
(ङ) पुच्छे (च) मुखे।
2. (क) उत्तमाः मानमिच्छन्ति ?  
(ख) सुखार्थी विद्यां न प्राप्नोति।  
(ग) विद्यार्थी सुखं न प्राप्नोति।  
(घ) विद्या गुप्तधनं भवति।  
(ङ) क्रमशः जलबिन्दुनिपातेन घटः पूर्यते।
3. (क) उत्तमाः (ख) सुखम्  
(ग) मुखे (घ) कुलम्  
(ङ) बकः।

4.

| शब्द         | विलोम        |
|--------------|--------------|
| (क) सुखार्थी | दुःखार्थी    |
| (ख) दुर्जनः  | सज्जनः       |
| (ग) सत्यम्   | असत्यम्      |
| (घ) गुणः     | अवगुणः, दोषः |
| (ङ) धर्मः    | अधर्मः       |
| (च) सुपुत्रः | कुपुत्रः     |

5.

| शब्द       | समानार्थी |
|------------|-----------|
| (क) माता   | जननी      |
| (ख) वनम्   | अरण्यः    |
| (ग) पुत्रः | सुतः      |
| (घ) धनम्   | वित्तम्   |

6.

| क्रम | पदानि      | विभक्ति | वचनम्    |
|------|------------|---------|----------|
| (क)  | माता       | प्रथमा  | एकवचनम्  |
| (ख)  | पिता       | प्रथमा  | एकवचनम्  |
| (ग)  | उत्तमाः    | प्रथमा  | बहुवचनम् |
| (घ)  | विद्यानाम् | षष्ठी   | बहुवचनम् |
| (ङ)  | पुष्पितेन  | तृतीया  | एकवचनम्  |

7.

| क्रम | क्रियापदानि | धातु | पुरुष       | वचनम्     |
|------|-------------|------|-------------|-----------|
| (क)  | शोभते       | शोभ् | प्रथमपुरुषः | एकवचनम्   |
| (ख)  | पूर्यन्ते   | पूर् | प्रथमपुरुषः | बहुवचनम्  |
| (ग)  | सेव्ये      | सेव् | मध्यमपुरुषः | बहुवचनम्  |
| (घ)  | इच्छन्ति    | इष्  | प्रथमपुरुषः | बहुवचनम्  |
| (ङ)  | लभावहे      | लभ्  | उत्तमपुरुषः | द्विवचनम् |

8.

| अ                             | ब                             |
|-------------------------------|-------------------------------|
| (क) सुखार्थिनः<br>कुतो विद्या | विद्यार्थिनः कुतस्-<br>सुखम्। |
| (ख) न शोभते<br>सभामध्ये       | हंसमध्ये बको यथा।             |
| (ग) वृश्चिकस्य<br>विषं पुच्छे | दुर्जनस्य तु सर्वाङ्गे।       |
| (घ) वासितं तद्वनं<br>सर्वम्   | सुपुत्रेणकुलं यथा।            |

9. (क) सुखार्थी चेत् विद्याम् त्यजेत्,  
विद्यार्थी चेत् सुखं त्यजेत्,

सुखार्थिनः विद्या कुतः, विद्यार्थिनः  
सुखम् कुतः।

(ख) तक्षकस्य दन्ते विषं, मक्षिकायाः मुखे विषं,  
वृश्चिकस्य पुच्छे विषं दुर्जनस्य सर्वङ्गे विषम्।।

## 5

## रक्षाबन्धनम्

- (क) इन्दौरनगरात् (ख) जनाः  
(ग) सुखस्य (घ) जनानां
- (क) लोकगायकाः वर्षागीतानि गायन्ति नृत्यन्ति च।  
(ख) भगिनी रक्षासूत्रं बध्नाति।  
(ग) कर्मवती हुमायुं रक्षासूत्रं प्रेषितवती।  
(घ) उत्सवाः संस्कृतिं प्रकटीकुर्वन्ति।
- (क) के स्वबर्हं प्रसार्य नृत्यन्ति ?  
(ख) बालिकाः नवयुवतयः कया प्रसन्नाः भवन्ति ?  
(ग) सैनिकाः अहर्निशं किं कुर्वन्ति ?  
(घ) रक्षाबन्धनपर्वः कदा भवति ?
- (अ) (ब)  
(क) ते संस्कृतिं प्रकटीकुर्वन्ति-उत्सवाः  
(ख) सागरपूजामपि कुर्वन्ति जनाः-सागरतटे  
(ग) जातिधर्मनिरपेक्षः अयम् उत्सवः-  
रक्षाबन्धनोत्सवः  
(घ) तस्मै मिष्टान्नं भोजयति- भगिनी

5.

| क्रम | पदानि        | मूलशब्दः | विभक्तिः            | वचनम्     |
|------|--------------|----------|---------------------|-----------|
| (क)  | अग्रजौ       | अग्रज    | प्रथमा/<br>द्वितीया | द्विवचनम् |
| (ख)  | पौर्णिमायाम् | पूर्णिमा | सप्तमी              | एकवचनम्   |
| (ग)  | स्नेहेन      | स्नेह    | तृतीया              | एकवचनम्   |
| (घ)  | सुखस्य       | सुख      | षष्ठी               | एकवचनम्   |
| (ङ)  | सहायकाः      | सहायक    | प्रथमा              | बहुवचनम्  |

- (क) असि (ख) भवन्तु  
(ग) भविष्यति (घ) गायकाः  
(ङ) मयूरः
- (क) श्रावणमासे- श्रावणमासे मेघाः वर्षन्ति।  
(ख) मयूराः- उद्यानेषु मयूराः नृत्यन्ति।  
(ग) सैनिकाः- सैनिकाः शत्रुभ्यः देशं रक्षन्ति।  
(घ) लोकगायकाः-लोकगायकाः लोकगीतानि गायन्ति।

8.

| सन्धि विच्छेद     | सन्धिः         | सन्धि नाम |
|-------------------|----------------|-----------|
| (क) गै + अकः      | = गायकः        | अयादि     |
| (ख) नाम+आख्यम्    | = नामाख्यम्    | दीर्घ     |
| (ग) द्वौ + अपि    | = द्वावपि      | अयादि     |
| (घ) नृत्यन्ति+अपि | = नृत्यन्त्यपि | यण्       |

9.

| पद         | सन्धिः विच्छेद | सन्धि नाम |
|------------|----------------|-----------|
| नायकः =    | नै + अकः       | अयादि     |
| इत्यादि =  | इति + आदि      | यण्       |
| उभावपि =   | उभौ + अपि      | अयादि     |
| राजाज्ञा = | राज + आज्ञा    | दीर्घ     |

## 6

## प्रयत्नो विधेयः

- (क) प्रयत्नेन।  
(ख) गिरीन्।  
(ग) विज्ञाः।  
(घ) भारतीयाः।  
(ङ) सुयोग्याः।
- (क) प्रयत्नेन भारतीयाः ऋद्धिं गताः।  
(ख) प्रयत्नात् कठोरः मृदुत्वं प्रयाति।  
(ग) अस्माभिः प्रयत्नः विधेयः।  
(घ) प्रयत्नेन जनानां युद्धे जयः स्यात्।  
(ङ) प्रयत्नेन भारतीयाः मुक्तिं श्रिताः।

6 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

3. (क) न (ख) आम् (घ) प्रयत्नेन विश्वप्रियाः भारतीयाः।  
 (ग) आम् (घ) न (ङ) कठोरः प्रयत्नात् मृदुत्वं प्रयाति।  
 (ङ) आम् 5. (क) वीरः (ख) धीरः  
 (ग) अयोग्यः (घ) विश्वप्रियः  
 (ङ) श्रितः (च) गिरि  
 (छ) कार्ये
4. (क) प्रयत्नेन कार्येषु सिद्धिर्जनानम्।  
 (ख) प्रयत्नेन धीराः समुद्रं तरन्ति।  
 (ग) प्रयत्नेन वीराः युद्धे जयः।

6.

| क्रम | पदानि      | मूल शब्दः | विभक्तिः | वचनम्    |
|------|------------|-----------|----------|----------|
| (क)  | युद्धे     | युद्ध     | सप्तमी   | एकवचनम्  |
| (ख)  | जनानाम्    | जन        | षष्ठी    | बहुवचनम् |
| (ग)  | प्रयत्नात् | प्रयत्न   | पञ्चमी   | एकवचनम्  |
| (घ)  | जयः        | जय        | प्रथमा   | एकवचनम्  |
| (ङ)  | कठोरः      | कठोर      | प्रथमा   | एकवचनम्  |
| (च)  | विज्ञाः    | विज्ञ     | प्रथमा   | बहुवचनम् |
| (छ)  | गिरीन्     | गिरि      | द्वितीया | बहुवचनम् |

7.

| क्रम | पदानि      | विलोमपदम्   |
|------|------------|-------------|
| (क)  | कठोरः      | मृदुः       |
| (ख)  | अयोग्याः   | योग्याः     |
| (ग)  | सद्बुद्धिः | दुर्बुद्धिः |
| (घ)  | धीराः      | अधीराः      |
| (ङ)  | विज्ञाः    | अज्ञाः      |
| (च)  | गताः       | अगताः       |

|     |          |         |
|-----|----------|---------|
| (ग) | पर्वतान् | शैलान्  |
| (घ) | युद्धे   | समरे    |
| (ङ) | प्रयत्नः | प्रयासः |

8.

| क्रम | पदानि     | समानार्थकपदम् |
|------|-----------|---------------|
| (क)  | परिश्रमेण | उद्यमेन       |
| (ख)  | मूर्खाः   | अबोधाः        |

9. (क) प्रयत्नेन धीराः समुद्रं तरन्ति।  
 प्रयत्नेन वीराः गिरीम् लङ्घयन्ति।।  
 प्रयत्नेन विज्ञाः विपत्युत्पतन्ति।  
 प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः।।  
 (ख) प्रयत्नेन जनानां कार्येषु सिद्धिः  
 प्रयत्नेन जनानां सद्बुद्धिः वृद्धिः  
 प्रयत्नेन जनानां युद्धे जयः स्यात्  
 प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः

योग्यताविस्तारः

छात्राः स्वयमेव कुर्वन्तु।

## 7

## भोपालनगरं

1. (क) भोजपुरे (ख) भोपालनगरस्य जनाः सरोवरे नौका विहारं कुर्वन्ति।  
 (ख) मध्यप्रदेशस्य (ग) 'इज्तिमा' नाम धार्मिकसम्मेलनं ताजुल मस्जिदे आयोज्यते।  
 (ग) गुफामन्दिरे (घ) भारतभवनम् (घ) आञ्चलिकविज्ञानकेन्द्रं मण्डीदीपं स्थानेऽस्ति।  
 (घ) भारतभवनम् (ङ) गान्धिनगरे  
 2. (क) पुरा भोपालनगरस्य नाम भोजपालः आसीत्।

- (ङ) भारतहैवीइलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड इति 5.  
संयंत्रं भोपालनगरेऽस्ति।
3. (क) नूतनभोपालनगरे लक्ष्मीनारायणमन्दिरम्  
अस्ति। (अ) बालः (ब) वृद्धः  
(ख) भोपालनगरस्य सरोवरे जनाः नौकाविहारं  
कुर्वन्ति। (ग) नगरम् (घ) ग्रामम्  
(ग) प्राचीन भोपाले ताजुलमस्जिदः अस्ति। विशालतमः लघुतमः  
(घ) विधानसभा भवनं नूतन भोपालेऽस्ति। प्राचीनम् नवीनम्  
(ङ) भोजपुरम् समीपे अस्ति। गच्छति आगच्छति
4. (क) इदं नगरं केषां नगरं कथ्यते? 6. (क) न (ख) आम्  
(ख) भीमबेटकायां कानि सन्ति? (ग) आम् (घ) न  
(ग) कस्य द्वौ भागौ स्तः? (ङ) आम् (च) आम्  
(घ) इन्दिरागान्धि-मानवसङ्ग्रहालयः अपि 7. (क) औद्योगिक क्षेत्रे+अपि= औद्योगिकक्षेत्रेऽपि।  
कुत्र वर्तते? (ख) विष्णो + अव = विष्णोऽव।
- 8.

| क्रम | धातुः        | पुरुषः       | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------|--------------|--------------|---------|-----------|----------|
| यथा  | रम्          | प्रथम पुरुषः | रमते    | रमेते     | रमन्ते   |
| (क)  | वृत् (वर्त्) | प्रथम पुरुषः | वर्तते  | वर्तेते   | वर्तन्ते |
| (ख)  | लभ्          | प्रथम पुरुषः | लभते    | लभेते     | लभन्ते   |
| यथा  | लभ्          | मध्यम पुरुषः | लभसे    | लभेथे     | लभध्वे   |
| (ग)  | रम्          | मध्यम पुरुषः | रमसे    | रमेथे     | रमध्वे   |
| (घ)  | वृत् (वर्त्) | मध्यम पुरुषः | वर्तते  | वर्तेथे   | वर्तध्वे |
| यथा  | वृत् (वर्त्) | उत्तम पुरुषः | वर्ते   | वर्तावहे  | वर्तामहे |
| (ङ)  | लभ्          | उत्तम पुरुषः | लभे     | लभावहे    | लभामहे   |
| (च)  | रम्          | उत्तम पुरुषः | रमे     | रमावहे    | रमामहे   |

योग्यता विस्तारः

| क्रम | भवन            | स्थान      |
|------|----------------|------------|
| (क)  | ताजमहलम्       | आगरानगरे   |
| (ख)  | स्वर्णमन्दिरम् | अमृतसरनगरे |
| (ग)  | जामामस्जिद     | दिल्लीनगरे |
| (घ)  | सूर्यमन्दिरम्  | आबूनगरे    |
| (ङ)  | भोजपुरम्       | भोपालनगरे  |

### विविधप्रश्नावलि:-1

1. (क) मानम् (ख) सभामध्ये (ङ) शङ्कराचार्यः (च) सप्तदिनानि  
(ग) पश्चिमदिशि (घ) इन्दौर नगरात् (छ) प्रतिच्छायायाम् (ज) सुयोग्याः

2. (क) महापुरुषाः मानमिच्छन्ति ।  
 (ख) विद्यार्थी सुखं न प्राप्नोति ।  
 (ग) धर्मः एव भारतस्य एकतायाः मूलाधारः ।  
 (घ) आज्चलिकविज्ञानकेन्द्रं मण्डी दीपे स्थानेऽस्ति ।  
 (ङ) कर्मवती हुमायुं रक्षासूत्रं प्रेषितवती ।  
 (च) शङ्कराचार्यस्य चत्वारः शिष्याः सुरेश्वराचार्यः, हस्तामलकः, त्रोटकाचार्यः पद्मपादः च आसन् ।  
 (छ) पूर्णिमायां चन्द्रः पूर्णतां प्राप्नोति ।  
 (ज) अस्माभिः प्रयत्नः विधेयः ।
3. (क) विद्यार्थिनः कुतः सुखम् ।  
 (ख) वृश्चिकस्य विषं पुच्छे ।  
 (ग) ज्योतिर्मठं उत्तर दिशायाम् अस्ति ।  
 (घ) भोपालस्य सरोवरे जनाः नौकाविहारं कुर्वन्ति ।  
 (ङ) सर्वे तूष्णीं भवन्तु ।  
 (च) वर्षागीतानि गायन्ति गायकाः ।  
 (छ) शुक्लपक्षे पूर्णिमातिथिः भवति ।
4. (क) गुणः — अवगुणः  
 (ख) धैर्यम् — अधैर्यम्  
 (ग) सत्यम् — असत्यम्  
 (घ) क्रेतुम् — विक्रेतुम्

9.

| क्रम | धातु रूपम् | धातुः | लकारः | पुरुषः | वचनम्     |
|------|------------|-------|-------|--------|-----------|
| (क)  | आसीत्      | अस्   | लङ्   | प्रथम  | एकवचनम्   |
| (ख)  | करिष्यामः  | कृ    | लृट्  | उत्तम  | बहुवचनम्  |
| (ग)  | अकुर्वन्   | कृ    | लङ्   | प्रथम  | बहुवचनम्  |
| (घ)  | भवति       | भू    | लट्   | प्रथम  | एकवचनम्   |
| (ङ)  | लभन्ते     | लभ्   | लट्   | प्रथम  | बहुवचनम्  |
| (च)  | नृत्यतः    | नृत्  | लट्   | प्रथम  | द्विवचनम् |

10. (क) विशेषः प्रयत्नोः विधेयः प्रयत्नो विधेयः ।  
 (ख) अत्यधिकम्  
 (ग) रवीन्द्रः  
 (घ) उपर्युक्तः  
 (ङ) कालिदासः
11. (क) प्रयत्नेन धीराः समुद्रं तरन्ति  
 प्रयत्नेन वीरा गिरीन् लङ्घयन्ति  
 प्रयत्नेन विज्ञाः वियति उड्डयन्ति
- (ख) सुखार्थी चेत् विद्यां त्यजेत्  
 विद्यार्थी चेत् सुखं त्यजेत् ।  
 सुखार्थिनाः विद्यां कुतः ।  
 विद्यार्थिनाः सुखं कुतः ।

- (ङ) कठोरः — मृदुः  
 (च) विज्ञः — अज्ञः
5. (क) माता — जननी  
 (ख) वनम् — अरण्यम्  
 (ग) मनोहरम् — आकर्षकम्  
 (घ) परिश्रमः — श्रमः
6. शब्द संधि-विच्छेद  
 (क) विद्यैव = विद्या + एव  
 (ख) परोपकारः = पर + उपकार  
 (ग) महौषधिः = महा + औषधिः  
 (घ) महेशः = महा + ईशः  
 (ङ) ज्येष्ठाषाढयोः = ज्येष्ठ + आषाढयोः
7. संधि विच्छेद शब्द  
 (क) द्वौ + अपि = द्वावपि  
 (ख) विद्या + आलयः = विद्यालयः  
 (ग) नृत्यन्ति + अपि = नृत्यन्त्यपि  
 (घ) सत् + चित् = सच्चित्
8. (क) भ्रातृ भगिन्योः स्नेहस्य महत्वं दर्शयति — रक्षाबंधनोत्सवः  
 (ख) ते संस्कृतिं प्रकटीकुर्वन्ति — उत्सवाः  
 (ग) श्रावणमासे — वर्षर्तुः  
 (घ) ज्येष्ठमासे — ग्रीष्मर्तुः

## 8

## गुरुगोविन्दसिंहः

1. (क) गुरुगोविन्द सिंहः

(ख) गुरु नानकः

(ग) गुजरी

(घ) नान्देड प्रान्ते

(ङ) खालसा

2. (क) सिक्खानां पञ्चवाह्यचिह्नानि सन्ति—  
केशबन्धनं, कङ्कतिका स्थापनं, कङ्कण  
धारणं, कट्यावस्त्रधारणं सर्वदा खड्ग  
धारणम् च।(ख) 1966 तमे वर्षे कार्तिक शुक्ल सप्तम्यां स  
जन्म लेभे।

(ग) भारते बहवः धर्माः विकासं प्राप्ताः।

(घ) वैदेशिका दुष्टबुद्धयः आसन्।

(ङ) आचार्येण धर्म रक्षकाणां कथाः श्राविताः।

3. (क) एकमेव भगवतः ज्योतिः सर्वेषु ज्वलति।

(ख) गुरुगोविन्द सिंहः आत्मविश्वासेन कार्यं  
कृतवान्।

(ग) वाहे गुरुजी की फतह।

(घ) खड्गं गृहीत्वा युद्धं कुरु।

4.

| शब्द   | पुल्लिङ्गे | स्त्रीलिङ्गे |
|--------|------------|--------------|
| आचार्य | हे आचार्य! | हे आचार्ये!  |
| आर्य   | हे आर्य!   | हे आर्ये!    |
| महोदय  | हे महोदय!  | हे महोदये!   |
| अनुज   | हे अनुज!   | हे अनुजे!    |

5.

|     |                   |                      |
|-----|-------------------|----------------------|
| (क) | प्रथमः गुरुः      | गुरुः नानकः          |
| (ख) | दशमः गुरुः        | गुरुगोविन्दसिंहः     |
| (ग) | जननम्             | कार्तिक शुक्ल सप्तमी |
| (घ) | गुरुगोविन्द सिंहः | वीर भक्तः            |
| (ङ) | पितुः नाम         | गुरुतेगबहादुरः       |

6. (क) गुरुनानकः सिक्खधर्मस्य प्रवर्तकः आसीत्।

(ख) गुरु गोविन्दस्य जननम् कार्तिकशुक्ल  
सप्तम्यां अभवत्।

(ग) माता गुजरी पिता तेगबहादुरः च आस्ताम्।

(घ) गुरुः गोविन्दसिंह हिन्दूशक्तिं सङ्घटि-  
तवान्।(ङ) गुरुगोविन्दसिंहस्य मुक्तिः 1708 तमे वर्षे  
अभवत्।

## 9

## ग्रामजीवनम्

1. (क) रामपुरम्

(ख) सरलः

(ग) ग्रामः

(घ) ग्रामोन्नतौ

(ङ) इन्दौर नगरे

2. (क) ग्रामं परितः कृषि भूमिः गोचारणभूमिः  
विभिन्न वृक्षाः च सन्ति।(ख) ग्रामे धेनवः वलीवर्दाश्च बहवः पशवः  
सन्ति।(ग) झिरीग्रामस्य महद्वैशिष्ट्यं प्राकृतिक  
सौन्दर्यम् अस्ति।(घ) हट्टे विब्रेतारः नित्योपयोगी वस्तूनि  
हस्तशिल्प कला वस्तूनि गोधूमचणकादि खाद्य  
वस्तूनि च विक्रीणन्ति।(ङ) कृषकाः तापं शीतं वृष्टिं च सहित्वा कृषि  
कर्म कुर्वन्ति।

3. (क) कुत्र स्थित्वा सम्यक् अध्ययनं करोमि ?

(ख) मासिकमूल्याङ्कने कस्याः प्रथमस्थानं  
स्यात् ?

(ग) कं परितः कृषिभूमिः अस्ति ?

(घ) वास्तविक भारतं नाम किम् एव ?

(ङ) कैः सह मिलित्वा वार्तालापं कृतवन्तः ?

4. (क) मिलित्वा (ख) दृष्ट्वा

(ग) कृत्वा (घ) सोढ्वा

(ङ) स्मृत्वा (च) श्रुत्वा

(छ) गत्वा (ज) पठित्वा

5. (क) उत्थाय (ख) विक्रीय

(ग) स्वीकृत्य (घ) प्रक्षाल्य

(ङ) विचिन्त्य (च) विज्ञाय

10 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

- (छ) विलिख्य (ज) उपकृत्य (च) जनकः प्रभाते उत्थाय योगाभ्यासं करोति ।  
 (झ) आगम्य, आगत्य । (छ) दीपेशः हस्तं प्रक्षाल्य भोजनं करोति ।  
 6. (क) बालकः फलं खादित्वा दुग्धं पिबति । (ज) समिधा मनसि चिन्तयित्वा लेखं लिखति ।  
 (ख) कविः संस्कृतं ज्ञात्वा काव्यं लिखति । (झ) आराधना स्नानं कृत्वा पूजां करोति ।  
 (ग) ऋचा गृहम् आगत्य गृहकार्यं करोति । (ज) विक्रेता वस्तूनि विक्रीय धनम् अर्जयति ।  
 (घ) अर्चकः देवालयं गत्वा पूजां करोति । 7. (क) पठितुम् (ख) रोटिका  
 (ङ) माता शाकानि आनीय पाकं करोति । (ग) शिक्षकः (घ) मत्स्यः

10

महर्षिः पाणिनिः

1. (क) माहेश्वरसूत्राणि (ग) वाक्यकारः - वररुचिः  
 (ख) अष्ट (घ) दाक्षी - पाणिनेः माता  
 (ग) पाणी (ङ) 4000 सूत्राणि - अष्टाध्याय्याम्  
 (घ) स्वरविज्ञानम् 4. (क) व्याकरणनियमानां रचयिता पाणिनिः ।  
 (ङ) पाकिस्ताने (ख) तक्षशिला विश्वविख्यातम् अध्ययनकेन्द्रः  
 2. (क) पाणिनिः संस्कृतव्याकरणस्य नियमानां आसीत् ।  
 (ख) पाणिनिः वररुचिः पतञ्जलिः च त्रयः  
 (ग) पाणिनेः जन्मस्थानं शलातुरग्रामः अस्ति ।  
 (घ) पाणिनेः कालः ईसा पूर्व 520 तः 460 पर्यन्तम् ।  
 3. (अ) (ब)  
 (क) सूत्रकारः - पाणिनिः  
 (ख) भाष्यकारः - पतञ्जलिः  
 (ग) प्रत्येकस्मिन् अध्याये चत्वारः पादाः सन्ति ।  
 (घ) कृत्स्नं व्याकरणं प्रोक्तं तस्यै पाणिनये नमः ।  
 (ङ) ताण्डवसमये महेश्वरस्य ढक्कातः एतानि सूत्राणि निस्सृतानि ।  
 5. (क) विज्ञानम्  
 (ख) पाणिनिः  
 (ग) माहेश्वरसूत्राणि  
 (घ) अष्टाध्यायी  
 (ङ) त्रयः मुनयः

11

अमरवाणी संस्कृतभाषा

1. (क) संस्कृतम् (घ) कर्णाटके मत्तूरग्रामे मध्यप्रदेशे झीरिग्रामे  
 (ख) श्रावणीपूर्णमायाम् जनाः अद्यापि संस्कृतेन वदन्ति ।  
 (ग) वेदाः (ङ) धर्मपुराणस्मृतिग्रन्थेषु गूढरहस्यानि  
 (घ) 1999-2000 ई. दैवीयतत्त्वानि च प्रतिपादितानि ।  
 (ङ) संस्कृतिसंस्कृतौ च 3. (क) श्रावणी पूर्णिमायां किं आयोज्यते ?  
 (च) संस्कृतं (ख) पुरा संस्कृतभाषा कीदृशी आसीत् ?  
 2. (क) वाल्मीकिः, विष्णुशर्मा, भारविः, माघः, (ग) केन भारतं जगद्गुरुः आसीत् ?  
 कालिदासः च । (घ) काषां जननी संस्कृतम् ?  
 (ख) गूढरहस्यानि दैवीयतत्त्वानि दर्शनग्रन्थेषु (ङ) भारते कति संस्कृत विश्वविद्यालयाः  
 निहितानि । सन्ति ?  
 (ग) सुदृढसुबद्धव्याकरण कारणात् सङ्गणकाय संस्कृतमुपयुक्तम् ।

4.

| अ                 | ब                   |
|-------------------|---------------------|
| (क) वेदाः         | चत्वारः (4)         |
| (ख) वेदाङ्गानि    | षड् (6)             |
| (ग) दर्शनानि      | षड् (6)             |
| (घ) उपनिषदः       | अष्टोत्तरशतम् (108) |
| (ङ) पुराणानि      | अष्टादश (18)        |
| (च) संस्कृतवर्षम् | 1999-2000           |
| (छ) आदिकविः       | वाल्मीकिः           |
| (ज) संस्कृतग्रामः | झीरिग्रामः          |

5. (क) केषां भाषा संस्कृतभाषा आसीत् ?  
 (ख) कस्य राज्ये सर्वे जनाः संस्कृतभाषायामेव वदन्ति स्म ?  
 (ग) कस्याः भाषायाः कतिपयेषु शब्देषु संस्कृतभाषायाः प्रभावः दृश्यते ?  
 (घ) बाणभट्टस्य कादम्बरी अपि संस्कृत-

भाषायाः कीदृशी कृतिः अस्ति ?

6. (क) जनाः संस्कृतभाषाम् वदन्ति ।  
 (ख) संस्कृतभाषा देववाणी कथ्यते ।  
 (ग) संस्कृतभाषायाः विकासः आवश्यकः अस्ति ।  
 (घ) भारतीयभाषाणाम् उद्गमः संस्कृतभाषायाः एव अभवत् ।  
 7. पुरा काले एकस्मिन् वने बहवः पशुपक्षिणः निवसन्ति स्म । एकदा वनस्य अन्तः नूतनवर्षस्य सभा आसीत् । शशकः कच्छपं शीघ्रम् आगच्छतु इति उक्त्वा सत्वरं सभां गतवान् । स्थूल गजः पुरतः मन्दं मन्दं आगतः । मूषकः विलात् बहिः आगत्य सभां गतः । सर्वे पशुपक्षिणः आगत्य मञ्चस्य उपरि उपविष्टाः । सभा स्थूलं परितः वानराः आसन् । सिंहः उच्चैः गर्जनं कृत्वा मञ्चस्य उपरि उपविष्टः । सिंहः भाषणं दत्वा शुभकामना दत्तवान् । सर्वे मिष्टान्नं खादितवन्तः । कच्छपः शनैः शनैः विलम्बेन आगतवान् । तं दृष्ट्वा सर्वे हसितवन्तः ।

12

## प्रहेलिका:

1. (क) मत्स्यः  
 (ख) वृक्षः  
 (ग) गरुडः  
 2. (क) मूकः मौनेन जीवति ।  
 (ख) एकेन पादेन वृक्षः तिष्ठति ?  
 (ग) नारिकेलफले त्रीणि नेत्राणि भवन्ति ।  
 4. (अ)  
 (क) वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराजः  
 (ख) अपदं दूरयानञ्च  
 (ग) तिष्ठामि पादेन बको न पङ्क्तुः  
 (घ) सुप्तोऽपि नेत्रं न निमीलयामि  
 (ङ) न तस्यादिः न तस्यान्तः  
 5. (क) तस्यादिः = तस्य + आदिः  
 (ख) तस्यान्तः = तस्य + अन्तः  
 (ग) वृक्षाग्रवासी = वृक्ष + अग्रवासी  
 (घ) ममाप्यस्ति = मम + अपि + अस्ति  
 (ङ) तवाप्यस्ति = तव + अपि + अस्ति  
 3. (क) न तस्यादिः न तस्यान्तः ।  
 (ख) साक्षरं न च पण्डितः ।  
 (ग) त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणिः ।  
 (घ) स्वजातिजीवाः मम भोजनानि ।  
 (ङ) मौनेन जीवामि मुनिर्न मूकः ।  
 (ब)  
 त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणि  
 साक्षरं न च पण्डितः  
 दाता फलानां कृतिर्न यत्नः  
 जलस्य मध्ये निवसामि नित्यम्  
 मध्ये यस्तस्य तिष्ठति  
 6. (अ) (ब)  
 (क) पादाभ्यां चरणाभ्याम्  
 (ख) नेत्रे नयने  
 (ग) नृपतिः भूपतिः  
 (घ) मेघः जलदः

12 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

7. (अ) (ब)  
 (क) आदिः अन्तः  
 (ख) तिष्ठामि गच्छामि  
 (ग) निमीलनं उन्मीलनं  
 (घ) मूकः वाचालः
8. (क) सुप्तः अपि नेत्रे न निमीलयामि।  
 जलस्य मध्ये नित्यं निवसामि।
- मम भोजनं स्वजातिजीवा मान्याः।  
 मम नामधेयं वदन्तु।  
 (ख) वृक्षे तिष्ठानि बकः न पक्षिराजः  
 दाता फलानां न च कृतिः न यत्नः।  
 मौनेन जीवामि मुनिः न मूकः,  
 सेव्यः अस्मि कः नृपति न देवः।

13

सौरमण्डलम्

1. (क) ग्रहाः (ख) सूर्यम्  
 (ग) चन्द्रः (घ) अमावस्याम्
2. (क) तारागणः ग्रहाः उपग्रहाः च दृश्यन्ते।  
 (ख) पृथिव्याः सूर्यपरिक्रमणकालः 365.25 दिवसाः।  
 (ग) सूर्यं परितः बुधः गुरुः पृथिवी, मङ्गलः बृहस्पतिः शनिः वरुणः यमः इति ग्रहाः परिभ्रमन्ति।  
 (घ) चन्द्रस्य पृथिवीं परितः भ्रमणकालः 27.32 दिवसाः।  
 (ङ) सौरमण्डलमिति उच्यते यत सर्वेषां ग्रहाणाम् उपग्रहाणां च स्थितिः।
3. (अ) (ब)  
 (क) स्वप्रकाशयुक्ताः ताराः  
 (ख) स्वप्रकाशरहिताः ग्रहाः  
 (ग) पृथिव्याः भ्रमणकालः 23.56 होराः  
 (घ) चन्द्रस्य परिभ्रमणकालः 27.32 दिवसाः  
 (ङ) पौर्णिमायां पूर्णचन्द्रस्यदर्शनम्  
 (च) अमावस्यायां चन्द्रस्य अदर्शनम्  
 (छ) उपग्रहः ग्रहं परिक्रमन्ति  
 (ज) नवग्रहाः सूर्यं परिक्रमन्ति
4. (क) कस्यां रात्रौ चन्द्रस्य दर्शनं भवति?  
 (ख) वयं प्रतिदिनं कानि पश्यामः?

5. (क) याच्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | याचते   | याचेते    | याचन्ते  |
| मध्यम  | याचसे   | याचेथे    | याचध्वे  |
| उत्तम  | याचे    | याचावहे   | याचामहे  |

(ख) सेव

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | सेवते   | सेवेते    | सेवन्ते  |
| मध्यम  | सेवसे   | सेवेथे    | सेवध्वे  |
| उत्तम  | सेवे    | सेवावहे   | सेवामहे  |

(ग) शुभ् (शोभ्)

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | शोभते   | शोभेते    | शोभन्ते  |
| मध्यम  | शोभसे   | शोभेथे    | शोभध्वे  |
| उत्तम  | शोभे    | शोभावहे   | शोभामहे  |

6. (क) सूर्यः ग्रहाणि प्रकाशयति।  
 (ख) सर्वे ग्रहाः सूर्यं परिक्रमन्ति।  
 (ग) उपग्रहः ग्रहं परितः भ्रमन्ति।
- (घ) पौर्णिमायां रात्रौ पूर्णचन्द्रस्य दर्शनं भवति।  
 (ङ) प्रतिदिनं चन्द्रस्य आकारभेदः दृश्यते।

7. परस्मैपद — पठथ, गच्छामि।  
आत्मनेपद — मोदते, सेवामहे, शोभते।

उभयपद— जानाति, याचे, करोषि।

14

### लोकमान्यतिलकः

1. (क) देशभक्तः (ख) लोकमान्यः  
(ग) नवचेतना (घ) अगस्त्यमासे  
(ङ) कर्मशीलस्य
2. (क) तिलकस्य जन्मस्थानं महाराष्ट्रप्रान्ते रत्नगि.  
रिमंडले अस्ति।  
(ख) तिलकस्य जनकः गङ्गाधरः आसीत्।  
(ग) अहं शासकीयां सेवां न करिष्यामि।  
(घ) तिलकेन गीतारहस्यम् इति ग्रन्थः रचितः।  
(ङ) स्वराजः मम जन्मसिद्धः अधिकारः अस्ति।
3. (क) कः महान् देशभक्तः आसीत् ?  
(ख) तिलकः कस्याः कृते संलग्नः अभवत् ?  
(ग) कस्य वृत्ते सः शिवराजोत्सवस्य  
गणेशोत्सवस्य च प्रारम्भं अकरोत् ?  
(घ) कस्य सहायतां प्रभुः करोति ?  
(ङ) कः भारतभालस्य 'तिलकम्' इव भाति ?
4. शब्दः पर्यायवाची  
(क) जनकः - पिता  
(ख) निर्भयः - भयहीनः  
(ग) मिथ्या - असत्यम्  
(घ) परमेश्वरः - परमात्मा  
(ङ) भालः - मस्तकः
5. शब्दः विलोम  
(क) निर्दोषः - दोषयुक्तः  
(ख) स्वतन्त्रता - परतन्त्रता  
(ग) अस्ति - आसीत्  
(घ) जन्म - मरणम्  
(ङ) उद्यमहीनः - उद्यमशीलः
6. (क) तिलक राष्ट्र सेवायाः वृत्ते संलग्नः  
अभवत्।  
(ख) तिलकमहोदयः अस्माकं देशस्य गौरवम्।  
(ग) अगस्तमासस्य प्रथमदिनाङ्के 1920 तमे वर्षे  
सः दिवङ्गतः।  
(घ) तिलक भारतभालस्य तिलकम् इव भाति।  
(ङ) सः लोकमान्यः इति उपाधिना विभूषितः।
7. (क) शिवराजोत्सवः (ख) गणेशोत्सवः  
(ग) तस्योपरि (घ) परमात्मा  
(ङ) परमेश्वरः
8. (क) त्यागाय = त्यागस्य कृते  
(ख) ग्रामाय = ग्रामस्य कृते  
(ग) नगराय = नगरस्य कृते  
(घ) विद्यालयाय = विद्यालयस्य कृते  
(ङ) समाजाय = समाजस्य कृते

### विविधप्रश्नावलि:-2

1. (क) गरुडः  
(ख) ग्रहाः  
(ग) अमावस्यायाम्  
(घ) औद्योगिक प्रदूषणात्  
(ङ) पूर्णिमायाम् श्रावणे  
(च) देशभक्त, कर्मयोगी च  
(छ) कर्मशीलस्य  
(ज) श्रावणमासस्य द्वादशीतः भाद्रपद मासस्य  
तृतीयापर्यन्तम्  
(झ) चत्वारः  
(ञ) गुरुगोविन्दसिंहः  
(ट) गुजरी (ठ) पाणी
2. (क) तारागणः ग्रहाः च दृश्यन्ते।  
(ख) सूर्य परितः बुधः, शुक्रः, पृथिवी, मङ्गलः,  
गुरुः, शनि, अरुणः वरुणः, यमः च।  
(ग) वाल्मीकिः, कालिदासः, भारविः, माघः,  
दण्डी च।  
(घ) स्वराजः मम जन्मसिद्धः अधिकारः इति  
सः अधोषयत्।  
(ङ) तिलकेन 'गीता रहस्यम्' ग्रन्थः रचितः।  
(च) सिक्खानां पञ्च बाह्य चिह्नानि  
सन्ति-केशबंधनं, खड्गधारणम्, कङ्किका-  
धारणम्, कट्य वस्त्रम् कण्ठधारणम्।

14 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

(छ) गुरुगोविन्दसिंहस्य जननं 1666 तमे ईस्वीये 7. अभवत्।

(ज) पाणिनिः, वररुचिः, पतञ्जलिः च त्रयः मुनयः।

3. (क) के गृहं परितः परिभ्रमन्ति

(ख) कस्यां रात्रौ पूर्णचन्द्रस्य दर्शनं भवति ?

(ग) कस्य सहायतां प्रभुः करोति ?

(घ) आकाशगङ्गायां केषाम् अनेके समूहाः वर्तन्ते ?

(ङ) कः महान् देशभक्तः आसीत् ?

(च) भारते कति संस्कृतविश्वविद्यालयाः 8. सन्ति ?

4. (क) वाहे गुरुजी की फतह।

(ख) तिलकः भारतभालस्य 'तिलकम्' इव भाति।

(ग) मीनः सुप्तेऽपि नेत्रे न निमीलयति।

(घ) चन्द्रः पृथिवीं परिक्रमति।

(ङ) गणेशोत्सवः शिवराज्योत्सवः च प्रारब्धः।

(च) व्याकरणनियमानां रचयिता पाणिनि।

5. (क) सः नूनम् अद्य आगमिष्यति।

(ख) अद्य अहं तत्र अवश्यम् एव गमिष्यामि।

(ग) सः अपि तेन सह भ्रमति।

(घ) सः किं करोति इति अहं न जानामि।

(ङ) श्वः अहं विद्यालयं न गमिष्यामि।

(च) सः शनैः-शनैः आगतः।

6.

|     |                |                  |
|-----|----------------|------------------|
| (क) | तस्यादिः =     | तस्य + आदिः      |
| (ख) | निश्चयः =      | निः + चयः        |
| (ग) | शिवराजोत्सवः = | शिवराज + उत्सवः  |
| (घ) | परमेश्वरः =    | परम + ईश्वरः     |
| (ङ) | ममाप्यस्ति =   | मम + अपि + अस्ति |

| क्रम | लङ्       | लट्       |
|------|-----------|-----------|
| (क)  | अकुर्वन्  | कुर्वन्ति |
| (ख)  | अपठन्     | पठन्ति    |
| (ग)  | अखादत्    | खादति     |
| (घ)  | अगच्छत्   | गच्छति    |
| (ङ)  | अपिबत्    | पिबति     |
| (च)  | अकथयत्    | कथयति     |
| (छ)  | अवसत्     | वसति      |
| (ज)  | अकरोत्    | करोति     |
| (झ)  | प्राविशत् | प्रविशति  |

| क्रम | अ                      | ब                |
|------|------------------------|------------------|
| (क)  | वन्देमातरम्            | वङ्किमचन्द्रः    |
| (ख)  | अपदं दूरयानञ्च         | चट्टोपाध्यायः    |
| (ग)  | राष्ट्रमुद्रायाम्      | पत्रम्           |
| (घ)  | मयूरः                  | त्रयः सिंहाः     |
| (ङ)  | न तस्यादिः न तस्यान्तः | राष्ट्रियः पक्षी |
| (च)  | राष्ट्रगानम्           | नयनम्            |
|      |                        | 'जनगणमन'         |

9.

| क्रम | अ         | ब        |
|------|-----------|----------|
| (क)  | उपरि भागे | अधोभागे  |
| (ख)  | सुखस्य    | दुःखस्य  |
| (ग)  | शान्तेः   | अशान्तेः |
| (घ)  | सम्मानम्  | अपमानम्  |
| (ङ)  | शुभम्     | अशुभम्   |

10. (क) पादेन तिष्ठामि बकः न पङ्क्तुः दाता फलानां न कृतिः न यत्नः जीवामि मौनेन न मुनिः न मूकः, सेव्यः अस्मि अहं किन्तु न नृपति न देवः।

(ख) सुप्तः अपि नेत्रे न निमीलयामि, जलस्य मध्ये निवसामि नित्यं, मम भोजनानि स्वजातिजीवाः, मान्याः नामधेयम् वदन्तु।

15

मत्स्यत्रयकथा

1. (क) जलाशये

(ख) प्रभाते

(ग) मृतः इव

(घ) जाले

(ङ) अन्यज्जलाशयम्

2. (क) अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमतिः  
यद्भविष्यः च।

(ख) समयानुगुणं कार्यं करिष्यामि।  
(ग) जाले प्रसार्य मत्स्यान् अगृहणन्।  
(घ) अनागतविधाता अवदत् यत्—“श्वः प्रभाते  
ते धीवराः नूनमेव अत्र आगमिष्यन्ति, सर्वान च  
मत्स्यान्, जाले बद्ध्वा नेष्यन्ति।”  
(ङ) जले अकूर्दत् जलाशयान्तरे प्राविशच्च।

3. (क) मत्स्याः कुत्र अवसन् ?  
(ख) धीवराः किम् अवलोकितवन्तः ?  
(ग) मृतं प्रत्युत्पन्नमतिं धीवरः कस्मात् बहिः  
अकरोत् ?  
(घ) कस्मिंश्चिद् जलाशये कतिः मत्स्याः  
अवसन् ?  
(ङ) धीवराः मत्स्यान् कस्मिन् बद्ध्वा नेष्यन्ति ?

4.

| क्रम | सन्धि-<br>युक्तपदम् | पूर्वपदम्-<br>उत्तरपदं |
|------|---------------------|------------------------|
| (क)  | अन्यज्जलाशयं        | अन्यत+जलाशयं           |
| (ख)  | एतज्ज्ञात्वा        | एतत् + ज्ञात्वा        |
| (ग)  | निश्चिन्तः          | निस् + चिन्तः          |
| (घ)  | भगवच्छक्त्या        | भगवत् + शक्त्या        |
| (ङ)  | तच्चोक्तम्          | तत्+च + उक्तम्         |
| (च)  | निश्चयः             | निस् + चयः             |
| (छ)  | सच्चरित्रः          | सत् + चरित्रः          |
| (ज)  | सज्जनः              | सत् + जनः              |
| (झ)  | दुश्चरित्रः         | दुस् + चरित्रः         |
| (ञ)  | तपश्चर्या           | तपः + चर्या            |

5.

| क्रम | लङ्       | लट्      |
|------|-----------|----------|
| (क)  | अवदन्     | वदन्ति   |
| (ख)  | अगच्छन्   | गच्छन्ति |
| (ग)  | अकथयत्    | कथयति    |
| (घ)  | अगच्छत्   | गच्छति   |
| (ङ)  | अभवत्     | भवति     |
| (च)  | अगृहणन्   | गृहणाति  |
| (छ)  | अतिष्ठत्  | तिष्ठति  |
| (ज)  | प्राविशत् | प्रविशति |
| (झ)  | अपठत्     | पठति     |
| (ञ)  | अपिबन्    | पिबन्ति  |

6. (क) वेलाग्रामस्य जलाशये त्रयः मत्स्याः  
अवसन्  
(ख) एकदा धीवराणां वार्तालापं श्रुत्वा जीवन  
रक्षणाय अनागतविधाता अन्यज्जलाशयम्  
अगच्छत्।  
(ग) द्वितीयमत्स्यः प्रत्युत्पन्नमतिः “समयानुगुणं  
कार्यं करोमि” इति निश्चिन्तः अभवत्।  
(घ) तृतीयः मत्स्यः यद्भविष्यः अचिन्तयत्  
“जलाशयान्तरेण किं प्रयोजनम्”।  
(ङ) प्रभाते धीवराः जलाशयं गत्वा जालं प्रसार्य  
मत्स्यान् अगृहणन्।  
(च) प्रत्युत्पन्नमतिः मृत इव अतिष्ठत्।  
(छ) प्रत्युत्पन्नमतिः जले अकूर्दत् जलाशयान्तरे  
प्राविशच्च।  
(ज) तृतीयः मत्स्यः जाले पतितः धीवरैः कर्तितः  
मृतश्च।  
7. (क) श्वः अहं जयपुरं गमिष्यामि।  
(ख) चेतनः एव अत्र निवसति।  
(ग) ‘लौहपुरुषं’ इति नाम्ना ख्याता।  
(घ) सः अत्र एव पठति।  
(ङ) रामः गृहाद् बहिः गच्छति।  
(च) यदि त्वम् आगमिष्यति तर्हि अहं  
गमिष्यामि।  
(छ) सः नूनम् एव आगमिष्यति।  
(ज) अहं प्रातः ब्रह्ममुहूर्ते शयनं त्यजामि।  
(झ) सः अपि अत्र एव पठति।

16

## प्राचीन-भारतीय-वैज्ञानिकाः

1. (क) पराशरः  
(ख) बोधायनः  
(ग) आर्यभटः  
(घ) सुश्रुतः  
(ङ) भास्कराचार्यः

16 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

2. (क) महर्षिः पराशरः वनस्पतीनां वर्गीकरणं कृतवान्।  
 (ख) महर्षिअगस्त्यः विद्युतकोशस्य आविष्कारकः आसीत्।  
 (ग) 'पृथ्वी सूर्यस्य परिक्रमां करोति' इति सिद्धान्तः आचार्यः आर्यभटेन प्रतिपादितः।  
 (घ) भास्कराचार्यः गुरुत्वाकर्षणं सिद्धान्तं प्रतिपादितवान्।  
 (ङ) 'त्वचारोपणम्' आदौ आचार्यः सुश्रुतः कृतवान्।
3. (क) परमाणुवादस्य जनकः कः अस्ति ?  
 (ख) विमानविद्यायाः वर्णनं कः अकरोत् ?  
 (ग) भारतीकृष्णतीर्थः किम् रचितवान् ?  
 (घ) रेखागणितस्य प्रमेयं कस्मिन् सूत्रेऽस्ति ?  
 (ङ) महर्षि पाणिनिः किं रचितवान् ?
4. (क) सः आपणं गतवान्।  
 (ख) बालकाः पाठं पठितवन्तः।  
 (ग) अध्यापकः पत्रं लिखितवान्।  
 (घ) सैनिकाः मातृभूमिं रक्षितवन्तः।  
 (ङ) गायकः गीतं गीतवान्।

5. (क) आर्यभट्टस्य मतेन पृथ्वी सूर्यस्य परिक्रमां करोति।  
 (ख) सुश्रुतः शरीरस्य शल्यक्रियां करोति स्म।  
 (ग) वृक्षाः प्रकाश निस्सारण क्रिया द्वारा भोजनं कुर्वन्ति।  
 (घ) ताम्र-जतु-पारदादीनां संयोगेन विद्युत कोशः उत्पन्नः भवति।

6.

|   |     |      |    |      |    |    |
|---|-----|------|----|------|----|----|
| क | वृ  | क्षा | यु | र्वे | द  |    |
| ख | व   | रा   | ह  | मि   | हि | रः |
| ग | आ   | र्य  | भ  | टः   |    |    |
| घ | बो  | धा   | य  | नः   |    |    |
| ङ | ब्र | ह्म  | गु | प्तः |    |    |

7.

(अ)

(ब)

- (क) ब्रह्मगुप्तः ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तः  
 (ख) पतञ्जलिः योगसूत्रम्  
 (ग) वराहमिहिरः बृहत्संहिता  
 (घ) कणादः परमाणुवादः  
 (ङ) चरकः ज्वालापरीक्षणम्

17

राज्ञी दुर्गावती

1. (क) मण्डलाक्षेत्रे  
 (ख) गोंडराजदलपतशाहेन  
 (ग) स्वबलिदानम्  
 (घ) वीरनारायणः  
 (ङ) जबलपुरे
2. (क) दुर्गावत्याः समाधिः जबलपुरमण्डलामार्गे स्थितः अस्ति।  
 (ख) प्रजासु दुर्गावत्याः पुत्रवत् स्नेहः आसीत्।  
 (ग) आसफखानः दुर्गावत्याः उपरि आक्रमणम् अकरोत्।
3. क्रम पद मूल शब्द विभक्ति वचन  
 (क) मण्डलाक्षेत्रे मण्डलक्षेत्रे सप्तमी एकवचन  
 (ख) दलपतशाहेन दलपतशाह तृतीया एकवचन  
 (ग) राजकार्येषु राजकार्य सप्तमी बहुवचन  
 (घ) राजधान्याम् राजधानी सप्तमी एकवचन  
 (ङ) रक्षायै रक्षा चतुर्थी एकवचन  
 (च) तस्याः तद् षष्ठी एकवचन
4. क्रम पद धातु लकार पुरुष वचनम्  
 (क) न्यवसत् नि लङ् प्रथम एकवचन  
 (ख) अकरोत् कृ लङ् प्रथम एकवचन  
 (ग) आसीत् अस् लङ् प्रथम एकवचन

- (घ) अपश्यत् दृश् लङ् प्रथम एकवचन  
 (ङ) प्राप्नोत् प्र लङ् प्रथम एकवचन  
 (च) अत्यजत् त्यज् लङ् प्रथम एकवचन

5. (क) सा चन्देलराज्यपुत्री आसीत्।  
 (ख) प्रजा अपि तां मातेव अपश्यन्।  
 (ग) सा रणचण्डी भूत्वा युद्धम् अकरोत्।  
 (घ) तस्याः बलिदानम् अधुनापि जनाः स्मरन्ति।  
 (ङ) सा अद्या अपि यशः शरीरेण जीवति।  
 6. (क) वीरनारायणः बालकः एव आसीत्।  
 (ख) दुर्गावती चातुर्येण शौर्येण च राज्यम् अकरोत्।  
 (ग) राज्ञी दुर्गावती धीरा वीरा च आसीत्।  
 (घ) प्रजासु तस्याः पुत्रवत् स्नेह आसीत्।  
 (ङ) प्रजा अपि तां माता इव अपश्यन्।

## 7. वस्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अवसत्   | अवसताम्   | अवसन्    |
| मध्यम  | अवसः    | अवसतम्    | अवसत     |
| उत्तम  | अवसम्   | अवसाव     | अवसाम    |

## लिख्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अलिखत्  | अलिखताम्  | अलिखन्   |
| मध्यम  | अलिखः   | अलिखतम्   | अलिखत    |
| उत्तम  | अलिखम्  | अलिखाव    | अलिखाम   |

## भू (भव्)

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अभवत्   | अभवताम्   | अभवन्    |
| मध्यम  | अभवः    | अभवतम्    | अभवत     |
| उत्तम  | अभवम्   | अभवाव     | अभवाम    |

## क्रीड्

| पुरुषः | एकवचनम्  | द्विवचनम्  | बहुवचनम् |
|--------|----------|------------|----------|
| प्रथम  | अक्रीडत् | अक्रीडताम् | अक्रीडन् |
| मध्यम  | अक्रीडः  | अक्रीडतम्  | अक्रीडत  |
| उत्तम  | अक्रीडम् | अक्रीडाव   | अक्रीडाम |

## धाव्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अधावत्  | अधावताम्  | अधावन्   |
| मध्यम  | अधावः   | अधावतम्   | अधावत    |
| उत्तम  | अधावम्  | अधावाव    | अधावाम   |

## खाद्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अखादत्  | अखादताम्  | अखादन्   |
| मध्यम  | अखादः   | अखादतम्   | अखादत    |
| उत्तम  | अखादम्  | अखादाव    | अखादाम   |

## गम्

| पुरुषः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|--------|---------|-----------|----------|
| प्रथम  | अगच्छत् | अगच्छताम् | अगच्छन्  |
| मध्यम  | अगच्छः  | अगच्छतम्  | अगच्छत   |
| उत्तम  | अगच्छम् | अगच्छाव   | अगच्छाम  |

8. (क) सा 'महाराज्ञी' उपाधिना विभूषिता।  
 (ख) महिला अगच्छत्।  
 (ग) वीरनारायण जातः।  
 (घ) आसफखानः आक्रमणम् अकरोत्।  
 (ङ) बालकाः अक्रीडन्।

## 18

## सुभाषितानि

1. (क) षड्  
 (ख) खलस्य  
 (ग) रक्षणाय  
 2. (क) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते।  
 (ख) अष्टादश पुराणानि सन्ति।  
 (ग) परोपकारः पुण्याय भवति।  
 3. (क) षड् जनाः नित्यदुःखिताः।  
 (ख) साधोः धनं दानाय भवति।  
 (ग) अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचन द्वयम्।  
 (घ) पापाय परपीडनम्।  
 (ङ) परोपकारः पुण्याय भवति।  
 4. (क) राष्ट्रं मम पिता माता प्राणाः स्वामी धनं सुखम्।

18 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

- बन्धुराप्तः सखा भ्राता सर्वस्य मे स्वराष्ट्रकम् ।।  
 (ख) अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम् ।  
 परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ।।

5.

| क्रम | अ         | ब           |
|------|-----------|-------------|
| (क)  | पुरुषः    | स्त्री      |
| (ख)  | सौभाग्यम् | दुर्भाग्यम् |
| (ग)  | विद्या    | अविद्या     |
| (घ)  | पिता      | माता        |
| (ङ)  | धर्मः     | अधर्मः      |
| (च)  | पतिः      | पत्नी       |
| (छ)  | मूर्ख     | विद्वान्    |
| (ज)  | पुण्यम्   | पापम्       |
| (झ)  | सन्तुष्टः | असन्तुष्टः  |
| (ञ)  | दुःखम्    | सुखम्       |
| (ट)  | ज्ञानम्   | अज्ञानम्    |
| (ठ)  | भ्राता    | भगिनी       |
| (ड)  | सत्यम्    | असत्यम्     |
| (ढ)  | पुत्रः    | पुत्री      |
| (ण)  | उपकारः    | अपकारः      |

6. (क) एतत् उद्यानम् अस्ति ।  
 (ख) एते बालकाः सन्ति ।  
 (ग) एषा बालिका अस्ति ।  
 (घ) एषः बालकः क्रीडति ।  
 (ङ) एतानि सूत्राणि पणिना लिखितानि ।  
 (च) एताः बालिकाः क्रीडन्ति ।  
 (छ) एतौ द्वौ छात्रौ स्तः ।

योग्यताविस्तारः

- (क) एकः गुणी पुत्रः वरं न च शतानि अपि मूर्खाः न एकः चन्द्रः तमः हरति तारागणां शतानि च न ।  
 (ख) यथा-यथा हि पुरुषः मनः कल्याणे कुरुते । तथा तथा अस्य सर्वार्थाः सिद्ध्यन्ते अत्र संशयः न ।

19

देशहिताय

1. (क) सप्तम्  
 (ख) मातृतुल्यः  
 (ग) जलसेनायाः  
 (घ) देशहितम्  
 (ङ) सुधीशः
2. (क) बालचरः इति उक्ते बालानां एका सेवा संस्था इति ज्ञायते ।  
 (ख) राष्ट्रियछात्रसेनायाः ध्येय वाक्यं-‘अहं न भवान्’ इति ।  
 (ग) सेनायाः विविधप्रकाराः सन्ति- थलसेना, जलसेना वायुसेना च ।  
 (घ) बालचरस्य प्रथम प्रतिज्ञा-‘ईश्वरं स्वदेशं च प्रति कर्तव्यपालनम्’ अस्ति ।  
 (ङ) बालचरसंस्था, राष्ट्रियसेवायोजना च छात्रजीवने देशसेवायां मार्गौ ।
3. (क) कः सप्तम्यां कक्षायां पठति ?  
 (ख) गणवेशधारिणः वयं के स्मः ?
- (ग) का द्वितीयाप्रतिज्ञा ?  
 (घ) जलसेना कथं देशसुरक्षां करोति ?  
 (ङ) बालचर एकं ग्रामं कस्मै गच्छति ?
- 4.
- |                        |                     |
|------------------------|---------------------|
| (अ)                    | (ब)                 |
| (क) शन्नोवरुणः         | जलसेना              |
| (ख) एकता अनुशासनं च    | राष्ट्रिय छात्रसेना |
| (ग) नभः स्पृशं दीप्तम् | वायुसेना            |
| (घ) सेवा अस्माकं धर्मः | स्थलसेना            |
5. (i) अहम् लिखामि । (ii) अहम् गच्छामि ।  
 (iii) अहम् करोमि । (iv) अहम् प्रेरयामि ।  
 (v) अहं शृणोमि । (vi) अहं करोमि ।  
 (vii) भवान् पठति । (viii) भवान् गच्छति ।  
 (ix) भवान् प्रेरयति । (x) भवान् रक्षति ।  
 (xi) वयं अनुपालयामः ।  
 (xii) वयं कुर्मः । (xiii) वयं विचरामः ।  
 (xiv) वयं गच्छामः । (xv) वयं भवामः ।

## 6. प्रथम पुरुषः

## उत्तम पुरुषः

| धातु   | एकवचनम्            | द्विवचनम्            | बहुवचनम्               | धातु   | एकवचनम्              | द्विवचनम्           | बहुवचनम्            |
|--------|--------------------|----------------------|------------------------|--------|----------------------|---------------------|---------------------|
| लिख्   | लिखति<br>लिखतु     | लिखतः<br>लिखताम्     | लिखन्ति<br>लिखन्तु     | लिख्   | लिखामि<br>लिखानि     | लिखावः<br>लिखाव     | लिखामः<br>लिखाम     |
| दृश्   | पश्यति<br>पश्यतु   | पश्यतः<br>पश्यताम्   | पश्यन्ति<br>पश्यन्तु   | दृश्   | पश्यामि<br>पश्यानि   | पश्यावः<br>पश्याव   | पश्यामः<br>पश्याम   |
| वद्    | वदति<br>वद         | वदतः<br>वदताम्       | वदन्ति<br>वदन्तु       | वद्    | वदामि<br>वदानि       | वदावः<br>वदाव       | वदामः<br>वदाम       |
| क्रीड् | क्रीडति<br>क्रीडतु | क्रीडतः<br>क्रीडताम् | क्रीडन्ति<br>क्रीडन्तु | क्रीड् | क्रीडामि<br>क्रीडानि | क्रीडावः<br>क्रीडाव | क्रीडामः<br>क्रीडाम |
| उपविश् | उपविशति<br>उपविशतु | उपविशतः<br>उपविशताम् | उपविशन्ति<br>उपविशन्तु | उपविश् | उपविशामि<br>उपविशानि | उपविशावः<br>उपविशाव | उपविशामः<br>उपविशाम |

## मध्यम पुरुषः

## 7.

| धातु   | एकवचनम्          | द्विवचनम्           | बहुवचनम्         | क्रम | अ              | ब             |
|--------|------------------|---------------------|------------------|------|----------------|---------------|
| लिख्   | लिखसि<br>लिख     | लिखथः<br>लिखतम्     | लिखथ<br>लिखत     | (क)  | कस्यां         | कक्षायाम्     |
| दृश्   | पश्यसि<br>पश्य   | पश्यथः<br>पश्यतम्   | पश्यथ<br>पश्यत   | (ख)  | एकं            | ग्रामम्       |
| वद्    | वदसि<br>वद       | वदथः<br>वदतम्       | वदथ<br>वदत       | (ग)  | एका            | सेना          |
| क्रीड् | क्रीडसि<br>क्रीड | क्रीडथः<br>क्रीडतम् | क्रीडथ<br>क्रीडत | (घ)  | गणवेशधारिणः    | बालचराः       |
| उपविश् | उपविशसि<br>उपविश | उपविशथः<br>उपविशतम् | उपविशथ<br>उपविशत | (ङ)  | काः प्रतिज्ञाः | ताः प्रतिज्ञा |
|        |                  |                     |                  | (च)  | देशः           | मातृतुल्यः    |
|        |                  |                     |                  | (छ)  | एताभ्यां       | मार्गाभ्याम्  |
|        |                  |                     |                  | (ज)  | एषा            | सेवासंस्था    |

20

## योगः स्वास्थ्यस्य साधनम्

- (क) पतञ्जलिः  
(ख) योगेन  
(ग) प्राणायामेन  
(घ) प्रातःकालः  
(ङ) मनः शान्त्यर्थम्
- (क) शरीरम् आद्यं खलु धर्म साधनम् अस्ति।  
(ख) योगेन शरीरं चित्तम् च स्वस्थं भवति।  
(ग) स्वस्थे शरीरे अध्ययनं सुकरम्।  
(घ) यदा औषधेन रोगः न उन्मूलयति तदा योगोपचारः कर्तव्यः।
- (ङ) सुलभा पतञ्जलेः मूर्तिमपश्यत्।  
(क) सम्यक् अन्नपचनं नास्ति।  
(ख) सदैव क्षुधाभावः अस्ति।  
(ग) सुलभा योगं करिष्यति।  
(घ) शारदा योगं कारयिष्यति।  
(ङ) पतञ्जलिः शरीरस्वास्थ्यार्थं आयुर्वेदम् अरचयत्।  
(च) पतञ्जलिः वाणीशुद्ध्यर्थं व्याकरणम् अरचयत्।
- (क) लङ्कारः (भूतकालिकः)- आसीः, अपश्यत्, अकरोत्।

20 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

- (ख) लट् (वर्तमाने)- भवति, सम्भवन्ति, इच्छामि, उन्मूलयन्ति।  
 (ग) लृट् (भविष्यत्)- करिष्यति, ज्ञास्यामि, आगमिष्यामि।  
 5. (क) तेन पत्रं लिखितम्।  
 (ख) सुलभा रोगेन पीडिता।  
 (ग) बालकः गृहम् आगतः।  
 (घ) शारदया आसनं प्रयुक्तम्।  
 6. (क) योगाभ्यासेन कस्मिन् कौशलं जायते?  
 (ख) आसनानि कान् उन्मूलयन्ति?  
 7. (ग) सुलभा काम् अमिलत्?  
 (घ) सर्वं कस्य निर्देशने करणीयम्?

| क्रम | अ       | ब           |
|------|---------|-------------|
| (क)  | कर्ता   | कर्तृत्वम्  |
| (ख)  | चिन्तकः | चिन्ता      |
| (ग)  | सेवकः   | सेवा        |
| (घ)  | शान्तः  | शान्तिः     |
| (ङ)  | स्वस्थः | स्वास्थ्यम् |
| (च)  | कठिनम्  | काठिन्यम्   |

8.

| क्रम | रूपम् | लकारः | पुरुषः | वचनम्    |
|------|-------|-------|--------|----------|
| यथा  | आसीत् | लङ्   | प्रथम  | एकवचनम्  |
| (क)  | आसीः  | लङ्   | मध्यम  | एकवचनम्  |
| (ख)  | आसम्  | लङ्   | उत्तम  | एकवचनम्  |
| (ग)  | अस्ति | लट्   | प्रथम  | एकवचनम्  |
| (घ)  | सन्ति | लट्   | प्रथम  | बहुवचनम् |

21

सूक्तयः

1. (क) आचारः  
 (ख) विनाशकाले  
 (ग) प्रदीप्ते वह्निनागृहे  
 (घ) उद्यमेन  
 (ङ) अति  
 2. (क) आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।  
 (ख) संसर्गजाः दोषगुणाः भवन्ति।  
 (ग) वाग्भूषणं सर्वोत्तमं भूषणम्।  
 3. (क) उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।  
 (ख) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।  
 (ग) आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।  
 (घ) न कूपखननं युक्तं प्रदीप्ते वह्निना गृहे।  
 (ङ) विनाशकाले विपरीत बुद्धिः।  
 4. (क) संसर्गजाः  
 (ख) उदारचरितानां तु  
 (ग) विनाशकाले  
 (घ) आत्मनः  
 (ङ) अति सर्वत्र  
 (अ) संसर्गजाः  
 (ब) दोषगुणाः भवन्ति।  
 वसुधैव कुटुम्बकम्।  
 विपरीत बुद्धिः।  
 परेषां न समाचरेत्।  
 प्रतिकूलानि  
 वर्जयेत्।  
 5. (क) बहिनना  
 (ख) युक्तं  
 (ग) उद्यमेन  
 (घ) वसुधा  
 (अ) बहिनना  
 (ब) उचितं  
 (ग) परिश्रमेन  
 (घ) पृथ्वी  
 6. (क) अनुदारचरितानाम्  
 (ख) अनुकूलानि  
 (ग) सुलभम्  
 (घ) आलस्येन  
 (ङ) समृद्धिकाले  
 (अ) अनुदारचरितानाम्  
 (ब) प्रतिकूलानि  
 (ग) दुर्लभम्  
 (घ) उद्यमेन  
 (ङ) विनाशकाले  
 7. (क) न  
 (ग) न  
 (ङ) न  
 (ख) न  
 (घ) न  
 8. (क) क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततम्।  
 (ख) भूषणानि सततं क्षीयन्ते।  
 (ग) मानवः गृहे निवसति।  
 (घ) बुद्धिः यस्य बलं तस्य।  
 9. (क) किं सर्वत्र वर्जयेत्?  
 (ख) कः परमो धर्मः?

(ग) केन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि ?

(घ) केषां तु वसुधैव कटुम्बकम् ?

## विविधप्रश्नावलि:-3

1. (क) अन्यज्जलाशयम् (ख) प्रभाते  
(ग) पतञ्जलिः (घ) विद्युत कोशः  
(ङ) षड्जनाः (च) जलसेनायाः  
(छ) मण्डला क्षेत्रे (ज) विनाशकाले
2. (क) प्रभाते धीवराः जालं प्रसार्य मत्स्यान्  
अगृह्णन्।  
(ख) मत्स्यानां नामानि अनागतविधाता  
प्रत्युत्पन्नमतिः यद्भवविष्यश्च।  
(ग) स्वस्थे शरीरे अध्ययनं सुकरं भवति।  
(घ) बालचराणां प्रथम प्रतिज्ञा “ईश्वरं स्वदेशं  
प्रति च कर्तव्यपालनम्।  
(ङ) साधोः धनं दानाय भवति।  
(च) प्रकाशनिस्सारणेन वृक्षाः भोजनं कुर्वन्ति।  
(छ) दलपतशाहः गोंडवाना राज्यस्य शासकः  
आसीत्।  
(ज) हितं मनोहारी च वचः दुर्लभं भवति।
3. (क) बालचराः - बालचरः।  
(ख) दलपतशाहस्य - दलपतशाहेन।  
(ग) प्राणायामस्य - प्राणायामे।  
(घ) आगमनाय - आगमनम्।  
(ङ) साधौ - साधुसु  
(च) रसायनम् - रसायनानि
4. (क) परोपकारः पुण्याय अस्ति।  
(ख) दुर्गावती यशः शरीरेण अद्यापि जीवति।  
(ग) पतञ्जलिः आयुर्वेदं शरीराय अरचयत्।  
(घ) महर्षि कणादः परमाणुवादस्य जनकः।  
(ङ) स्थलसेना स्थलात् देशरक्षणं करोति।  
(च) विनाशकाले विपरीतबुद्धिः।
5. (क) मृतं प्रत्युत्पन्नमतिं धीवराः कस्मात् बहिः  
अकुर्वन् ?  
(ख) धीवराः कान जाले बद्ध्वा नेष्यन्ति ?  
(ग) रेखागणितं कस्मिन् सूत्रे अस्ति ?  
(घ) पृथ्वी कं परिक्रमति ?  
(ङ) किमर्थं दुर्गावत्याः किमर्थं आदर्शः  
आसीत् ?  
(च) सेनायाः कति प्रकाराः ?  
(छ) केन कार्याणि सिद्ध्यन्ति ?

6. (अ) (ब)  
(क) संसर्गजाः - दोषगुणाः।  
(ख) वायुसेना - नभः स्पृशं दीप्तम्।  
(ग) शरीरमाद्यं - खलु धर्मसाधनम्।  
(घ) एकश्चन्द्रः - तमो हन्ति।  
(ङ) पृथ्वी सूर्यस्य - परिक्रमां करोति।  
(च) जबलपुरनगरे - रानी दुर्गावती-  
विश्वविद्यालयः।
7. (क) न (ख) न  
(ग) न (घ) आम्  
(ङ) आम् (च) आम्

8.

| क्रम | अ         | ब         |
|------|-----------|-----------|
| (क)  | ऋषिः      | मुनिः     |
| (ख)  | पीडा      | दुःखम्    |
| (ग)  | वैद्यः    | चिकित्सकः |
| (घ)  | उन्मूलनम् | निवारणम्  |
| (ङ)  | तमः       | अन्धकारः  |
| (च)  | दुर्लभम्  | कठिनम्    |

9. (अ) (ब)  
(क) अनुकूलम् - प्रतिकूलम्  
(ख) स्वदेशः - विदेशः  
(ग) कष्टकारकम् - सुखकारकम्  
(घ) आलस्यम् - उद्यमः  
(ङ) स्वस्य - परस्य  
(च) उदयः - अस्तः
10. (क) मत्स्याः जलाशये निवसन्ति स्म।  
(ख) मोहनः भोजनं नीत्वा विद्यालयं गतवान्।  
(ग) सः पुस्तकं क्रीत्वा गृहकार्यं कृतवान्।  
(घ) सः लेखनीं क्रेतुं आपणं गतवान्।  
(ङ) ततः गृहं आगत्य पत्रं लिखितवान्।  
(च) सः आपणतः भगिन्यै दातुं उपहारम्  
आनीतवान्।  
(छ) रात्रौ शयनकक्षं प्रविश्य सुप्तवान्।
11. (क) विद्या ज्ञानाय भवति।  
(ख) औषधिः रोगान् उन्मूलयति।

22 संस्कृत कक्षा-7 उत्तरमाला

- (ग) अहं सप्तम् कक्षायां पठामि।  
 (घ) आर्यभटः प्रकाशस्य गतिं ज्ञातवान्।  
 (ङ) दुर्गावती चातुर्येण राज्यम् अकरोत्।  
 (च) वायुसेना वायुमार्गात् राष्ट्रं रक्षति।  
 12. (क) आगामिमासे अहं जबलपुरं गमिष्यामि।  
 (ख) हयः भोजने मिष्ठानं आसीत्।  
 (ग) त्वं योग कक्षां प्रविश।  
 (घ) वयं सर्वे देशसेवां कुर्मः।  
 (ङ) मयूराः वने नृत्यन्ति।  
 (च) शरीरे द्वे नेत्रे भवतः।  
 13. (क) एकः गुणी पुत्रः वरं न शतानि अपि मूर्खाः  
 च एकः चन्द्रः तमः हन्ति तारागणाः अपि शतं न।  
 (ख) यथायथा हि पुरुषः मनः कल्याणे कुरुते।  
 तथा तथा अस्य सर्वार्थाः सिद्ध्यन्ते अत्र दोषः  
 न।

अभ्यास प्रश्नपत्रप्रारूपम्

संस्कृतम्

कक्षा-सप्तमी

1. (अ)  
 (क) (द) उत्तराखण्डराज्ये  
 (ख) (ब) क्षुधया  
 (ग) (अ) पत्रम्  
 (घ) (स) चन्द्रः  
 (ङ) (स) गणेशोत्सवः  
 (ब)  
 (क) मूलाधाराः (ख) तक्षशिला  
 (ग) शूलपाणिः (घ) खड्गं  
 (ङ) पूर्णिमा  
 2. (क) पर्वते दुर्मुखः नाम महौजस्वी सिंहः प्रति वसति स्म।  
 (ख) सः सदैव बहूनां पशूनां वधं करोति स्म।  
 (ग) सर्वे पशवः सिंहस्य समीपम् अगच्छन्।  
 (घ) वयं प्रतिदिनं तव भोजनाय एकैकं पशुं प्रेषयिष्यामः।  
 अथवा  
 (क) शरीरं चित्तं च योगेन स्वस्थं भवति।  
 (ख) धर्मस्य आद्यं साधनम् शरीरं अस्ति।  
 (ग) स्वस्थे शरीरे अध्ययनं सुकरं भवति।  
 (घ) कार्ये कौशलं जायते।  
 3. (क) यया बालो न पाठितः सा माता शत्रुं सम् इव।  
 (ख) येन बालो न पाठितः सः पिताः वैरी सम् इव।  
 (ग) यः न पठितवान् सः सभामध्ये न शोभते।  
 (घ) यः न पठितवान् सः हंसमध्ये बको यथा इव न शोभते।

अथवा

- (क) एको गुणी पुत्रः वरम् अस्ति।  
 (ख) शतानि मूर्खं पुत्राः न वराणि।  
 (ग) एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति।

- (घ) तारागणाः तमो न घ्नन्ति ।
4. (अ) (i) यथा यथा हि पुरुषः कल्याणे कुरुते मनः ।  
तथा तथास्य सर्वार्थाः सिद्ध्यन्ते नात्र संशयः ।।  
(ii) सत्यं माता पिता ज्ञानं, धर्मो भ्राता दया सखा ।  
शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः, षडेते मम बान्धवाः ।।
- (ब) जलबिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।  
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।
- (स) आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ।
5. (अ) (क) भारतीयाः (ख) जनाः (ग) गुरुः गोविन्द सिंहः  
(घ) मत्स्याः (ङ) कर्मशीलस्य (च) उद्यमेन
- (ब) (क) मठानि धर्मप्रचाराय स्थापितानि ।  
(ख) शुक्लपक्षः कृष्णपक्षश्च द्वौ पक्षौ भवतः ।  
(ग) भास्कराचार्यः गुरुत्वाकर्षणसिद्धातं  $\pi$  (पै) इति गणित चिह्नस्य मानं त्रैराशिक-नियमादीन् प्रतिपादितवान् ।  
(घ) परोपकारः पुण्याय भवति ।  
(ङ) बालचरस्य प्रथम प्रतिज्ञा तु 'ईश्वरं स्वदेशं प्रति च कर्तव्यपालनं' अस्ति ।  
(च) सुलभा पतञ्जलेः मूर्तिम् अपश्यत् ।
- 6.
- |     |       |         |          |             |           |
|-----|-------|---------|----------|-------------|-----------|
| (अ) | शब्दः | विभक्ति | एकवचनम्  | द्विवचनम्   | बहुवचनम्  |
| (क) | लेखनी | पंचमी   | लेखन्याः | लेखनीभ्याम् | लेखनीभ्यः |
| (ख) | सर्व  | तृतीया  | सर्वेण   | सर्वाभ्याम् | सर्वैः    |
| (ग) | मधु   | चतुर्थी | मधुने    | मधुभ्याम्   | मधुभ्यः   |
- 
- |     |                |         |         |           |          |
|-----|----------------|---------|---------|-----------|----------|
| (ब) | धातु           | लकार    | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| (क) | पठ् (उ.पु.)    | लोट्    | पठानि   | पठाव      | पठामः    |
| (ख) | गम् (प्र. पु.) | विधिलिङ | गच्छेत् | गच्छेताम् | गच्छेयुः |
| (ग) | वन्द् (म. पु.) | लट्     | वन्दसे  | वन्देथे   | वन्दध्वे |
- (स) (क) अधिकरण कारकः (ख) कर्ता कारकः  
(ग) अपादान कारकः (घ) सम्प्रदान कारकः
7. (अ) पदं धातुं प्रत्ययं  
(क) विलिख्य लिख् ल्यप्  
(ख) कृतवान् कृ क्तवतु  
(ग) लिखित्वा लिख् क्त्वा  
(घ) क्रीडितः क्रीड् क्तः  
(ब) पदं धातुं उपसर्गः  
(क) उपकरोति कृ उप  
(ख) अनुधावति धाव् अनु  
(ग) पराजयते जय् परा  
(घ) उद्भवति भू उत्  
(स) (ख) अतः (घ) पुरतः (ङ) मा ।

8. (अ) पदः                      संधि विच्छेदः                      संधि नामः  
 (क) देवर्षिः                      देव+ऋषिः                      गुण संधि  
 (ख) अजन्तः                      अच्+अन्तः                      जश्त्व संधि  
 (ग) पावकः                      पौ+अकः                      अयादि संधि  
 (घ) सुबन्तः                      सुप्+अन्तः                      जश्त्व संधि  
 (ब) पदं                      समास विग्रहं                      समास नामः  
 (क) चौरभयम्                      चौरात् भयम्                      अपादानतत्पुरुषः समासः  
 (ख) पञ्चवटी                      पञ्चानां वटानां समाहारः                      द्विगुसमासः  
 (ग) उपकृष्णम्                      कृष्णस्य समीपम्                      अव्ययीभाव समासः  
 (स) (क) 14-चतुर्दशः                      (ख) 18-अष्टादशः                      (ग) 16-षोडशः

9. (अ) खजूरीपन्थतः

3 जनवरी 2009

पूज्यामातः! प्रणामाः

अहम् ईश्वरस्य कृपाया कुशलिनी अस्मि।

भवत्याः स्वास्थ्यम् कथम् अस्ति।

अहं अस्मिन् मासे भ्रमणार्थं गमिष्यामि। आगामिमासे मम मूल्यांकनम् अस्ति। पितृचरणौ वन्दे।

भवत्याः पुत्री

शैलजा

10. (क) मम विद्यालयः

- (i) मम विद्यालयः सुन्दरः अस्ति।                      (ii) मम विद्यालयः ग्रामस्य समीपे अस्ति।  
 (iii) मम विद्यालयं परितः बहवः पादपाः सन्ति।                      (iv) मम विद्यालयं श्रेष्ठ शिक्षकाः सन्ति।  
 (v) अहं प्रतिदिनं मित्रेण सह विद्यालयं गच्छामि।

(ख) पुस्तकम्

- (i) पुस्तकानि मह्यम् रोचन्ते।                      (ii) रामायणम् मम प्रियं पुस्तकम् अस्ति।  
 (iii) अस्य रचयिता महाकविः वाल्मीकिः अस्ति।                      (iv) रामायणे रामस्य परमपावनी कथा वर्तते।  
 (v) एतत् महाकाव्यं संसारस्य महत् कल्याणकरम् अस्ति।

(ग) उद्यानम्

- (i) मम गृह समीपे एकः उद्यानम् अस्ति।  
 (ii) उद्यानम् बहवः पादपाः सन्ति।  
 (iii) उद्यानम् दृश्यम् अति रमणीयः भवति।  
 (iv) अहम् मित्रेण सह प्रतिदिनं प्रातःकालः उद्यानम् गच्छामि।  
 (v) उद्यानम् अनेके जनाः व्यायामं कुर्वन्ति।

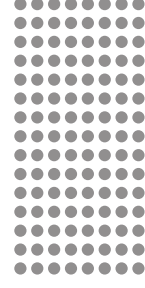
(घ) धेनुः

- (i) धेनुः अस्माकं माता अस्ति।                      (ii) धेनूनां विविधाः वर्णाः भवन्ति।  
 (iii) धेनुः तृणानि भक्षयति।                      (iv) धेनुः जनेभ्यः मधुरं पयः प्रयच्छति।  
 (v) वयं धेनुः पालयति।

अथवा

- (i) अस्मिन् चित्रे एकः जनाः धेनोः दुग्धम् दुहति।                      (ii) कृषकः क्षेत्रे वृषभाभ्यां हलं कर्षति।  
 (iii) अनेके जनाः गृहाणि गच्छन्ति।                      (iv) क्षेत्रे समीपं वृक्षाः दृश्यते।  
 (v) कृषकाः क्षेत्रम् कार्यम् कुर्वन्ति।





# संस्कृत

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

कक्षा

8

## संस्कृत 8

प्रथमः पाठः

### लोकहितं मम करणीयम्

**1. एकपदेन उत्तरत**

- (क) स्मरणीयम् (ख) सततं वदनीयम्  
(ग) भोगभवने (घ) दुःखम्  
(ङ) निज सौख्यम्।

**2. एकवाक्येन उत्तरत**

- (क) कार्यक्षेत्रे त्वरणीयम्।  
(ख) दुःख सागरे तरणीयम्।  
(ग) कष्टपर्वते चरणीयम्।  
(घ) विपत्ति विपिने भ्रमणीयम्।  
(ङ) मम लोकहितं करणीयम्।

**3. उचितं योजयत**

- | (अ)           | (ब)             |
|---------------|-----------------|
| (क) मनसा      | सततं स्मरणीयम्। |
| (ख) वचसा      | सततं वदनीयम्।   |
| (ग) भोगभवने   | न रमणीयम्।      |
| (घ) लोकहितम्  | करणीयम्।        |
| (ङ) अहर्निशम् | जागरणीयम्।      |

**4. शुद्धाशुद्धानां समक्षे 'आम्' 'न' वा लिखतु।**

- (क) आम् (ख) न  
(ग) आम् (घ) न  
(ङ) आम्

**5. रिक्तस्थान पूर्ति :**

- (क) गह्वरे (ख) करणीयम्  
(ग) न रमणीयम् (घ) त्वरणीयम्  
(ङ) चरणीयम्

**6. समास विग्रहं**

- (क) लोकस्य हितम् - षष्ठी तत्पुरुष  
(ख) भोगानां भवने - षष्ठी तत्पुरुष  
(ग) कार्यस्यक्षेत्रे - षष्ठी तत्पुरुष

- (घ) दुःखस्य सागरे - षष्ठी तत्पुरुष  
(ङ) कष्टानां पर्वते - षष्ठी तत्पुरुष

**7. रिक्तस्थान पूर्ति—**

- (क) न जातु दुःखं गणनीयम्, न च निजसौख्यं मननीयम् कार्यक्षेत्रे त्वरणीयम्, लोकहितं मम करणीयम् ॥  
(ख) दुःख सागरे तरणीयम् कष्टपर्वते चरणीयम्।  
विपत्ति-विपिने भ्रमणीयम्। लोकहितं मम करणीयम् ॥

**8. धातु प्रत्ययं च पृथक्कुरुत—**

| क्रम | पद         | धातु      | प्रत्यय |
|------|------------|-----------|---------|
| (क)  | करणीयम्    | कृ        | अनीयर्  |
| (ख)  | रमणीयम्    | रम्       | अनीयर्  |
| (ग)  | शयनीयम्    | शीङ्      | अनीयर्  |
| (घ)  | जागरणीयम्  | जागृ      | अनीयर्  |
| (ङ)  | गणनीयम्    | गण्       | अनीयर्  |
| (च)  | मननीयम्    | मन्       | अनीयर्  |
| (छ)  | त्वरणीयम्  | त्वर्     | अनीयर्  |
| (ज)  | तरणीयम्    | तृ        | अनीयर्  |
| (झ)  | भ्रमणीयम्  | भ्रम्     | अनीयर्  |
| (ञ)  | सञ्चरणीयम् | सम् + चर् | अनीयर्  |

**9. मम कर्तव्यम् (10 वाक्य)**

- (क) अहं सदैव स्मर्तव्यम्।  
(ख) मुखेन सद्बचनं वदेम।  
(ग) मया सदा लोकहितमेव कर्तव्यम्।  
(घ) भोगेषु न विचरणीयम्।  
(ङ) सुखदे शयने न दुःखभावे।  
(च) अहं सदैव जागृत्याम् लोकहितं च कुर्याम्।  
(छ) मया दुःखानि न गणयन् कार्यक्षेत्रे सत्वरं आचरणीयम्।

(ज) स्व सुखं विहाय लोककल्याण कार्यमेव करणीयम्।

(ज) बन्धुजनानां सदैव सहायता करणीया।

(झ) दुःखानि अविचिन्त्य अपि लोकहितस्य कार्यं कर्तव्यम्।

#### 10. पाठान्तर्गते अव्ययाः

सततम्, न, च, जातु, तत्र।



### द्वितीयः पाठः

### कालज्ञो वराहमिहिरः

#### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) कपित्थः ग्रामे
- (ख) आदित्यासः
- (ग) स्वजनकात्
- (घ) आर्यभटात्
- (ङ) उज्जयिनीम्।

- (ग) भारते फलितज्यौतिषस्य प्रथमः आचार्यः वराहमिहिरः आसीत्।
- (घ) वराहमिहिरेण बृहत्संहिता बृहज्जातकं पञ्चसिद्धान्तिका च ग्रन्थाः विरचिताः।
- (ङ) पादपाः वल्मीकाश्च अधोभौतिक जलस्थितिं प्रदर्शयन्ति।

#### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) वराहमिहिरस्य जन्म 499 ख्रिष्टाब्दे अभवत्।
- (ख) वराहमिहिरः 587 तमे ख्रिष्टाब्दे दिवङ्गतः।

#### 3. रिक्तस्थानानि पूरयत्

- (क) उज्जयिनीम्
- (ख) खगोलशास्त्री
- (ग) वराहमिहिरेण
- (घ) उज्जयिन्याः
- (ङ) वराहमिहिरेण।

#### 4. उचितं योजयत्

(अ)

- (क) उज्जयिन्या निकटे
- (ख) वराहमिहिरस्य जन्म
- (ग) आदित्यदासस्य पुत्रः
- (घ) अध्ययनं समाप्य वराहमिहिरः समागतः
- (ङ) वराहमिहिरस्य मृत्युः

(ब)

- कपित्थग्रामः
- 499 ख्रिष्टाब्दे
- वराहमिहिरः
- उज्जयिनीम्
- 587 ख्रिष्टाब्दे

#### 5. 'आम्' 'न' वा लिखत्

- (क) आम् (ख) न (ग) आम् (घ) आम् (ङ) आम्।

#### 6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेद

| पद                         | विच्छेद                     | सन्धि नाम       |
|----------------------------|-----------------------------|-----------------|
| (क) आदित्योपासकः           | - आदित्य + उपासकः           | - गुणसन्धि      |
| (ख) अस्मिन्नेव             | - अस्मिन् + एव              | - हल्सन्धि      |
| (ग) समाप्याध्ययनम्         | - समाप्य + अध्ययनम्         | - दीर्घसन्धि    |
| (घ) बालकोऽजायत             | - बालको + अजायत्            | - पूर्वरूपसन्धि |
| (ङ) वर्द्धिताश्च           | - वर्द्धिताः + च            | - विसर्गसन्धि   |
| (च) खगोलशास्त्रस्याध्ययनम् | - खगोलशास्त्रस्य + अध्ययनम् | - दीर्घसन्धि    |



## तृतीयः पाठः गणतन्त्र दिवसः

### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) जनवरीमासे  
(ख) राष्ट्रपति महाभागः  
(ग) राज्यपालाः  
(घ) लाहौर अधिवेशने  
(ङ) 1947 तमे वर्षे

### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) 'वन्देमातरम्' इति राष्ट्रियगीतस्य पूर्वाभ्यासः प्रचलति।  
(ख) स्वतन्त्रतादिवसः गणतन्त्रदिवसश्च राष्ट्रियपर्वणी।  
(ग) पञ्चदश अगस्ते वयं स्वतन्त्रतादिवसम् आयोजयामः।  
(घ) राष्ट्रभक्तैः प्रतिज्ञाकृता 'सार्वभौमतन्त्रं' रचयामः इति।  
(ङ) कलाकाराः सांस्कृतिक कार्यक्रमैः जानपदनृत्यः च जनमनांसि रञ्जयन्ति।

### 3. प्रश्ननिर्माणं कुरुतः

- (क) गणतन्त्रदिवसः किं पर्व वर्तते ?  
(ख) भू-जल-वायुसेनानां प्रदर्शनं कीदृशं भवति ?  
(ग) दिल्लीनगरे कः सेनानायकानाम् अभिनन्दनं स्वीकरोति ?  
(घ) कलाकाराः कैः जनमनांसि रञ्जयन्ति ?  
(ङ) कुत्र प्रथमवारं त्रिवर्णध्वजारोहणं जातम् ?

### 4. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) सेनानायकानाम्  
(ख) रञ्जयन्ति  
(ग) गणतन्त्रदिवसः  
(घ) स्वशासनाधारेण

(ङ) राज्यपालाः।

### 5. उचितं योजयत

- | (अ)                  | (ब)                       |
|----------------------|---------------------------|
| (क) राज्यम्          | राज्यपालः                 |
| (ख) कला              | कलाकारः                   |
| (ग) राष्ट्रियं गीतम् | वन्दे मातरम्              |
| (घ) विमानानि         | उड्डयन्ते                 |
| (ङ) राष्ट्रगानम्     | जन-गण-मन<br>अधिनायक जय हे |

### 6. विशेषणपदानि उपयुज्य दशवाक्यानि रचयत।

- (क) आर्यभटः प्रसिद्धः खगोलशास्त्री आसीत्।  
(ख) उज्जयिनी विद्यायाः प्रमुख केन्द्रः आसीत्।  
(ग) विद्वज्जनानां समागमः भवति।  
(घ) वराहमिहिरः वेदज्ञः अभवत्।  
(ङ) फलित ज्योतिष नामशास्त्रं तस्य प्रतिपाद्य विषय।  
(च) फलित ज्योतिषस्य प्रथमः आचार्य वराहमिहिरः।  
(छ) चन्द्रस्यप्रकाशः स्वकीयः नास्ति।  
(ज) एतेषु ग्रन्थेषु फलित विद्यायाः गूढ तत्वानां प्रतिपादनमस्ति।  
(झ) आधुनिकाः वैज्ञानिकाः अपि तदवलम्ब्य अन्वेषणं कुर्वन्ति।  
(ञ) गहन विषयमपि सरलं प्रस्तुतम्।

### 7. सन्धिं सन्धि-विच्छेदं वा कुरुत

- (क) स्वतन्त्रतादिवस इव =  
स्वतन्त्रतादिवसः + इव।  
(ख) निस्सारयन्तीति = निस्सारयन्ति +  
इति।  
(ग) इत्यस्य = इति + अस्य।

(घ) सोऽयम् = सः + अयम्।

(ग) अत्र

(घ) अपि

(ङ) अधुनावगतम् = अधुना + अवगतम्।

(ङ) अधुना

## 8. अव्ययानि चित्वा लिखत

(क) कथम् (ख) च

चतुर्थः पाठः

## नीतिश्लोकाः

## 1. एकपदेन उत्तरत

(क) प्रियाः प्रियवादिनी च

(ख) अर्थकरी

(ग) दूषणम्

(घ) मोहात्

(ङ) आपत्सु

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

(अ) अजीर्णे भोजनं विषम्।

(ख) उद्योगे दारिद्र्यं नास्ति।

(ग) कुतो ममाश्रयेद् दोषः इति  
विचिन्तयेत्।

(घ) गुणेष यत्नः करणीयः।

(ङ) अनभ्यासे विषं शास्त्रम्।

## 3. श्लोकांशान् योजयत

(अ)

(ब)

(क) मृत्युमापद्यते मोहात् सत्येनापद्यतेऽमृतम्

(ख) गुणेष क्रियताम् यत्नः किमाटोपैः प्रयोजनम्

(ग) अनाभ्यासे विषं

अजीर्णे भोजनं विषम्

शास्त्रम्

(घ) अमृतं राहवे मृत्युः

विषं शङ्करभूषणम्

(ङ) उद्योगे नास्ति दारिद्र्यम् जपतो नास्तिपातकम्

## 4. 'आम्' 'न' वा लिखत

(अ) आम्

(ख) आम्

(ग) न

(घ) आम्

(ङ) आम्

## 5. पदानां विभक्ति वचन च लिखत

| क्रम | पद        | शब्द   | विभक्तिः         | वचनम्     |
|------|-----------|--------|------------------|-----------|
| (क)  | नीचस्य    | नीच    | षष्ठी            | एकवचनम्   |
| (ख)  | आपत्सु    | आपद्   | सप्तमी           | बहुवचनम्  |
| (ग)  | युद्धे    | युद्ध  | सप्तमी           | एकवचनम्   |
| (घ)  | क्षीणेषु  | क्षीण  | सप्तमी           | बहुवचनम्  |
| (ङ)  | धने       | धन     | सप्तमी           | एकवचनम्   |
| (च)  | गुणदोषयोः | गुणदोष | षष्ठी,<br>सप्तमी | द्विवचनम् |
| (छ)  | निर्धनस्य | निर्धन | षष्ठी            | एकवचनम्   |
| (ज)  | मौने      | मौन    | सप्तमी           | एकवचनम्   |
| (झ)  | व्यसनेषु  | व्यसन  | सप्तमी           | बहुवचनम्  |
| (ञ)  | बान्धवान् | बान्धव | द्वितीया         | बहुवचनम्  |

पञ्चमः पाठः

## अहम् ओरछा अस्मि

## 1. एकपदेन उत्तरत

(क) निवाडीमण्डले

(ख) षोडशशताब्दे

(ग) रुद्रप्रतापेन

(घ) रामराजामन्दिरे

(ङ) वीरः हरदौलः

(च) सघनं वनम्

6 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) धसान, जामिनी, जतारा, बेतवा च  
चतस्रः नद्यः ओरछा नगरं परितः  
प्रवहन्ति ।
- (ख) दुर्गः सुदृढं कलात्मकं च अस्ति ।
- (ग) भवनानां गवाक्षेषु प्रस्तर पट्टिकासु  
सूक्ष्म शिल्प कार्यं विद्यते ।

- (घ) महाराज्या सम्मान रक्षणाय राज्ञः सन्देह  
निवारणाय विषपानम् अकरोत् ।
- (ङ) पुष्पोद्यानस्य नातिदूरे केशवस्य गृहम्  
अस्ति ।
- (च) ओरछानगरे लक्ष्मीनारायण मन्दिरं,  
फूलबाग, दीवान, हरदौलभवन,  
सुन्दरभवन, शहीदस्मारक प्रभृतीनि  
द्रष्टव्यानि स्थानानि सन्ति ।

3. उचितं मेलयत

(अ)

- (क) ओरछानगरस्य परिक्षेत्रे
- (ख) विवाहावसरे महिलाः
- (ग) प्रस्तरेषु कलायाः चित्रणम्
- (घ) जुझारसिंहस्य प्रियः अनुजः
- (ङ) सर्वाधिकं निर्माणकार्यम्

(ब)

- चतस्रः नद्यः सन्ति
- तं प्रथमं पूजयन्ति
- अद्भुतं भाति
- हरदौलः आसीत्
- महाराजवीरसिंहप्रथमस्य शासने अभवत्

4. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) मन्दिरस्य प्राङ्गणे (ख) दुर्गे
- (ग) हिन्दीभाषायाः (घ) रोचकः
- (ङ) जम्बुवृक्षाः

6. नामोल्लेख सहितं सन्धिविच्छेदं कुरुत

- (क) अत्रैव = अत्र + एव = वृद्धि सन्धि
- (ख) महत्वञ्च = महत्त्वं + च = हल् सन्धि
- (ग) अद्यावधिः = अद्य + अवधि = दीर्घ  
सन्धि
- (घ) सर्वाधिकम् = सर्व + अधिकम् =  
दीर्घसन्धि
- (ङ) भवनमपि = भवनम् + अपि = व्यंजन  
सन्धि

5. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहं कुरुत

- (क) शिल्पकार्यम् - शिल्पस्य कार्यम् -  
षष्ठी तत्पुरुष
- (ख) काव्यकलाविदग्धायाः - काव्य-  
कलाया विदग्धा - तृतीया तत्पुरुष
- (ग) विषपानस्थलम् - विषपानस्यस्थलम्  
-षष्ठी तत्पुरुष
- (घ) विवाहावसरे - विवाहस्य अवसरे -  
षष्ठी तत्पुरुष
- (ङ) चतुर्भुजमन्दिरम् - चतुर्भुजस्य  
मन्दिरम् - षष्ठी तत्पुरुष ।

7. 'आम्' 'न' वा लिखत

- (क) न (ख) आम्
- (ग) आम् (घ) आम्
- (ङ) न ।



## षष्ठ पाठः

## स्वामी विवेकानन्दः

## 1. एकपदेन उत्तरत

(क) नरेन्द्रनाथः

(ख) भुवनेश्वरीदेवी

(ग) विश्वनाथ दत्तः

(घ) कोलकाता नगरे

(ङ) रामकृष्णः परमहंसः।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) नरेन्द्रनाथस्य जन्म जनवरी मासस्य द्वादशे दिनाङ्के 1863 ख्रिस्ताब्दे अभवत्।

(ख) शिकागोनगरे विश्वधर्मसम्मेलने भारतस्य प्रतिनिधिः स्वामी विवेकानन्दः अभवत्।

(ग) जुलाईमासस्य चतुर्थदिनाङ्के 1902 ख्रिस्ताब्दे सः ब्रह्मलीनो जातः।

(घ) यदि कोऽपि भारतीय संस्कृति ज्ञातुम् इच्छति तर्हि प्रथमः तेन स्वामि विवेकानन्दविषये पठितव्यम्।

(ङ) यूनां प्रेरकः पथप्रदर्शकश्च स्वामि विवेकानन्दः।

## 3. उचितम् योजयत

| क्रम. | (अ)                          | (ब)                |
|-------|------------------------------|--------------------|
| (क)   | नरेन्द्रनाथ एव               | स्वामी विवेकानन्दः |
| (ख)   | नरेन्द्रनाथस्य माता          | भुवनेश्वरी देवी    |
| (ग)   | नरेन्द्रनाथस्य पिता          | विश्वनाथ दत्तः     |
| (घ)   | नरेन्द्रनाथस्य गुरुः         | रामकृष्ण परमहंस    |
| (ङ)   | नरेन्द्रनाथस्य प्रिया शिष्या | भगिनी निवेदिता     |

## 4. शुद्धाशुद्धानां स्थाने क्रमशः 'आम्' 'न' वा लिखत।

(अ) आम् (ख) आम्

(ग) न (घ) आम्

(ङ) न।

## 5. रिक्तस्थान पूर्तिः

(क) मा कुरु (ख) धारयत

(ग) अभिभाषकः (घ) अकर्म

(ङ) कोलकातानगरे।

## 6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेदं कुरु

| क्रम | पद             | सन्धिविच्छेद      | सन्धि नाम    |
|------|----------------|-------------------|--------------|
| (क)  | दीक्षानन्तरम्  | दीक्षा + अनन्तरम् | दीर्घसन्धि   |
| (ख)  | प्रसिद्धोऽभवत् | प्रसिद्धः + अभवत् | विसर्गसन्धि  |
| (ग)  | एवाकर्म        | एव + अकर्म        | दीर्घसन्धि   |
| (घ)  | तस्यावधारणा    | तस्य + अवधारणा    | दीर्घसन्धि   |
| (ङ)  | अनेनैव         | अनेन + एव         | वृद्धिसन्धि  |
| (च)  | कार्यमस्ति     | कार्यम् + अस्ति   | व्यंजन सन्धि |

## 7. नामोल्लेखपूर्वकं समासविग्रहं कुरुत

| क्रम | पद                | समासविग्रह           | समास नाम        |
|------|-------------------|----------------------|-----------------|
| (क)  | लोकसेवकः          | लोकस्य सेवकः         | षष्ठी तत्पुरुषः |
| (ख)  | परोपकारः          | परेषाम् उपकारः       | षष्ठी तत्पुरुषः |
| (ग)  | परिव्राजकदीक्षाम् | परिव्राजकस्य दीक्षां | षष्ठी तत्पुरुषः |
| (घ)  | जीवनगतिः          | जीवनस्य गतिः         | षष्ठी तत्पुरुषः |
| (ङ)  | ईश्वरप्राप्तिः    | ईश्वरस्य प्राप्तिः   | षष्ठी तत्पुरुषः |

## 8. मूलशब्दं विभक्ति, लिङ्गं, वचनं च लिखत।

| क्रम | पद       | मूलशब्द | लिङ्ग       | विभक्ति | वचनम्   |
|------|----------|---------|-------------|---------|---------|
| (क)  | ज्ञानम्  | ज्ञान   | नपुंसक      | प्रथमा  | एकवचनम् |
| (ख)  | कार्यम्  | कार्य   | नपुंसक      | प्रथमा  | एकवचनम् |
| (ग)  | अनेन     | इदम्    | पुंलिङ्ग    | तृतीया  | एकवचनम् |
| (घ)  | ईश्वरः   | ईश्वर   | पुंल्लिङ्ग  | प्रथमा  | एकवचनम् |
| (ङ)  | दीनः     | दीन     | पुंल्लिङ्ग  | प्रथमा  | एकवचनम् |
| (च)  | क्रीडासु | क्रीडा  | स्त्रीलिङ्ग | सप्तमी  | एकवचनम् |

## 9. अव्ययानां वाक्यप्रयोगम्

(क) च — रामः श्यामः च गच्छतः।

(ख) एवम् — सः युद्धेऽनेकान् शत्रून् हतवान् एवं सः महावीरः।

(ग) मा — त्व तत्र मा गच्छ।

(घ) तदा — यदा अहं बहिर्गच्छामि तदा एवं सः आगच्छति।

(ङ) यदि—यदि सः अत्र आगमिष्यति अहं तस्य स्वागत करिष्यामि।

10. (1) स्वामीविवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम 'नरेन्द्रनाथः' आसीत्।

(2) स्वामीविवेकानन्दस्य जन्म कोलकाताः नगरे अभवत्।

(3) तस्य पिता विश्वनाथदत्तः आसीत्।

(4) स्वामीविवेकानन्दस्य माता भुवनेश्वरी देवी आसीत्।

(5) तस्य गुरुः रामकृष्णः परमहंसः आसीत्।

(6) स्वामीविवेकानन्दस्य शिष्या 'भगिनी निवेदिता' आसीत्।

(7) स्वामी विवेकानन्दः संस्कृतानुरामी आसीत्।

(8) स्वामी विवेकानन्दः यूनां कृते पथप्रदर्शकः आसीत्।

(9) नरेन्द्रनाथः स्वामी विवेकानन्दः इति नाम्ना प्रसिद्धोऽभवत्।

(10) स्वामी विवेकानन्दस्य बहवः शिष्याः अभवन्।



सप्तमः पाठः  
ऐक्यबलम्

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) निम्बवृक्षे (ख) शाखां  
(ग) काष्ठभेदकः (घ) मक्षिकाम्  
(ङ) मण्डूकः

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) स एव बुद्धिमान् यः गतं मृतं च न चिन्तयति।  
(ख) मित्रम् एव मित्रस्य कार्यं साधयति।  
(ग) एकीभूताः दुर्बला अपि सबले शत्रुं हन्तुं शक्नुवन्ति।  
(घ) मक्षिकया हस्तिनः कर्णयोः वीणावादनम् कृतम्।  
(ङ) तैः तीक्ष्ण बुद्ध्या ऐक्येन च सः मत्तगजः मारितः।

## 3. युग्म निर्माणं करुत

(अ) (ब)

- (क) ऐक्यबलेन - मत्तगजः मारितः  
(ख) बुद्धिमान् - यः गतं मृतं च न चिन्तयति  
(ग) काष्ठभेदकः - चञ्चुप्रहारम्  
(घ) मक्षिका - वीणावादनम्  
(ङ) चटकायुगलम् - कातरक्रन्दनम्

## 4. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) चटकायुगलम्  
(ख) कातरक्रन्दनम्  
(ग) चतुरमण्डूकं उपायं  
(घ) तस्मिन् पङ्के  
(ङ) तीक्ष्णबुद्ध्या ऐक्येन।

## 5. एकताविषये पञ्च वाक्यानि

- (क) ऐक्यं महाबलम् भवति।  
(ख) संहिता कार्यसाधिका भवति।  
(ग) पिपीलिका अपि एकीभूयाः भारं नयन्ति।  
(घ) तृणानाम् एकता रज्जु निर्माणं करोति येन हस्ती अपि बद्धुं शक्नोति।  
(ङ) तृणानाम् संहति मार्जनी भूत्वा समार्जयति।

## 6. आगतानां जीवानाम् नामानि

- (क) चटकः - पतिः  
(ख) चटका - पत्नी  
(ग) मत्तगजः - चटकयोः शत्रुः  
(घ) काष्ठभेदकः - चटकयोः मित्रम्  
(ङ) मक्षिका - काष्ठभेदकस्य मित्रम्  
(च) चतुरं मण्डूकं - मक्षिकायाः मित्रम्

## विविध प्रश्नावलि : 1

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) स्मरणीयम्  
(ख) आदित्यदासः  
(ग) जनवरी मासे  
(घ) अर्थकरी  
(ङ) रुद्रप्रतापेन  
(च) विश्वनाथदत्तः  
(छ) शाखां नाशितवान्  
(ज) आपत्सु

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) कष्ट पर्वते चरणीयम्।

10 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

(ख) बृहत्संहिता बृहज्जातकं पञ्च-  
सिद्धान्तिकाः च ग्रन्थाः विरचिता।

(ग) सार्वभौमं तन्त्रं रचयामः इति  
प्रतिज्ञातम्।

(घ) अनभ्यासे शास्त्रं विषम्।

(ङ) महाराज्ञ्याः सम्मान रक्षणाय राज्ञः च  
सन्देहनिवारणाय विषपानम् अकरोत्।

(च) शिकागोनगरे विश्वधर्मसम्मेलने  
भारतस्य प्रतिनिधिः स्वामि  
विवेकानन्दः अभवत्।

(छ) एकीभूता दुर्बलाः अपि सबलं शत्रुं  
हन्तुं शक्नुवन्ति।

3. रिक्तस्थानपूर्ति

(क) उज्जयिनी

(ख) मा कुरु

(ग) नास्ति

(घ) हिन्दीभाषायाः

(ङ) राज्यपालाः

(च) करणीयम्

(छ) पङ्के

4. विलोमानि लिखत

(क) विरलम्

(ख) प्रकाशः

(ग) अपकर्षस्य

(घ) विषम्

(ङ) दोषेषु

(च) शत्रुः।

5. समानार्थक पदानि लिखत

(क) मतिः

(ख) पथप्रदर्शनम्

(ग) कुसुमानि (सुमनानि)

(घ) शूरः

(ङ) राजा

(च) महासागरः।

6. सन्धिविच्छेदम्

| क्रम | पद           | सन्धिविच्छेद   | सन्धि नाम      |
|------|--------------|----------------|----------------|
| (क)  | बालकोऽजायत   | बालको + अजायत  | पूर्वरूप सन्धि |
| (ख)  | वर्द्धिताश्च | वर्द्धिताः + च | विसर्ग सन्धि   |
| (ग)  | अत्रैव       | अत्र + एव      | वृद्धि सन्धि   |
| (घ)  | अद्यावधिः    | अद्य + अवधि    | दीर्घ सन्धि    |
| (ङ)  | एवाकर्म      | एव + अकर्म     | दीर्घ सन्धि    |

7. समासविग्रह

| क्रम | पद                | विग्रह                | नाम समास       |
|------|-------------------|-----------------------|----------------|
| (क)  | परोपकारः          | परेषाम् उपकारः        | षष्ठी तत्पुरुष |
| (ख)  | पर्यावरणविज्ञानम् | पर्यावरणस्य विज्ञानम् | षष्ठी तत्पुरुष |
| (ग)  | धनाभावेन          | धनस्य अभावेन          | षष्ठी तत्पुरुष |
| (घ)  | क्षीरविवर्जिताः   | क्षीरात् विवर्जिताः   | पंचमी तत्पुरुष |
| (ङ)  | शिल्पकार्यम्      | शिल्पस्य कार्यम्      | षष्ठी तत्पुरुष |
| (च)  | गणतन्त्रदिवसः     | गणतन्त्रस्य दिवसः     | षष्ठी तत्पुरुष |

## 8. उचितं मेलयत

| क्रम | अ                     | ब                   |
|------|-----------------------|---------------------|
| (क)  | ऐक्यबलेन              | मत्तगजः मारितः      |
| (ख)  | राष्ट्रियं गीतम्      | वन्दे मातरम्        |
| (ग)  | राष्ट्रगानम्          | जनगणमनअधिनायक जय हे |
| (घ)  | आदित्यदासस्यपुत्रः    | वराहमिहिरः          |
| (ङ)  | गुणेषु क्रियतां यत्नः | किमाटोपैः प्रयोजनम् |

## 9. धातु-लकार-पुरुष-वचनानि लिखत

| क्रम | धातुरूप   | धातुः | लकार | पुरुष | वचनम्    |
|------|-----------|-------|------|-------|----------|
| (क)  | अस्ति     | अस्   | लट्  | प्रथम | एकवचनम्  |
| (ख)  | कुर्वन्ति | कृ    | लट्  | प्रथम | बहुवचनम् |
| (ग)  | आसन्      | अस्   | लङ्  | प्रथम | बहुवचनम् |
| (घ)  | वर्तते    | वृत्  | लट्  | प्रथम | एकवचनम्  |
| (ङ)  | भवन्ति    | भू    | लट्  | प्रथम | बहुवचनम् |
| (च)  | विद्यते   | विद्  | लट्  | प्रथम | एकवचनम्  |

## 10. मूलशब्द-विभक्ति-लिङ्ग वचनानि लिखत

| क्रम | शब्दरूप  | मूलशब्द | विभक्ति | लिङ्गम्     | वचनम्    |
|------|----------|---------|---------|-------------|----------|
| (क)  | ज्ञानम्  | ज्ञान   | प्रथमा  | नपुंसक      | एकवचनम्  |
| (ख)  | बालकः    | बालक    | प्रथमा  | पुंलिङ्ग    | एकवचनम्  |
| (ग)  | तस्मिन्  | तद्     | सप्तमी  | पुंलिङ्ग    | एकवचनम्  |
| (घ)  | वने      | वन      | सप्तमी  | नपुंसक      | एकवचनम्  |
| (ङ)  | घण्टाभिः | घण्टा   | तृतीया  | स्त्रीलिङ्ग | बहुवचनम् |
| (च)  | जलस्य    | जल      | षष्ठी   | नपुंसक      | एकवचनम्  |

## 11. गद्यं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत

(घ) केशवदासः हिन्दीभाषायाः कविः  
आसीत्।

(मम ..... अभवत्।)

अथवा

(अस्ति ..... कृतवान्।)

(क) मम परिसरे एकम् उद्यानम् अस्ति।

(क) कपित्थ नाम ग्रामः उज्जयिन्याः निकटे  
अस्ति।

(ख) विविधवर्णानि पुष्पाणि पर्यटकानां  
चित्तं मोदयन्ते।

(ग) सर्वाधिकं निर्माणकार्यं महाराजवीरसिंह  
प्रथमस्य शासने अभवत्।

(ख) आदित्यदासस्य पुत्रस्य नाम  
वराहमिहिरः आसीत्।

**12** संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

- (ग) वराहमिहिरस्य जन्म 499 ख्रिष्टाब्दे  
अभवत्।  
(घ) वराहमिहिरः आर्यभटात् खगोलशास्त्र  
एव अध्ययनम् अकरोत्

**12. पद्यं पठित्वा उत्तराणि लिखत।**

(उद्योगे ..... भयम्)

- (क) उद्योगे दारिद्र्यं नास्ति।  
(ख) जपतः पातकं नास्ति।  
(ग) मौने कलहः नास्ति।  
(घ) जागरिते भयं नास्ति।

अथवा

- (न भोगभवने ..... करणीयम्।)  
(क) भोगभवने न रमणीयम्।  
(ख) सुखशयने न शयनीयम्।

- (ग) अहर्निशं जागरणीयम्।  
(घ) लोकहितं मम करणीयम्।

**13. रिक्तस्थान पूर्ति**

- (क) रामकृष्णपरमहंसः (ख) कालज्ञः  
(ग) स्मरणीयम् (घ) भोगः  
(ङ) टीकमगढमण्डले।

**14. भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत**

- (क) परीक्षाफलम् (ख) हरिः  
(ग) दाडिमम् (घ) अतुलः  
(ङ) अश्वः

**15. उचित विकल्पं लिखत**

- (क) नरेन्द्रनाथः (ख) विषम्  
(ग) खगोलशास्त्री (घ) तरणीयम्।



अष्टमः पाठः

यक्ष प्रश्नाः

**1. एकपदेन उत्तरत**

- (क) माता (ख) पिता  
(ग) मनः (घ) सार्थः  
(ङ) भिषग्

**2. एकवाक्येन उत्तरत**

- (क) चिन्ता तृणात् बहुतरी।  
(ख) गृहे सतः भार्या मित्रम्।  
(ग) युधिष्ठिरस्य मातुः नाम कुन्ती  
आसीत्।  
(घ) दानं मित्रं मरिष्यतः।  
(ङ) नकुलस्य मातुः नाम माद्री आसीत्।  
(च) यमः सर्वेभ्यः जीवनं दत्तवान्।

**3. विभक्ति प्रयुज्य रिक्तस्थान पूरयत**

- (क) तृणात् (ख) भूमेः  
(ग) मनः (घ) मित्रं  
(ङ) आतुरस्य

**4. युग्मनिर्माणं कुरुत**

| क्रम | अ                | ब      |
|------|------------------|--------|
| (क)  | माता गुरुतरा     | भूमेः  |
| (ख)  | वातात् शीघ्रतरम् | मनः    |
| (ग)  | गृहे मित्रम्     | भार्या |
| (घ)  | तृणात् बहुतरी    | चिन्ता |
| (ङ)  | मरिष्यतः मित्रम् | दानम्  |
| (च)  | प्रवसतो मित्रम्  | सार्थः |

**5. समानार्थक पदानि लिखत**

- (क) भूमेः - पृथिव्याः  
(ख) वातात् - पवनात्  
(ग) आतुरस्य - रुग्णस्य  
(घ) तृणात् - घासम्  
(ङ) भ्रातृणाम् - बन्धुनाम्  
(च) मातृभ्याम् - जननीभ्याम्



नवमः पाठः  
वसन्तोत्सवः

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) ऋतुराजवसन्तस्य  
(ख) वृक्षेषु  
(ग) चित्तम्  
(घ) भगवत्याः सरस्वत्याः  
(ङ) सरस्वती।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) माघमासस्य शुक्लपक्षस्य पञ्चम्यां तिथौ ऋतुराजवसन्तस्य आगमन सूचना भवति।  
(ख) आप्तेषु मञ्जरी परितः भ्रमन्तः भ्रमराः दृश्यन्ते।  
(ग) तत्र आवाल वृद्ध परिणनाः प्रकाशितान् हस्तलिखितान् च ग्रन्थान् एकस्यां

पीठिकायां संस्थाप्य विविधैः उपचारैः शारदाम् अर्चयन्ति।

- (घ) एषः भारतीयानां उत्सवप्रियतायाः शास्त्रीयं सामाजिकं तथा वैज्ञानिकं चिन्तनम् अपि द्योतयति।  
(ङ) उत्तरभारते विहारप्रान्ते बङ्गालप्रान्ते तथा काश्मीर प्रदेशे सरस्वती पूजनं बहुमान्यम् अस्ति।

## 3. प्रश्न निर्माणं कुरुत

- (क) विविधैः पुष्पैः कस्य स्वागतं भवति ?  
(ख) केषाम् अपि पूजनम् भवति ?  
(ग) काम् अर्चयन्ति ?  
(घ) सौन्दर्यं कामयितुं किं भवति ?  
(ङ) श्रीपञ्चमीनाम्ना का ज्ञायते ?

## 4. अर्थानुसारं युग्मानि योजयत

| क्रम | (अ)                 | (ब)                    |
|------|---------------------|------------------------|
| (क)  | मञ्जरीं परितः       | भ्रमराः दृश्यन्ते।     |
| (ख)  | सरस्वतीं            | पूजयन्ति स्म।          |
| (ग)  | वसन्तपञ्चमी         | श्रीपञ्चमी।            |
| (घ)  | श्रावणपूर्णिमातः    | वसन्तपञ्चमी यावत्      |
| (ङ)  | प्रकृतेः सौन्दर्यम् | चरमोत्कर्षं प्राप्नोति |

## 5. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहं कुरुत :

|     |               |                   |                 |
|-----|---------------|-------------------|-----------------|
| (क) | सरस्वतीपूजनम् | सरस्वत्याः पूजनम् | षष्ठी तत्पुरुष  |
| (ख) | वसन्तसमये     | वसन्तस्य समये     | षष्ठी तत्पुरुष  |
| (ग) | प्राचीनकाले   | प्राचीने काले     | सप्तमी तत्पुरुष |
| (घ) | वसन्तोत्सवः   | वसन्तस्य उत्सवः   | षष्ठी तत्पुरुष  |

## 6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेदं कुरुत :

| क्रम | पदम्         | सन्धि विच्छेद   | नाम सन्धि    |
|------|--------------|-----------------|--------------|
| (क)  | चरमोत्कर्षम् | चरम + उत्कर्षम् | गुण सन्धि    |
| (ख)  | पुराणेष्वपि  | पुराणेषु + अपि  | यण सन्धि     |
| (ग)  | पूजनमपि      | पूजनम् + अपि    | व्यंजन सन्धि |
| (घ)  | सममेव        | समम् + एव       | व्यंजन सन्धि |

14 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

7. पाठात् पञ्च अव्ययानि चित्वा लिखत

(i) सर्वत्र

(ii) च

(iii) परितः

(iv) अपि

(v) वस्तुतः

दशमः पाठः

### आजादचन्द्रशेखरः

1. एकपदेन उत्तरत

(क) चन्द्रशेखर आजाद नगरे

(ख) अलीराजपुर मण्डले

(ग) जगरानी देवी

(घ) सीतारामः तिवारी

(ङ) संस्कृत भाषाम्

(ख) चन्द्रशेखरस्य अध्ययनं वाराणस्यां

एकस्मिन् संस्कृत विद्यालये अभवत्।

(ग) तेन हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिक

आर्मी इति संगठनं कृतम्।

(घ) भगतसिंह-राजगुरु-बटुकेश्वर-

शिवराम-सुखदेवः सदृशाः क्रान्ति-

कारिणः तस्य सहायकाः अभवन्।

2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) चन्द्रशेखरस्य जन्म 1906 ख्रिष्टाब्दे  
अभवत्।

(ङ) सः स्वहस्तेनैव स्वकीये मस्तके

गोलिकाप्रहारेण वीरगतिं प्राप्तवान्।

3. उचितं मेलयत

| क्रम | (अ)                          | (ब)            |
|------|------------------------------|----------------|
| (क)  | चन्द्रशेखर मूर्च्छितः        | वेत्र प्रहारैः |
| (ख)  | दण्डकाले चन्द्रशेखरः अधोषयत् | जयतु भारतम्    |
| (ग)  | काकोरी काण्डस्य शिरोमणिः     | चन्द्रशेखरः    |
| (घ)  | चन्द्रशेखरेण अधीतम्          | संस्कृतम्      |
| (ङ)  | चन्द्रशेखरः अयुद्धयत्        | नॉट बाबरेण सह  |

4. नामोल्लेखपूर्वकं समासविग्रहं कुरुत

| क्रम | समस्तपदम्        | विग्रहः              | नाम      |
|------|------------------|----------------------|----------|
| (क)  | संस्कृतविद्यालये | संस्कृतस्य विद्यालये | तत्पुरुष |
| (ख)  | पाषाणखण्डेन      | पाषाणस्य खण्डेन      | तत्पुरुष |
| (ग)  | निग्रहभयात्      | निग्रहस्य भयात्      | तत्पुरुष |
| (घ)  | वीरगतिम्         | वीरस्य गतिः          | तत्पुरुष |

5. वाक्यनिर्माणम् :

(क) त्वं विद्यालयं कदा गमिष्यसि ?

(ख) त्वम् अहं च श्वः नगरं गमिष्यसि ?

(ग) तस्य एव अनुजः अत्र पठति।

(घ) सः अपि श्वः अत्र आगमिष्यति।

(ङ) श्वः अहं विद्यालयं न गमिष्यामि।

### एकादशः पाठः सुभाषितानि

#### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) महताम् (ख) ताम्रः  
(ग) लोके (घ) उदारचरितानाम्  
(द) फलानि

क्षयमायाति।

- (ग) वृक्षाणां स्वभावः सत्पुरुषः इव भवति।

- (घ) धीराः न्यायात् पथः एक पदम् अपि न विचलन्ति।

#### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) उदिते अस्तंगते च सूर्यः रक्तः भवति।  
(ख) सञ्चयात् भारत्याः कोशः

- (ङ) लोके विद्या सुदुर्लभा अस्ति।

#### 3. सन्धि विच्छेदं कुरुत

- (क) कोशोऽयम् = कोशो + अयम् = पूर्वरूप सन्धि  
(ख) यथेष्टम् = यथा + इष्टम् = गुण सन्धि  
(ग) फलान्यपि = फलानि + अपि = यण सन्धि  
(घ) युगान्तरे = युग + अन्तरे = दीर्घ सन्धि

#### 4. श्लोकं पूरयत

विना वेदं विना गीतां, विना रामायणीं कथाम्।  
विना कविं कालिदासं, भारतं भारतं नहि॥

#### 6. शब्दैः वाक्यरचनां कुरुत

- (क) देवः - गुरुः ब्रह्मा गुरुः देवः  
महेश्वरः।

#### 5. उचितं मेलयत

(अ)

(ब)

- (क) उदये सविता ताम्रः  
(ख) अपूर्वः कोशः तव भारति  
(ग) विना वेदं भारतं हि भारतं  
(घ) न्यायात्पथः धीराः  
(ङ) शक्तिस्तत्र सुदुर्लभा

- (ख) व्ययतः - धनं व्ययतः वृद्धिमायाति।

- (ग) द्रुमः - एषः विशालः आम्र-द्रुमः।

- (घ) लक्ष्मीः - लक्ष्मी लोके चञ्चला।

- (ङ) फलानि - वृक्षः परार्थाय फलानि यच्छति।



### द्वादशः पाठः

### चित्रकूटम्

#### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) सतनामण्डले (ख) हरीतिमा  
(ग) मन्दाकिन्याः तटे (घ) हनुमान्धारा  
(ङ) चञ्चुप्रहारम्

#### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) प्राकृतसौन्दर्यसम्पन्नः स्थलम् अस्ति।  
(ख) अत्र कलनाद पूरिताः निर्झराः सन्ति।  
(ग) लङ्कादहनान्तरं रामाज्ञया हनुमान् अत्रैव शीतलत्वं प्राप्तवान् अतः एतस्य नाम हनुमान् धारा इति कथ्यते।

16 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

- (घ) चित्रकूटे महात्मागान्धिग्रामोदयः (ख) एकादश वर्षाणि  
विश्व विद्यालयः अस्ति। (ग) नैसर्गिकेगुहे

3. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) विन्ध्यपर्वतमालायाः (घ) अनुसूयाश्रमः  
(ङ) मन्दाकिनी

4. उचितपदेन योजयत्

(अ) (ब)

- (क) चित्रकूटम् - सतनामण्डले  
(ख) जलप्रपातः - हनुमान्धारा  
(ग) नानाजीदेशमुखः - ग्रामोदयविश्वविद्यालयः  
(घ) आत्मज्ञानम् - महर्षिः अत्रिः

5. प्रश्ननिर्माणं कुरुत

- (ग) चित्रकूटे कीदृशानि वनानि सन्ति ?  
(क) चित्रकूटं कस्मिन् मण्डले अस्ति ? (घ) कस्मात् नातिदूरं जानकीकुण्डम् ?  
(ख) रामघट्टः कस्याः तटे अस्ति ? (ङ) चित्रकूटे कति नैसर्गिके गुहे स्तः ?

6. शब्द/धातुं प्रत्यय च लिखत

| क्रम | पद         | शब्द/धातु | प्रत्यय |
|------|------------|-----------|---------|
| (क)  | गन्तुम्    | गम्       | तुमुन्  |
| (ख)  | कृतवान्    | कृ        | क्तवतु  |
| (ग)  | आनेतुम्    | आ + नी    | तुमुन्  |
| (घ)  | चित्रकूटतः | चित्रकूट  | तसिल्   |
| (ङ)  | दर्शनीया   | दृश्      | अनीयर्  |

7. विभक्ति लिङ्ग वचनम् लिखत

| क्रम | पद        | विभक्ति       | लिङ्गम्     | वचनम्    |
|------|-----------|---------------|-------------|----------|
| (क)  | मण्डले    | सप्तमी        | नपुंसक      | एकवचनम्  |
| (ख)  | यात्रिकैः | तृतीया        | पुंलिङ्ग    | बहुवचनम् |
| (ग)  | मालायाः   | षष्ठी, पञ्चमी | स्त्रीलिङ्ग | एकवचनम्  |
| (घ)  | कामदगिरेः | षष्ठी, पञ्चमी | पुंलिङ्ग    | एकवचनम्  |
| (ङ)  | तपस्याम्  | सप्तमी        | स्त्रीलिङ्ग | एकवचनम्  |



त्रयोदशः पाठः  
आचार्योपदेशः

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) शिवराजः (ख) धर्मभयेन  
(ग) मोहावरणम् (घ) नियमेन  
(ङ) श्रीरामदासः

(ग) शिवराजस्य सहायतार्थं रामदासेन  
प्रति मठं राष्ट्रभावभाविताः शतशः  
युवगणाः निर्मातुं स्म ।

(घ) राष्ट्रभावभाविताः युवगणाः भाविरणे  
सहायकाः भविष्यन्ति ।

(ङ) शिवराजस्य अभीष्टं भगवती  
सम्पादयतु ।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) श्रीरामदासः शिवराजस्य गुरुः  
आसीत् ।

- (ख) दुष्कृतां हिंसनं साधूनां परित्राणं च  
क्षत्रियाणां परमधर्मः ।

## 3. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) धर्मभयेन (ख) पालयेत्  
(ग) निर्मीयन्ते (घ) द्वितीयं हृदय  
(ङ) भारतैकवीर !

## 4. सन्धिविच्छेदं कुरुत

| क्रम | पद              | सन्धिविच्छेद          |
|------|-----------------|-----------------------|
| (क)  | गमितोऽस्मि      | गमितो + अस्मि         |
| (ख)  | त्वमसि          | त्वम् + असि           |
| (ग)  | नृभिस्तथा       | नृभिः + तथा           |
| (घ)  | भगवतैवारब्धे    | भगवत् + एव + आरब्धे   |
| (ङ)  | भारतैकवीरः      | भारत + एक + वीरः      |
| (च)  | सम्प्रत्यपि     | सम्प्रति + अपि        |
| (छ)  | प्रतिष्ठेऽहम्   | प्रतिष्ठे + अहम्      |
| (ज)  | तवाभीष्टम्      | तव + अभीष्टम्         |
| (झ)  | योगोपचिताः      | योग + उपचिताः         |
| (ञ)  | राष्ट्रैकभक्तेः | राष्ट्र + एक + भक्तेः |

## 5. सन्धिं कुरुत

- (क) शंकरांशेनावतीर्णस्यः ।  
(ख) वर्णाश्रमेऽस्मिन् ।  
(ग) उन्मूल्य ।  
(घ) राष्ट्रोद्धरणोद्यमे ।  
(ङ) उदीक्ष्यते ।

धर्मान् सदाचारपरानतो नृपः ।

प्रजाहितज्ञो नियमेन पालयेत् ॥

## 7. संस्कृतेन भावार्थं लिखत

राष्ट्रभक्ताः व्यायामेन परिश्रान्ता योगेन  
प्राप्तशक्तिः विद्याषु कलासु रणनीतौ च  
विशारदा धर्मार्थयोः संस्कारिकाः युद्धेते  
सहायकाः भविष्यन्ति ।

## 6. श्लोकं पूरयत

वृत्तं यथा धर्मभयेन रक्ष्यते ।  
नृभिस्तथा नैव नरेन्द्रशासनात् ।

## 8. शब्दानाधृत्य वाक्य रचनां कुरुत

- (क) दिष्ट्या — दिष्ट्या तव दर्शनम्  
अभवत् ।

18 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

- (ख) सदाचारः — मानवस्य सदाचारः सर्वत्र पूज्यते।  
 (ग) परित्राणम् — साधूनां परित्राणं नृपाणां धर्मः।  
 (घ) धर्मशासनम् — भयेन भवति धर्मशासनम्।  
 (ङ) राष्ट्रियभावना — राष्ट्रियभावना भाविताः जना सहायकाः भविष्यन्ति।

9. अर्थानुसारं युग्म निर्माणं कुरु

(अ) (ब)

- (क) साधूनाम् रक्षणम्

- (ख) शिवराजः श्रीरामदासः  
 (ग) दुष्कृताम् हिंसनम्  
 (घ) धर्मभयेन रक्षयन्ते  
 (ङ) सम्पादयतु तवाभीष्टम्

10. विलोमपदानि लिखत

- (क) मया — त्वया  
 (ख) निवृत्तम् — आरब्धम्  
 (ग) तव — मम  
 (घ) उत्थानं — पतनम्  
 (ङ) अस्मिन् — तस्मिन्।



चतुर्दशः पाठः

देवी अहिल्या

अभ्यास प्रश्ना

1. एकपदेन उत्तरत—

- (क) चौण्डीग्रामः  
 (ख) बहुमुखिप्रतिभासम्पन्नम्  
 (ग) इन्दौरनगरे  
 (घ) सहस्रार्जुनस्य  
 (ङ) अहिल्याबाई।

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) मालवक्षेत्रे लेखनप्रतियोगितायाः अहिल्यायाः प्रजावात्सल्यम् इति विषयम् अधिकृत्य आसीत्।  
 (ख) अहिल्याबाई ख्रीस्ताब्दे 1725 तमे वर्षे मईमासस्य 31 दिनाङ्के जन्म अलभत।  
 (ग) अहिल्याबाई बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न आसीत्।  
 (घ) रामायण-महाभारत प्रबन्धयोः बौद्ध जैन धर्मग्रन्थेषु अपि माहेश्वरस्य उल्लेखो वर्तते।  
 (ङ) सा धर्मार्थकाममोक्षेषु निरता सदा राजते।

3. प्रश्ननिर्माणम् कुरुत

- (क) अहं कुतः आगच्छामि ?  
 (ख) अहिल्याबाई कस्य पत्नी आसीत् ?  
 (ग) कुत्र (कस्मिन् काव्ये) माहिष्मती वर्णनम् अस्ति ?  
 (घ) अहिल्यायाः विद्याप्रीतिः कीदृशी आसीत्।  
 (ङ) कया निर्मिता माहिष्मती ?

4. समुचित मेलनं कुरुत

(अ) (ब)

- (अ) शङ्कर-मण्डनमिश्रयोः शास्त्रचर्चा - महेश्वर स्थाने  
 (ख) सर्वसहा - अहिल्याबाई  
 (ग) अवन्तिका - उज्जयिनी  
 (घ) रघुवंशम् - कालिदासरचितम्  
 (ङ) इन्दौरनगरे - राजवाड़ा

## 5. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) आगच्छति (ख) महेश्वरः  
(ग) प्रेक्षणीयम्

## 6. भिन्न शब्दं चिनुत

- (क) मित्रम् (ख) समागत्य  
(ग) हिमालयः (घ) द्रोणः  
(ङ) कालिदासः

## विविध प्रश्नावलि-2

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) माता (ख) भिषग्  
(ग) वसन्तस्य (घ) शारदायाः  
(ङ) चन्द्रशेखरआजादनगरे  
(च) संस्कृत भाषाम्  
(छ) ताम्रः (ज) लोके  
(झ) चञ्चु-आघातम्  
(ञ) हनुमान्धारा  
(ट) शिववीरः  
(ठ) बहुमुखि-प्रतिभासम्पन्नम्  
(ड) सहस्रबाहु अर्जुनस्य।

## 2. एक वाक्येन उत्तरत

- (क) युधिष्ठिरस्य मातुः नाम कुन्ती आसीत्।  
(ख) सर्वान् भ्रातृन् मोचयत्।  
(ग) वसन्तपञ्चमी वसन्तस्य आगमनं सूचयति।  
(घ) हस्तलिखितान् प्रकाशितान् च ग्रन्थान् एकस्यां पीठिकायां संस्थाप्य विविधैः उपचारैः शारदाम् अर्चयन्ति।  
(ङ) स्वाधीनता आन्दोलने भगतसिंह-राजगुरु-बटुकेश्वर-शिवराम सुखदेव सदृशाः क्रान्तिकारिणः तस्य सहायकाः अभवन्।  
(च) स्वहस्तेनैव स्वकीये मस्तके गोलिका प्रहारेण सः वीरगतिं प्राप्तवान्।  
(छ) वृक्षाणां स्वभावः सत्पुरुषाः इव।  
(ज) न्यायात् पथः पदमेकं न विचलन्ति धीराः।

(झ) श्रीरामचन्द्रस्याज्ञाया हनुमान् अत्र स्नानम् अकरोत्।

(ञ) कलकलनादपूरिताः निर्झराः वर्तन्ते।  
(ट) तव सर्वत्र अप्रतिहतविजयो भव इति शिवराजस्य गुरुः आशीः प्रदत्ता।

(ठ) शिवराजस्य गुरुः श्रीरामदासः आसीत्।

(ड) अहिल्याबाई बहुमुखि-प्रतिभा सम्पन्न महिला आसीत्।

(ढ) अहिल्याबाई ख्रिष्टाब्दे 1725 तमे वर्षे मई मासस्य एकत्रिंशे दिनाङ्के जन्म अलभत।

## 3. प्रश्न निर्माणं कुरुत

- (क) उदायास्तसमये कः ताम्रवर्णः भवति ?  
(ख) वृक्षाः केभ्यः छायां कुर्वन्ति ?  
(ग) न्याय्यात्पथः पदं के न विचलन्ति ?  
(घ) वर्जयेत् कीदृशं मित्रम् ?  
(ङ) कै ऋतुराजस्य स्वागतं भवति ?  
(च) केषाम् अपि पूजनं भवति ?  
(छ) काम् अर्चयन्ति ?  
(ज) रामघट्टः कस्याः तटे अस्ति ?  
(झ) सः कदा विद्यालयं गच्छति ?  
(ञ) एषः कस्य अग्रजः अस्ति ?  
(ट) चित्रकूटं कस्मिन् मण्डले अस्ति ?  
(ठ) अहं कुतः आगच्छामि ?  
(ड) केन निर्मिता माहिष्मती ?  
(ढ) कुत्र माहिष्मतीवर्णनम् अस्ति ?

## 4. रिक्त स्थान पूर्ति

- (क) माता भूमेः गुरुतरा अस्ति।  
(ख) आतुरस्य भिषङ्मित्रं भवति।  
(ग) वसन्तपञ्चमी श्रीपञ्चमी नाम्ना अपि ज्ञायते।  
(घ) चन्द्रशेखरस्य पितुः नाम सीतारामः आसीत्।  
(ङ) चित्रकूटे रामचन्द्रः एकादशवर्षाणि यावत् निवासं कृतवान्।

20 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

(च) भवान् कुतः आगच्छति।

(घ) न मुक्तिः ज्ञानं विना।

(छ) राजवाड़ास्थानं प्रेक्षणीयम् वर्तते।

(ङ) अत्र कः वसति?

5. अव्ययै वाक्यानि रचयत्

(च) अद्य अहं विद्यालयं विलम्बेन गमिष्यामि।

(क) त्वं कदा आगमिष्यसि?

(छ) सः तु इतः गतः।

(ख) अहं त्वं च अत्रैव स्थास्यावः।

(ग) तत्र वृक्षे अनेके वानराः तिष्ठन्ति।

6. नामोल्लेख पूर्वकं सन्धि विच्छेद कुरुत

| क्रम | सन्धि-विच्छेदः | सन्धि शब्दः  | सन्धि नाम    |
|------|----------------|--------------|--------------|
| (क)  | शक्तिः + तत्र  | शक्तिश्चतत्र | विसर्ग सन्धि |
| (ख)  | षट् + एते      | षडेते        | हल् सन्धि    |
| (ग)  | अत्र + एव      | अत्रैव       | वृद्धि सन्धि |
| (घ)  | किम् + अर्थम्  | किमर्थम्     | हल् सन्धि    |
| (ङ)  | कालात् + एव    | कालादेव      | हल् सन्धि    |
| (च)  | अहः + निशम्    | अहर्निशम्    | विसर्ग सन्धि |
| (छ)  | खादन् + अपि    | खादन्नपि     | हल् सन्धि    |

7. लकार परिवर्तनं कुरुत

| क्रम | लट्     | लोट्    |
|------|---------|---------|
| (क)  | रक्षति  | रक्षतु  |
| (ख)  | रक्षानि | रक्षाणि |
| (ग)  | गच्छसि  | गच्छ    |
| (घ)  | गच्छामः | गच्छाम  |
| (ङ)  | पिबन्ति | पिबन्तु |
| (च)  | पिबथ    | पिबत    |
| (छ)  | शृणुथः  | शृणुतम् |
| (ज)  | याचतः   | याचताम् |
| (झ)  | स्मरामः | स्मराम  |
| (ञ)  | पचन्ति  | पचन्तु  |

8. उचितं मेलयत

| क्रम | (अ)                              | (ब)               |
|------|----------------------------------|-------------------|
| (क)  | मरिष्यतः मित्रम्                 | दानम्             |
| (ख)  | गृहे मित्रम्                     | भार्या            |
| (ग)  | मञ्जरीं परितः                    | भ्रमराः दृश्यन्ते |
| (घ)  | चन्द्रशेखरेण अधीतम्              | संस्कृतम्         |
| (ङ)  | सर्वाः                           | विद्याः           |
| (च)  | चन्द्रशेखरः मूर्च्छित            | वेत्रप्रहारैः     |
| (छ)  | शङ्कर-मण्डनमिश्रयोः शास्त्रचर्चा | महेश्वरस्थाने     |
| (ज)  | इन्दौरनगरे                       | राजवाड़ा          |

## 9. वाक्यपूर्ति

(क) उद्यमं साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः  
पराक्रमः।

षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः सहायकः॥

(ख) उदये सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति  
च।

तथा सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेक-  
रूपता॥

## 10. गद्यं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत

(प्राचीनकाले ..... भवति।)

(क) ज्ञानयज्ञतपस्वरूपां सरस्वतीं जनाः  
पूजयन्ति स्म।

(ख) अधुना अपि सम्पूर्णे देशे आध्यात्मिक  
जिज्ञासया अस्मिन् दिने जनाः ज्ञानस्य  
अधिष्ठात्री शारदां पूजयन्ति।

(ग) वसन्तोत्सवः वस्तुतः सांस्कृतिकः  
उत्सवः अस्ति।

(घ) वैदिककालाद् एव सरस्वत्याः  
उपासना भवति।

अथवा

(अङ्केशः ..... आसीत्।)

(क) उज्जयिन्याः अपरं नाम अवन्तिका  
अस्ति।

(ख) माहेश्वरस्य अपरं नाम माहिष्मती  
अस्ति।

(ग) सहस्रार्जुनः अनूपदेशस्य नृपः आसीत्।

(घ) सहस्रार्जुनस्य राजधानी महेश्वरनगरे  
आसीत्।

## 11. पद्यं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत

(उदये ..... एकरूपता)।

(क) उदये सवितुः वर्णः ताम्रः भवति।

(ख) अस्तङ्गते सवितुः वर्णः ताम्रः भवति।

(ग) सम्पत्तौ विपत्तौ च महताम् एकरूपता।

(घ) 'उदये' इति पदे सप्तमी विभक्ति  
एकवचनम् अस्ति।

अथवा

(माता ..... तृणात्।)

(क) भूमेः गुरुतरा माता।

(ख) पिता खात् (आकाशात्) उच्चतरः।

(ग) वातात् शीघ्रतरं मनः भवति।

(घ) तृणात् अपि बहुतरी चिन्ता भवति।

## 12. उचित विकल्पं चित्वा लिखत

(क) माघमासे

(ख) जुलाई मासे

(ग) एकरूपता

(घ) व्यञ्जनसन्धिः

(ङ) तत्पुरुषसमासः

(च) खण्डेरावः।



पञ्चदशपाठः

कूट श्लोकाः

## 1. एकपदेन उत्तरत—

(क) सूचिका

(ख) लेखिन्या

(ग) कृष्णः

(घ) शीतम्

(ङ) एकोना विंशति (एकोनविंशतिः)

(च) सिंहः

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

(क) कृष्णमुखी द्विजिह्वा पञ्चभर्त्री  
पण्डिता च भवति लेखनी।

(ख) सूची एकचक्षुः बिलमनुविशति क्षीयते  
वर्धते च।

22 संस्कृत, कक्षा 8 उत्तरमाला

- (ग) शीतल वाहिनी गङ्गा।  
 (घ) कम्बलवन्त मनुष्यं शीतं न बाधते।  
 (ङ) नर्मदायाः विंशतिः स्त्रियः पुनरायाताः।  
 (च) शंकरं पतितं दृष्ट्वा पार्वती हर्षनिर्भरा अभवत्।

3. युग्ममेलनं कुरुत

| क्रम | (अ)                   | (ब)         |
|------|-----------------------|-------------|
| (क)  | कंसं जघान             | कृष्णः      |
| (ख)  | शीतल वाहिनी           | गङ्गा       |
| (ग)  | लोकः नाथः यस्य सः     | भिक्षुकः    |
| (घ)  | कातर युद्धे कुर्यात्  | पलायनम्     |
| (ङ)  | लोकस्य नाथः           | राजा        |
| (च)  | शीतं न बाधते          | कम्बलवन्तम् |
| (छ)  | कस्तूरी कस्मात् जायते | मृगात्      |

4. रिक्त स्थान पूर्ति

- (क) कृष्णः  
 (ख) न बाधते  
 (ग) कर्मधारय

- (घ) शङ्करम्  
 (ङ) अव्ययीभावः

5. द्वयर्थकशब्दानां अर्थम्

|                   |                |
|-------------------|----------------|
| (क) शङ्करम्       | चन्दनवृक्षः    |
| (ख) द्वन्द्वः     | कलहः           |
| (ग) बहुव्रीहिः    | धनयुक्तः       |
| (घ) कम्बलवन्तम्   | कम्बलयुक्तं    |
| (ङ) लोकनाथः       | भिक्षुक        |
| (च) अव्ययीभावः    | धनाभावः        |
| (छ) द्विगुः       | दम्पतिः        |
| (ज) कर्मधारय      | कर्म कुरु      |
| (झ) एको ना विंशति | एक नरः         |
|                   | विंशतिस्त्रियः |
| (ञ) पञ्चभर्त्री   | पञ्च अङ्गुल्यः |



षोडशः पाठः

कवित्वं कालिदासस्य

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) नाटकम् (ख) भरतः  
 (ग) सप्त (घ) कालिदासः  
 (ङ) नवदश (च) त्रीणि।

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) कालिदासेन विरचितानां नाटकानाम्  
 नामानि अभिज्ञानशाकुन्तलम्  
 मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयं  
 च।  
 (ख) दुष्यन्त-शकुन्तलयोः पुत्रस्य भरतस्य  
 नाम्ना अस्माकं देशस्य नाम  
 'भारतवर्षम्' इति प्रसिद्धम्।

- (ग) ऋतुसंहारे षड्ऋतूणां प्राकृतिकं  
 सौन्दर्यवर्णनम् अस्ति।  
 (घ) रघुवंशमहाकाव्यम् कुमारसम्भवम्  
 इति कालिदासस्य द्वे महाकाव्ये।  
 (ङ) तेन मेघदूतम् ऋतुसंहारञ्च द्वे  
 खण्डकालो विरचिते।  
 (च) देवप्रबोधिण्या कालिदासमहोत्सवः  
 विशिष्टः रूपेण आयोज्यते।

3. रिक्त स्थान पूर्ति

- (क) प्रकृतिहिताय (ख) सर्वत्र  
 (ग) भद्राणि (घ) नाटकं  
 (ङ) अनामिका।

## 4. उचित योजयत

(अ)

(ब)

|                                 |                     |
|---------------------------------|---------------------|
| (क) सर्वश्रेष्ठनाटकम्           | अभिज्ञानशाकुन्तलम्  |
| (ख) महाकाव्यम्                  | कुमारसम्भवम्        |
| (ग) खण्डकाव्यम्                 | ऋतुसंहारम्          |
| (घ) दूतरूपेण मेघस्य यात्रारम्भः | रामगिरितः           |
| (ङ) पुरुरवा इत्यस्य वर्णनम्     | विक्रमोर्वशीयेनाटके |
| (च) सर्वः सर्वत्र               | नन्दन्तु            |

## 5. शुद्धाशुद्धानां स्थाने क्रमशः 'आम्' 'न' वा लिखत्

|         |         |
|---------|---------|
| (क) आम् | (ख) न   |
| (ग) न   | (घ) आम् |
| (ङ) न   | (च) आम् |
| (छ) आम् | (ज) न   |
| (झ) न   | (ञ) न।  |

## 6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेदं कुरुत

|                  |                 |                |
|------------------|-----------------|----------------|
| (क) चेति         | च + इति         | गुण सन्धि      |
| (ख) कविरस्ति     | कविः + अस्ति    | विसर्ग सन्धि   |
| (ग) नाटकेऽस्मिन् | नाटके + अस्मिन् | पूर्वरूप सन्धि |
| (घ) अद्यापि      | अद्य + अपि      | दीर्घ सन्धि    |
| (ङ) सर्वस्तरतु   | सर्वः + तरतु    | व्यंजन सन्धि   |
| (च) सत्यमेव      | सत्यम् + एव     | व्यंजन सन्धि   |

## 7. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहं कुरुत

|                     |                     |                 |
|---------------------|---------------------|-----------------|
| (क) वर्णनशैली       | वर्णनस्य शैली       | षष्ठी तत्पुरुष  |
| (ख) शास्त्रपारङ्गतः | शास्त्रेषु पारङ्गतः | सप्तमी तत्पुरुष |
| (ग) कालिदासमहोत्सवः | कालिदासस्य महोत्सवः | षष्ठी तत्पुरुष  |
| (घ) साहित्योपासकाः  | साहित्यस्य उपासकाः  | षष्ठी तत्पुरुष  |
| (ङ) गणनाप्रसङ्गे    | गणनायाः प्रसङ्गे    | षष्ठी तत्पुरुष  |

## 8. प्रश्न निर्माणम्

- (क) कस्य उपमा विश्वप्रसिद्धा ?  
 (ख) केन मेघदूतं विरचितम् ?  
 (ग) कः सर्वश्रेष्ठ कविरस्ति ?  
 (घ) कः दूतरूपेण अलकापुरीं गच्छति ।  
 (ङ) यक्षव्याजेन कः आत्मव्यथां प्रस्तुतवान् ।



### सप्तदश पाठः सत्कर्म एव धर्मः

#### 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) मरणासन्नं रुग्णम्  
(ख) वनम्  
(ग) राज्ञः  
(घ) यमलोकस्य  
(ङ) चित्रगुप्तस्य  
(च) उज्जयिनीम्।

#### 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) राजन्! भवान् तु राजधर्मस्य पालनं करोतु। धर्मानुकूलं गमनम् अपि धर्मः एव भवति।  
(ख) कर्मणः स्थानं भिन्नः परञ्च तपस्या स्वर्गं प्राप्तेः साधनम्।  
(ग) सः ज्ञातवान् यत् सदाचार एव तपस्या, सत्कर्मः एव धर्मः।  
(घ) सः लोके सत्कर्मणा प्रसिद्धः।

#### 5. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहं कुरुत

- (क) ध्येयवाक्यम् ध्येयाय वाक्यम्  
(ख) तपस्यारतः तपस्यां रतः  
(ग) प्रजापालकः प्रजायाः पालनम्  
(घ) योगबलेन योगस्य बलेन  
(ङ) श्रेष्ठाचरणेन श्रेष्ठानाम् आचरणेन

#### 6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेद

- (क) धर्मानुकूलम् धर्म + अनुकूलम्  
(ख) नेति न + इति  
(ग) सदाचारः सत् + आचारः  
(घ) अद्यापि अद्य + अपि  
(ङ) विक्रमादित्यः विक्रम + आदित्यः

(ङ) तस्य ध्येय वाक्यम् आसीत् 'सत्कर्म एव धर्मः।'।

(च) मरणासन्नेन रुग्णेन तस्य मनसि वैराग्यं उद्भूतम्।

(छ) लोके सत्कर्मः एव करणीयम्।

#### 3. रिक्तस्थानानि पूरयत

- (क) महात्मा (ख) स्वर्गप्राप्तेः  
(ग) दूतान् (घ) तपस्याम्  
(ङ) राज्ञाम्।

#### 4. उचितं योजयत

- | (क)                               | (ख)              |
|-----------------------------------|------------------|
| (क) सदाचार एव                     | तपस्या           |
| (ख) महात्मा उपदिष्टवान्           | विक्रमादित्यम्   |
| (ग) तपसा                          | परलोकः           |
|                                   | साध्यते          |
| (घ) विक्रमादित्यस्य ध्येय वाक्यम् | सत्कर्म एव धर्मः |
| (ङ) सत्कर्म एव                    | धर्मः            |

चुर्थी तत्पुरुष समास

सप्तमी तत्पुरुष समास

षष्ठी तत्पुरुष समास

षष्ठी तत्पुरुष समास

षष्ठी तत्पुरुष समास

दीर्घ सन्धिः

गुण सन्धिः

हल् सन्धिः

दीर्घ सन्धिः

दीर्घ सन्धिः

## 7. प्रश्ननिर्माणं कुरुत

- (क) कः अवदत् ?  
 (ख) तपस्या केषां कर्म इति ?  
 (ग) कुत्र यमलोकस्य दृश्यं दर्शितवान् ?  
 (घ) यमराजः कान् पृच्छति ?  
 (ङ) कस्य धर्मः प्रजापालनम् ?



## अष्टादशः पाठः

## प्रियदर्शिनी इन्दिरा

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) ऊर्जस्वलानि  
 (ख) इङ्गलैण्डदेशे  
 (ग) दूरदर्शिनीम् ऊर्जस्वलाम्  
 (घ) बांग्लादेशम्  
 (ङ) दरिद्रतामपनय ।  
 2. (क) दिवङ्गतापि सा देवी अस्माकं कृते  
 वर्तमानेवेवास्ति ।  
 (ख) इन्दिरायाः जन्म 1917 तमे ख्रिष्टाब्दे  
 अभवत् ।  
 (ग) इन्दिरायाः जन्म प्रयागनगरे अभवत् ।

- (घ) जवाहरलालनेहरूः स्वतन्त्रतायै  
 आन्दोलनं कुर्वन् कारागारम्  
 अगच्छत् ।  
 (ङ) तस्याः समाधिस्थलं 'शक्तिस्थलम्'  
 इति नाम्ना प्रसिद्धम् अस्ति ।

## 3. रिक्त स्थानपूर्ति

- (क) जवाहरलालनेहरूः  
 (ख) राष्ट्रीयः नेतारः  
 (ग) वानरसेना इति  
 (घ) भारतस्य  
 (ङ) शान्तिदूर्ती ।

## 4. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहं कुरुत

- |                    |                    |                     |
|--------------------|--------------------|---------------------|
| (क) पुष्पमालाः     | पुष्पाणां मालाः    | षष्ठी तत्पुरुष समास |
| (ख) देशभक्तेः      | देशस्य भक्ते       | षष्ठी तत्पुरुष समास |
| (ग) सीमानिर्धारणम् | सीमायाः निर्धारणम् | षष्ठी तत्पुरुष समास |
| (घ) वीरगतिम्       | वीरस्य गतिम्       | षष्ठी तत्पुरुष समास |

## 5. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेदं कुरुत

- |                          |                          |              |
|--------------------------|--------------------------|--------------|
| (क) दर्शनमनेकधा          | दर्शनम् + अनेकधा         | व्यंजन सन्धि |
| (ख) स्वतन्त्रतान्दोलनस्य | स्वतन्त्रता + आन्दोलनस्य | दीर्घ सन्धि  |
| (ग) तत्रागच्छन्          | तत्र + आगच्छन्           | दीर्घ सन्धि  |
| (घ) दरिद्रतामपनय         | दरिद्रताम् + अपनय        | व्यंजन सन्धि |
| (ङ) द्रष्टुमैच्छत्       | द्रष्टुम् + ऐच्छत्       | व्यंजन सन्धि |

## 6. वाक्यरचनां कुरुत

- (क) कृते — सः अध्ययनस्य कृते तत्र वसति ।  
 (ख) समाप्य — कार्य समाप्य सः शीघ्रम् एव गृहम् आगच्छत् ।  
 (ग) कुर्वन् — सः अध्ययनं कुर्वन् अपि गृहकार्यं करोति ।  
 (घ) सह — रामेण सह सीता लक्ष्मणौ अपि वनम् अगच्छन् ।  
 (ङ) अङ्गीकृत्य — ब्राह्मणः भोजनम् अङ्गीकृत्य गतः ।

7. उचितं योजयत

(क) (ख)

- (क) इन्दिरायाः जन्म प्रयागनगरे  
(ख) इन्दिरायाः पतिः फीरोजगान्धिः  
(ग) इन्दिरायाः माता कमलानेहरूः  
(घ) इन्दिरायाः पिता जवाहरलाल नेहरूः  
(ङ) बालकानां संघटना वानरसेना

8. इन्दिरागान्धि विषये दशवाक्यानि

- (i) श्रीमती इन्दिरागान्धिः भारतस्य प्रधानमन्त्री आसीत्।  
एष पूर्वप्रधानमन्त्रिणः पं. जवाहर लालनेहरोः पुत्री आसीत्।  
(ii) इन्दिरा प्रियदर्शिनी अति ऊर्जावती नारी आसीत्।  
(iii) अस्याः जन्म प्रयागनगरे 1917 तमे ख्रिष्टाब्दे अभवत्।

- (iv) अस्याः मातुः नाम कमलानेहरू आसीत्।  
(v) इन्दिरायाः अध्ययनं पूनानगरे शान्ति निकेतने, इङ्गलैण्डदेशे च अभवत्।  
(vi) पिता जवाहरलालनेहरू स्वतन्त्रता सेनानी आसीत्।  
(vii) गृहस्य वातावरणं विलोक्य सापि तथैव अभवत्।  
(viii) यदा सा प्रधानमन्त्री आसीत् तदा एव बांग्लादेशस्य प्रादुर्भाव सहायताम् अकरोत्।  
(ix) एकाकी एव चलतु इति तस्योदघोषः आसीत्।  
(x) हा हन्त, सा स्वकीयै रक्षकैः एव गुल्लिका प्रहारेण हताः?

9. भिन्नप्रकृति शब्दं चिनुत

- (क) पार्वती (ख) चैत्रमासः  
(ग) वानरसेना (घ) महामन्त्री।



एकोनविंश पाठः

हट्ट भ्रमणम्

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) गिरिराजनायकः (ख) मेलखेड़ाग्रामे  
(ग) मङ्गलवासरे (घ) वृक्षच्छायायाम्  
(ङ) ग्रामीणाः

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) ग्रामं परितः लघु-लघु ग्रामाः सन्ति।  
(ख) आलुर्कं, पलाण्डु, कूष्माण्ड, शिम्बाम् मूलिका च।  
(ग) गोधूमाः चणकाः, यवाः तण्डुलाः द्विदलानि च।  
(घ) ग्रामीणाः परस्पर मिलित्वा मुदिताः भवन्ति।  
(ङ) हट्टस्थाने जम्बूः कदम्बः, वटः, पिप्पलस्य च वृक्षाः सन्ति।

3. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) स्वग्रामम्  
(ख) ग्राम्य जीवनम्  
(ग) प्रतिमङ्गलवासरे  
(घ) चास्ति  
(ङ) सर्वे।

4. अर्थानुसारं योजयत

- (क) (ख)  
(क) प्रियः मित्र!  
(ख) आपणाः भवन्ति  
(ग) अत्रागच्छन्ति हट्टदिने  
(घ) हट्टः प्रतिमङ्गलवासरे  
(ङ) प्रणतिं समर्पय

## 5. मूलशब्द, विभक्ति, वचनं च लिखत

| क्रम | मूल पद  | मूल शब्द | विभक्ति  | वचनम्    |
|------|---------|----------|----------|----------|
| (क)  | आपणाः   | आपण      | प्रथमा   | बहुवचनम् |
| (ख)  | मित्रैः | मित्र    | तृतीया   | बहुवचनम् |
| (ग)  | जीवनस्य | जीवनम्   | षष्ठी    | एकवचनम्  |
| (घ)  | ग्रामे  | ग्राम    | सप्तमी   | एकवचनम्  |
| (ङ)  | मोदकम्  | मोदक     | द्वितीया | एकवचनम्  |

## 6. वाक्य प्रयोग

- (क) ह्यः — सुधांशु ह्यः अत्र आगमिष्यति ।  
 (ख) अत्र — अहम् अपि अत्र एव पठामि ।

- (ग) च — रामः च लक्ष्मण च राम लक्ष्मणौ ।  
 (घ) अपि — अहम् अपि तम् जानामि ।  
 (ङ) प्रति — सः मित्रं प्रति कथयति ।



## विंशः पाठः

## नर्मदा

## 1. एकपदेन उत्तरत—

- (क) नर्मदा  
 (ख) अमरकण्टकनामनः पर्वतात् ।  
 (ग) नर्मदायाः  
 (घ) अनूपपुरमण्डले  
 (ङ) अरबसागरे  
 (च) मण्डलेश्वरनगरे ।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) भेड़ाघाटनामके स्थाने हिण्डोरी मण्डले धूमधारजलप्रपातः अस्ति ।  
 (ख) सेठानीघाटस्थानं नर्मदापुरे अस्ति ।  
 (ग) अमलेश्वरः नाम ज्योतिर्लिङ्ग अस्ति ।  
 (घ) सरदारसरोवरबन्धः नर्मदा नद्याम् अस्ति ।  
 (ङ) बन्धैः विद्युत् उत्पादनम्, भूमिसेचनम्, जलपरिवहनम्, अभयारण्य निर्माणम्, पर्यटनस्थल निर्माणम् इत्यादयः विविधलाभाः भवन्ति ।

## 3. रिक्तस्थानपूर्ति

- (क) मेकलसुता  
 (ख) मध्यप्रदेशस्यः  
 (ग) ओंकारेश्वरनगरे  
 (घ) गोविन्दपादाचार्यः  
 (ङ) नर्मदायाम् ।

## 4. उचितं योजयत

- (क) महाराजपुरम् मण्डलानगरम्  
 (ख) नर्मदायाः विलयः अरबसागरे  
 (ग) गोविन्दपादाचार्यस्य आश्रमः ओङ्कारेश्वरनगरे  
 (घ) जाबालिपुरम् जबलपुरनगरम्  
 (ङ) धूमधारजल भेड़ाघाटस्थाने प्रपातः

## 5. शुद्धाशुद्ध च क्रमशः 'आम्' 'न' इति लिखत

- (क) आम् (ख) आम्  
 (ग) आम् (घ) न  
 (ङ) आम्

6. नामोल्लेखपूर्वकं सन्धि विच्छेदं कुरु

|                  |                 |               |
|------------------|-----------------|---------------|
| (क) गहनारण्येषु  | गहन + अरण्येषु  | दीर्घ सन्धिः  |
| (ख) अत्रैव       | अत्र + एव       | वृद्धि सन्धिः |
| (ग) अवलोकनार्थम् | अवलोकन + अर्थम् | दीर्घ सन्धिः  |
| (घ) इत्यादयः     | इति + आदयः      | यण् सन्धिः    |

7. नामोल्लेखपूर्वकं समास विग्रहम्

|                       |                       |                  |
|-----------------------|-----------------------|------------------|
| (क) अभयारण्यनिर्माणम् | अभयारण्यस्य निर्माणम् | षष्ठी तत्पुरुष   |
| (ख) देवालयाः          | देवेभ्यः आलयाः        | चतुर्थी तत्पुरुष |
| (ग) घण्टानादाः        | घण्टायाः नादाः        | षष्ठी तत्पुरुष   |
| (घ) भूमिसेवनम्        | भूमेः सेवनम्          | षष्ठी तत्पुरुष   |



एकविंशः पाठः

सूक्तयः

1. एकपदेन उत्तरत

- (क) विद्वान्
- (ख) विक्रमार्जितसत्त्वस्य
- (ग) ज्ञानात्
- (घ) शीलम्
- (ङ) महताम्

2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) लिङ्गं वयः वा पूजास्थानं न भवतः।
- (ख) हितं मनोहारि च वचः दुर्लभम्।
- (ग) गुरुणामाज्ञा हि अविचारणीया।
- (घ) न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत्।
- (ङ) महतां क्रियासिद्धिः सत्त्वे भवति नोपकरणे।

3. रिक्तस्थान पूर्ति

- (क) महताम् (ख) विद्वान्
- (ग) ज्ञानात् (घ) लिङ्गं, वयः
- (ङ) शीलम्।

4. विलोमपदानि पाठात् चित्वा लिखत

- (क) एकत्र - अनेकत्र
- (ख) दोषाः - गुणाः
- (ग) अस्ति - नास्ति
- (घ) अनेकरूपता - एकरूपता
- (ङ) दुःखम् - सुखम्

5. उचित मेलनम्

| (क)               | (ख)                |
|-------------------|--------------------|
| (क) शीलम्         | सर्वत्र वै धनम्    |
| (ख) गुणाः         | पूजास्थानम्        |
| (ग) क्रियासिद्धिः | महतां सत्त्वे भवति |
| (घ) रत्नम्        | मृग्यते            |
| (ङ) एकरूपता       | महताम्             |

6. शुद्धाशुद्धानां स्थाने क्रमशः 'आम्' 'न' वा लिखत

- (क) आम् (ख) न
- (ग) आम् (घ) न
- (ङ) आम्

## 7. संस्कृत वाक्येषु प्रयोग

- (क) गुणाः सर्वत्र पूज्यन्ते।
- (ख) मूर्खाय ज्ञानं दुर्लभम्।
- (ग) रत्नं मृग्यते अन्यैः।
- (घ) न मोक्षं ज्ञानात् विना।
- (ङ) सः एव माम् जानाति।

## 8. प्रश्ननिर्माणं कुरुत

- (क) कः सर्वत्र पूज्यते?
- (ख) के पूजास्थानम्?
- (ग) आज्ञा केषाम् हिऽ विचारणीया?
- (घ) नास्ति कस्मात् परं सुखम्?
- (ङ) का सत्त्वे भवति?

## विविधप्रश्नावलि:-3

## 1. एकपदेन उत्तरत

- (क) नाटकम्
- (ख) भरतः
- (ग) चित्रगुप्तस्य
- (घ) मरणासन्नं रुग्णम्
- (ङ) अमरकण्टकनाम्नः पर्वतात्
- (च) नर्मदायाः
- (छ) विद्वान्
- (ज) ज्ञानात्
- (झ) शीतम्
- (ञ) सिंहः
- (ट) मङ्गलवासरे
- (ठ) वृक्षच्छायायाम्
- (ड) ऊर्जस्वलानि
- (ढ) बाङ्गलादेशम्।

## 2. एकवाक्येन उत्तरत

- (क) शकुन्तलादुष्यन्तयो पुत्रस्य भरतस्य नाम्ना देशस्य नाम भारतवर्षम् अभवत्।
- (ख) कालिदासेन लिखितानि नाटकानि मालविकाग्निमित्रम् विक्रमोर्वशीयम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् च सन्ति।
- (ग) मनुष्येण तपसा एव परलोकः साध्यते कर्मणः स्थानं भिन्नम्।
- (घ) विक्रमादित्यः लोके सत्कर्मणा एव प्रसिद्धः।

- (ङ) धूमधारजलप्रपातः भेडाघाटः नामके स्थाने अस्ति।
- (च) बन्धैः विद्युत् उत्पादनम्, भूमिसेचनम्, जल परिवहनम्, अभयारण्य निर्माणम् पर्यटनस्थल निर्माणम् इत्यादयो विविध लाभाः भवन्ति।
- (छ) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।
- (ज) न रत्नमन्विषति मृग्यते हि तत्।
- (झ) शङ्करं पतितं दृष्ट्वा पार्वती हर्षनिर्भरा अभवत्।
- (ञ) काशी-तल-वाहिनी गङ्गा।
- (ट) आलुकम, पलाण्डु कूष्माण्डम् शिम्बाम्, मूलिकादीनि पञ्च शाकानि।
- (ठ) गोधूमाः चणकाः यवाः तण्डुलाः द्विदलाः च।
- (ड) इन्दिराप्रियदर्शिनी दिवङ्गतापि अस्माकं कृते वर्तमानेवास्ति।
- (ढ) इन्दिरायाः समाधिस्थलं शक्तिस्थलमिति नाम्ना ज्ञायते।

## 3. प्रश्ननिर्माणं कुरुत

- (क) कस्य उपमा विश्वप्रसिद्धा?
- (ख) केन मेघदूत विरचितम्?
- (ग) कः दूतरूपेण अलकापुरीं गच्छति?
- (घ) कुत्र यमलोकस्य दृश्यं दर्शितवान्?
- (ङ) यमराजः कान् पृच्छति?
- (च) कस्य धर्मः प्रजापालनम्?
- (छ) केषु नर्मदायाः वर्णनम् अस्ति?
- (ज) कः सर्वत्र पूज्यते?
- (झ) नास्ति कस्मात् परं सुखम्?

4. रिक्तस्थानानि पूरयत (ड) तपस्याम् (च) मेकलसुता  
(क) प्रकृतिहिताय (ख) सर्वत्र (छ) मध्यप्रदेशस्य (ज) शीलम्।  
(ग) भद्राणि (घ) महात्मा

5. उचित योजयत्

(क)

- (क) सर्वः सर्वत्र  
(ख) सर्वश्रेष्ठनाट्यम्  
(ग) विक्रमादित्यस्य ध्येयवाक्यम्  
(घ) नर्मदायाः मेलनम्  
(ङ) जाबलिपुरम्  
(च) गुणाः

(ख)

- नन्दन्तु  
अभिज्ञानशाकुन्तलम्  
सत्कर्म एव धर्मः  
अरबसागरे  
जबलपुरनगरम्  
पूजास्थानम्

6. 'आम्' 'न' वा लिखत

- (क) न (ख) आम् (ग) आम् (घ) न  
(ङ) न (च) आम्।

7. अपेक्षितं परिचयम्

| क्रम | पदम्      | मूल शब्दः | लिङ्गम्     | विभक्तिः | वचनम्    | अर्थः         |
|------|-----------|-----------|-------------|----------|----------|---------------|
| (क)  | नर्मदा    | नर्मदा    | स्त्रीलिङ्ग | प्रथमा   | एकवचनम्  | रेवानदी       |
| (ख)  | कालिदासः  | कालिदास   | पुल्लिङ्ग   | प्रथमा   | एकवचनम्  | कविकालिदास    |
| (ग)  | मेघदूतस्य | मेघदूत    | पुल्लिङ्ग   | षष्ठी    | एकवचनम्  | मेघदूत का     |
| (घ)  | नाटकेषु   | नाटक      | नपुंसकलिङ्ग | सप्तमी   | बहुवचनम् | नाटकों में    |
| (ङ)  | कवीनाम्   | कवि       | पुल्लिङ्ग   | षष्ठी    | बहुवचनम् | कवियों का/में |
| (च)  | राज्ञः    | राजन्     | पुल्लिङ्ग   | षष्ठी    | एकवचनम्  | राजा          |
| (छ)  | उत्तमानि  | उत्तम     | नपुंसक      | प्रथमा   | बहुवचनम् | उत्तमों में   |
| (ज)  | एषा       | एतद्      | स्त्रीलिङ्ग | प्रथमा   | एकवचनम्  | पद            |
| (झ)  | ज्ञानात्  | ज्ञान     | नपुंसक      | पञ्चमी   | एकवचनम्  | ज्ञान से      |
| (ञ)  | मुखे      | मुख       | नपुंसकलिङ्ग | सप्तमी   | एकवचनम्  | मुख में       |

8. भिन्न प्रकृति शब्दं चिनुत

- (क) मित्रम् (ख) धेनुम्  
(ग) कालिदासः (घ) मेघदूतम्  
(ङ) छात्रः।

9. गद्यं पठित्वा उत्तराणि लिखत

- (क) अनूपपुरमण्डले अमरकंटकं नाम पर्वतः अस्ति।  
(ख) नर्मदाः अमरकण्टकं पर्वतात् प्रादुर्भवति।  
(ग) डिण्डोरी मण्डले नर्मदा प्रविशति।

अथवा

- (क) मेघदूतम् ऋतुसंहारञ्च।  
(ख) मेघः यक्षस्य दूतः अभवत्।  
(ग) मेघः दूतरूपेण रामगिरितः अलकापुरीं गच्छति।

10. पद्यं पठित्वा उत्तराणि लिखत

- (क) कृष्णः कंसं जघान।  
(ख) शीतलवाहिनी गङ्गा।  
(ग) दारपोषणरताः कृषकाः।  
(घ) शीतं कम्बलवन्तं न बाधते।

अथवा

- (क) मृगात् (ख) सिंहः  
(ग) पलायनम् (घ) पञ्चमी।

11. विकल्पं चित्वा लिखत

- (क) भद्राणि (ख) गुरुणाम्  
(ग) पठामः (घ) देवप्रबोधिन्याम्



## अभ्यास प्रश्नपत्र प्रारूपम्

### संस्कृतम् (कक्षा-अष्टमी)

1. (अ) समुचितपदं चित्वा लिखत  
 (क) त्वरणीयम् (ख) वराहमिहिरेण  
 (ग) माघमासे (घ) खण्डेरावः  
 (ङ) भद्राणि  
 (ब) रिक्तस्थानानि पूरयत  
 (क) मेकलसुता (ख) शीलम्  
 (ग) प्रकृतिहिताय (घ) एकादशवर्षाणि  
 (ङ) रामकृष्णपरमहंसः
2. गद्यांशं पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत  
 (कस्मिंश्चित् ..... नष्टानि।)  
 (क) चटकायुगलं निम्बवृक्षे प्रतिवसति स्म।  
 (ख) चटकया अण्डानि दत्तानि।  
 (ग) एकः मदमत्तः गजः आगतः।  
 (घ) मदेन मत्तः गजः तां शाखां नाशितवान्।  
 अथवा  
 (एकदा ..... अगच्छत्।)  
 (क) सः मरणासन्नम् एकं रुग्णम् अपश्यत्।  
 (ख) विक्रमादित्यस्य मनसि वैराग्यम्  
 उद्भूतम्।  
 (ग) सः महामन्त्रिणि राज्यभारं समर्थं  
 वनम् अगच्छत्।  
 (घ) 'अगच्छत्' पदे 'गम्' धातुः।
3. पद्यांशं पठित्वा उत्तराणि लिखत  
 (उद्योगे ..... भयम्।)  
 (क) उद्योगे दारिद्र्यं नास्ति।  
 (ख) जपतो नास्ति पातकम्।  
 (ग) जागरिते भयं नास्ति।  
 (घ) 'मौने' इति पदे सप्तमी विभक्ति एक  
 वचनम् अस्ति।  
 अथवा  
 (माता ..... तृणात्)  
 (क) भूमेः माता गुरुतरा।  
 (ख) पिता खात् उच्चतरः।  
 (ग) वातात् शीघ्रतरं मनः।  
 (घ) 'तृणात्' इत्यस्मिन् पदे पञ्चमी विभक्ति  
 एकवचनम् अस्ति।
4. (अ) पाठ्यपुस्तकात् कण्ठस्थीकृतं  
 श्लोकम्  
 निर्वहनस्य विषं भोगो निस्सत्त्वस्य विषं  
 रणम्।  
 अनभ्यासे विषं शास्त्रम् अजीर्णे  
 भोजनं विषम्॥  
 (ब) श्लोकपूर्ति  
 विना वेदं विना गीतां विना रामायणी  
 कथाम्।  
 विना कवि कालिदासं भारतं भारतं  
 नहि॥  
 (स) एकाम् सूक्तिम् लिखत  
 (क) शीलं सर्वत्र वै धनम्।
5. (अ) एकपदेन उत्तराणि  
 (क) जनवरीमासे (ख) अर्थकरी  
 (ग) वीरहरदौलः  
 (घ) सीतारामतिवारी  
 (ङ) अमरकण्टकात्  
 (च) चौण्डीग्रामः (छ) कालिदासः  
 (ब) एकवाक्येन उत्तरत  
 (क) कष्टपर्वते चरणीयम्।  
 (ख) गुणेषु यत्नः करणीयः।  
 (ग) विवेकानन्दः यूनां प्रेरकः पथप्रदर्शकश्च।  
 (घ) चित्रकूटे महात्मगौंधिग्रामोदय  
 विश्वविद्यालयः अस्ति।  
 (ङ) विश्वविद्यालयस्य ध्येयवाक्यम्  
 आसीत् सत्कर्म एव धर्मः।  
 (च) काशी-तल-वाहिनी गङ्गा।  
 (छ) आलुकाः, पलाण्डुम्, कूष्माण्डम्,  
 शिम्बाम्, मूलिकाः च।
6. (अ) शब्दरूपाणि लिखत  
 (क) बालक-बालकः, बालकौ, बालकाः।  
 (ख) मातृ-मातरम्, मातरौ, मातृः।  
 (ग) राजन् - राज्ञः, राज्ञोः, राज्ञाम्।  
 (ब) धातुरूपं लिखत  
 (क) वद्-वदति, वदतः, वदन्ति।  
 (ख) सेव-सेविष्यसे, सेविष्येथे, सेविष्वध्वे  
 (ग) लिख-अलिखम्, अलिखाव  
 अलिखाम्।  
 (स) अशुद्ध वाक्यानि शुद्धं कुरुत  
 (क) श्रीगणेशाय नमः।  
 (ख) सः पुस्तकं पठति।

- (ग) कृष्णः यानेन गच्छति।  
 (घ) छात्रः फलं खादति।  
 (ङ) लक्ष्मणः रामेण सह क्रीडति।  
 (च) गीता बालकाय भोजनं ददाति।

7. (अ) धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत

- (क) पठितुम् = पठ् + तुमुन्  
 (ख) गत्वा = गम् + क्त्वा  
 (ग) गतः = गम् + क्त  
 (घ) खादितवान् = खाद् + क्तवतु

(ब) उपसर्गं योजयित्वा पदं निर्माणं कुरुत

- (क) प्र = प्र + नम् + ल्यप् = प्रणम्य  
 (ख) अनु = अनु + गम् + ल्यप् = अनुगम्य  
 (ग) सु = सु + वच् + उक्तिः = सूक्तिः  
 (स) अव्यय प्रयोगेण वाक्यरचना  
 (क) अद्य अहं विद्यालयं न गमिष्यामि।  
 (ख) सः मां न जानाति।  
 (ग) मम भ्राता प्रायः अत्र एव आगच्छति।

8. (अ) सन्धि विच्छेद

- (क) विद्यालयः - विद्या + आलयः (दीर्घ)  
 (ख) सज्जनः - सद् + जनः - व्यंजन  
 (ग) नमस्ते - नमः + ते - (विसर्ग)  
 (घ) महोत्सवः - महा + उत्सवः (गुण)

(ब) समासविग्रह

- (क) राजपुरुषः = राज्ञः पुरुषः (ष. त.)  
 (ख) महापुरुषः = महान् पुरुषः (क. धा)  
 (ग) पितरौ = माता च पिता च (द्वन्द्व)  
 (घ) चन्द्रशेखरः = चन्द्रः शेखरे यस्य सः (शिवः) (बहुव्रीहि)

(स) संख्या संस्कृते लिखत

- (क) 28 = अष्टाविंशतिः  
 (ख) 36 = षट्त्रिंशत्  
 (ग) 41 = एकचत्वारिंशत्  
 (घ) 46 = षट् चत्वारिंशत्।

9. पत्रपूर्ति

सेवायाम्  
 श्रीमान् प्रधानाध्यापकमहोदयः  
 शासकीय माध्यमिक विद्यालयः  
 जाबलिपुरम्।  
 महोदय!

विनम्र निवेदनम् अस्ति यत् अहं अद्य शीत ज्वरेण पीडितः अस्मि। अत एव विद्यालयम् आगन्तुं न शक्नोमि। अतः एकदिवसीय अवकाशं स्वीकरोतु।

दिनाङ्क- 22 फरवरी 20\_\_

भवतः आज्ञाकारी शिष्य

अजयः

अष्टम् कक्षा

10. अधोलिखित विषयेषु 10-10 वाक्यानि लिखत—

धेनु

धेनुं जनाः गृहे पालयन्ति। सा अस्मभ्यम् दुग्धं ददाति। लिम्पनाय गोमयं ददाति वंश वृद्ध्यर्थं वत्सान् ददाति। सा मातेव अस्मान् दुग्धं पापयति। अतः भारते सा गोमाता इति कथ्यते। भारतीयैः एषः मातेव पूज्यते। दीपावल्यां ग्रामे जनाः धेनून् सज्जयन्ति। धेनुः सरल स्वभावः पशुः।

विद्यालय

अस्माकं विद्यालयः नगरात् बहिर् अस्ति। अस्य नाम शासकीय माध्यमिक विद्यालयः अस्ति। अस्माकं विद्यालये पञ्चदश अध्यापकाः सन्ति। अत्र सहस्रमेकं छात्राः पठन्ति। विद्यालये दश कक्ष कक्षाणि सन्ति। एकस्मिन् कक्षे प्रधानाध्यापकस्य कार्यालय अस्ति। पार्श्वे एव लेखकानां कार्यालयम् विद्यते। एक प्रकोष्ठः अध्यापकस्य अपि निर्धारितः।

उद्यानम्

नगरस्य समीपम् एकम् उद्यानमस्ति। उद्यानि बहवः वृक्षा, पादपाः लता च सन्ति। वृक्षेषु फलानि भवन्ति। जना एतेषां छायाद्य विश्रमन्ति। पादपेषु लतासु च पुष्पाणि विकसन्ति। एतानि पुष्पाणि उद्यानस्य शोभां वर्धयन्ति, जनानां स्वास्थ्य अपि वर्धयन्ति। जनाः अयं प्रातः सायं च भ्रमन्ति तिष्ठन्ति परस्परमिलित्वा तिष्ठन्ति संवादं च कुर्वन्ति। उद्यानानि मानवेभ्यः अनेकशः लाभप्रदा भवन्ति।

पुस्तकम्

इदं मम पुस्तकम् अस्ति। पुस्तकं पठनाय भवति। पुस्तकानि ज्ञानस्य निधः भवन्ति। ज्ञानेन सह अस्माकं मनोरञ्जनम् अपि कुर्वन्ति। पुस्तकानि प्रेरणादायकानि भवन्ति। मम प्रिय पुस्तकं श्रीमद्भगवत गीतास्ति अस्मिन् पुस्तके मानव मात्राय कल्याण सन्देशः निहितः। एतत् पुस्तकम् सरल जीवन मार्गं दर्शयति। अत्र निहितः कर्मयोग मानव कर्म प्रति प्रेरयति। गीता मानवस्य हृदय कर्म प्रति आस्थां उद्भावयति। अतः मानव गीतां पठित्वा कर्मणि निरतः भवति। अनासक्तः सम् कर्म करोति।

